THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 126 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.8 2083 गुरुवार, 6 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अभिषेक बनर्जी को हाईकोर्ट से झटका

कोलकाता, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी को आंख के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

अदालत ने उनकी याचिका भी खारिज कर दी। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई के बाद कहा कि पिछली सुनवाई में अभिषेक बनर्जी को पहले कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के विशेषज्ञों से परामर्श लेने की सलाह दी गई थी। अदालत ने कहा था कि अस्पताल की रिपोर्ट मिलने के बाद ही इस मामले में फैसला किया जाएगा।

अनुच्छेद 370 हटने के 7 साल बाद

जम्मू-कश्मीर ने विकास का नया दौर देखा : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35(ए) हटाए जाने के सात साल आज यानी पांच अगस्त को पूरे हो गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा कि तब से दोनों क्षेत्रों में लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज ही के दिन सात वर्ष पहले अनुच्छेद 370 और 35(ए) इतिहास बन गए थे। इससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की विकास यात्रा में एक निर्णायक नए अध्याय की शुरुआत हुई।' उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता तथा खेल जैसे क्षेत्रों में नए अवसर बढ़े हैं। पीएम मोदी ने कहा, चाहे महिलाएं हों या वंचित समुदाय, जिन लोगों को दशकों तक अपने मूल संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया, उन्हें भारतीय संविधान के पूर्ण रूप से लागू होने के कारण सशक्त बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 5 अगस्त का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि देश डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, राष्ट्रीय एकता के प्रति उनका आजीवन समर्पण आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। उन्होंने दशकों पहले जो सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को ऐतिहासिक रूप से साकार हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है और यह सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है कि हर नागरिक बड़े सपने देख सके, उन्हें पूरा कर सके और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सके। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'मां भारती का मस्तक सदा ऊंचा रहे।

5 अगस्त, 2019 भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के इतिहास का स्वर्णिम दिवस है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के साथ 'एक विधान-एक निशान-एक प्रधान' के स्वप्न तथा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के राष्ट्रीय संकल्प को ऐतिहासिक सिद्धि मिली।'

एनडीए सांसदों के साथ पीएम की बैठक

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को राज्यसभा के 36 एनडीए सांसदों से मिले। इसमें हाल ही में दूसरी पार्टी से बीजेपी या एनडीए में आए सांसद भी शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक पीएम ने सांसदों से कहा कि दिल्ली के मकड़जाल में नहीं फंसना है और कहा कि सिर्फ लुटियंस दिल्ली में ही नहीं फंसके रहना है। सूत्रों के मुताबिक पीएम ने सांसदों से कहा कि दिल्ली में आप किससे मिलते हैं, किसके साथ बैठते हैं, इसका ख्याल रखें।

'अगर 500 लोग संसद में घुस जाते तो'

> प्रदर्शनकारियों के खिलाफ केस वापस लेने की मांग का विरोध

हमें बहुत सावधानी से आगे बढ़ना होगा, ताकि युवा हिंसा का रास्ता न अपनाएं। बेहतर तरीका यही है कि उन्हें समझाया जाए और शांत किया जाए कि सबसे ताकतवर व्यवस्था उनकी बात सुन रही है।

- सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में 20 जुलाई को हुए कॉकरोच जनता पार्टी विरोध प्रदर्शन के आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सहमति जताई है। याचिका में आरोप लगाया गया कि कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं द्वारा दिए गए बयानों ने प्रदर्शनकारियों को उकसाया। याचिका में केंद्र सरकार और राज्यों को निर्देश देने की मांग की गई है कि वे हालिया छात्र प्रदर्शनों से जुड़े मामलों को केवल किसी राजनीतिक समझौते के आधार पर वापस न लें।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने प्रदर्शनों से निपटने में संयम बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया। सीजेआई ने कहा, हमें सावधानी से आगे बढ़ना होगा ताकि ये युवा हिंसा में लिप्त न हों। बेहतर तरीका है कि हम उन्हें समझाएं और शांत करें। सबसे शक्तिशाली हथियार है उनकी बात सुनना। उनकी बात सुनें और समझने की कोशिश करें कि वे क्यों चिल्ला रहे हैं। यह याचिका मनीष कुमार सोलंकी की ओर से याचिका दायर की गई है। इसमें विरोध प्रदर्शन के आयोजकों के खिलाफ जवाबदेही तय करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वकील रिजवान अहमद ने कहा, यह (विरोध प्रदर्शन) मंत्री और पुलिस की जवाबदेही को लेकर था, हम यह स्वीकार करते हैं। 15 दिन बीत चुके हैं। आयोजकों की जवाबदेही का क्या? वे एक चैनल से दूसरे चैनल पर जाकर भड़काऊ बयान दे रहे हैं और आग बुझाने से इनकार कर रहे हैं। तथाकथित आयोजकों की जवाबदेही कहां है? मैं इन्हें तथाकथित आयोजक इसलिए कह रहा हूं क्योंकि ये कोई रजिस्टर्ड संगठन नहीं है।

ई20-पेट्रोल पर नितिन गडकरी से जुड़े पोस्ट हटाने के आदेश

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला-ऐसी पोस्ट घिनौनी और अपमानजनक; यूजर्स की जानकारी भी मांगी

मुंबई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने ई20 पेट्रोल विवाद पर सोशल मीडिया पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उनके परिवार के सदस्यो से जुड़ी सभी पोस्ट तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने प्लेटफॉर्म्स को उन लोगों की जानकारी देने का भी निर्देश दिया है जिन्होंने यह कंटेंट अपलोड किया था।

कोर्ट ने यह फैसला गडकरी की तरफ से दायर याचिका पर सुनाया। कोर्ट ने माना कि ऐसी पोस्ट घिनौनी, अपमानजनक और अश्लील हैं। कोर्ट ने मेटा, एक्स और गूगल जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से यह भी कहा कि प्लेटफॉर्म को ऐसी पोस्ट खुद ही हटा देनी चाहिए। सुनवाई के दौरान मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम) और एक्स कॉर्प के वकील भी कोर्ट में मौजूद थे। नितिन गडकरी ने 27 जुलाई को बॉम्बे हाईकोर्ट में यह याचिका दायर की थी। कोर्ट के फैसले के बाद गडकरी के वकील संदीप एस. लड्डा ने मीडियो को बताया कि हमने कोर्ट को बताया कि ई20 नीति से जुड़े कंटेंट किस तरह मानहानिकारक हैं। सोशल मीडिया का इस्तेमाल किसी की छवि खराब करने के लिए किया जा रहा है और इसे रोकने के लिए कोई पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया इसे मानहानिकारक माना और प्लेटफॉर्म्स से सवाल किया कि ऐसी समस्याओं को रोकने के लिए उनके पास प्रभावी तंत्र क्यों नहीं है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि मुकदमा दायर होने के बाद भी अगर ऐसा कोई कंटेंट पोस्ट किया गया है, तो उसे तुरंत हटाया जाए। गडकरी ने अपनी याचिका में कहा है कि सोशल मीडिया पर उन्हें और उनके परिवार को ई20 इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम से होने वाले मुनाफे से जोड़ा जा रहा है।

> पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा पर विदेश मंत्रालय सख्त

भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी का कोई अधिकार नहीं

पांच अगस्त 2019 को भारत सरकार की ओर से लिए गए सांविधानिक फैसले पूरी तरह से देश का आंतरिक मामला हैं। इसके बाद क्षेत्र में अभूतपूर्व सामाजिक-आर्थिक विकास देखने को मिला है।

रणधीर जायसवाल, प्रवक्ता, विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान द्वारा आयोजित कथित 'यौम-ए-इस्तेहसाल' को सिरे से खारिज करते हुए करारा हमला बोला है। भारत ने इसे पाकिस्तान का एक राजनीतिक ढोंग और दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार करार दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान के पास भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई कानूनी या नैतिक अधिकार नहीं है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ शब्दों में कहा कि पांच अगस्त 2019 को भारत सरकार की ओर से लिए गए सांविधानिक फैसले पूरी तरह से देश का आंतरिक मामला हैं। इन ऐतिहासिक निर्णयों के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अभूतपूर्व सामाजिक-आर्थिक विकास देखने को मिला है। क्षेत्र में सुशासन स्थापित हुआ है और स्थानीय लोगों को लोकतांत्रिक रूप से सशक्त बनाया गया है। पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे झूठ का जमीनी हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है। भारत ने पाकिस्तान के दोहरे रवैये को अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेनकाब करते हुए कहा कि पूरी दुनिया पाकिस्तान-ऑक्यूपाइड जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) में मौलिक अधिकारों के दमन को देख रही है। हाल के हफ्तों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अपने हक के लिए आवाज उठा रहे शांतिपूर्ण नागरिकों पर जानलेवा बल प्रयोग किया है। वहां लक्षित हत्याएं और कड़े प्रतिबंध लगाकर नागरिक अधिकारों की आवाज को दबाया जा रहा है।

भारत की सख्त चेतावनी

विदेश मंत्रालय ने कहा कि अब कूटनीतिक नाटकबाजी बंद करने का वक्त आ गया है। पाकिस्तान को सलाह दी गई है कि वह सबसे पहले पीओजेके में जारी खून-खराबे को तुरंत रोके। इसके साथ ही अपनी सरजमीं से संचालित होने वाले आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ विश्वसनीय, सत्यापन योग्य और अपरिवर्तनीय कार्रवाई करे। भारत ने सख्त लहजे में कहा कि पाकिस्तान को गैर-कानूनी तरीके से कब्जाए गए सभी भारतीय भू-भागों को तत्काल खाली कर देना चाहिए, क्योंकि दुनिया अब उसके इन प्रायोजित नाटकों के झांसे में आने वाली नहीं है।

मार्क जकरबर्ग ने 'गलती' के लिए लिखित माफी मांगी

पीएम मोदी का वीडियो हटाने को लेकर जारी विवाद के बीच सरकारी सूत्रों का दावा

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रसारण, डीपफेक वीडियो के प्रसारण और प्लेटफॉर्म संचालनम में हुई गलतियों के लिए लिखित माफी माँगी है।

यह जानकारी सरकार में पदस्त सूत्रों ने इंडियन एक्सप्रेस को दी है। सूत्रों के अनुसार मेटा ने यह भी माना है कि कुछ खास तरह के कंटेंट को मेटा प्लेटफॉर्म पर बूस्ट करने के लिए काफी बड़ी धनराशि लगायी गयी थी। सूत्रों के अनुसार, उन्हें (मेटा के अधिकारियों को) साफ तौर पर बताया गया था कि वे 'इंटरमीडियरी' (मध्यस्थ) की परिभाषा के दायरे में नहीं आते हैं। वे (कंपनी) खुद ही तय करते हैं कि कंटेंट किसे मिलेगा।

ऐसे में आईटी एक्ट के तहत 'सेफ हार्बर' (सुरक्षा कवच) का नियम उन पर लागू नहीं होता। दिल्ली में आयोजित कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्श के दौरान जब पीएम नरेंद्र मोदी ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए 28 जुलाई को एक वीडियो फेसबुक पर पोस्ट किया गया तो वह कुछ घण्टे के लिए डिलीट हो गया था। उस वीडियो को दुबारा बहाल किया गया मगर सरकार नें इस पर कड़ा रुख अख्तियार किया। इसके अलावा एक मीडिया कंपनी ने अपनी खोजी रिपोर्ट में पाया था कि मेटा द्वारा संचालित प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम और फेसबुक पर बच्चों के यौन शोषण को बढ़ावा देने वाले वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं।

> राहुल गांधी का सरकार पर निशाना

छात्रों ने हिंसा नहीं की, प्रदर्शनकारियों के घर गुंडे भेजे गए

वहां मौजूद छात्र हिंसा नहीं कर रहे थे, आक्रामक नहीं थे, बदतमीजी नहीं कर रहे थे। उन्हें पीटा गया। उनके घर गुंडे भेज गए। जबरदस्ती एक 15 साल की लड़की से माफी मंगवाई गई।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्र आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग करने वाले छात्रों के साथ मारपीट की गई, उन्हें धमकाया गया और उनके घरों तक लोगों को भेजा गया। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों ने कोई हिंसा नहीं की, बल्कि वे बेहतर शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा पेपर लीक रोकने की मांग कर रहे थे।

राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने छात्र आंदोलन में शामिल कई युवाओं से खुलकर बातचीत की। छात्रों ने उन्हें बताया कि प्रदर्शन के दौरान उनके साथ मारपीट की गई और उन्हें डराया-धमकाया गया। राहुल गांधी ने कहा कि खराब होती शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाना कोई अपराध नहीं है। अगर छात्र व्यवस्था में बदलाव चाहते हैं तो उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहिए जो युवाओं का भविष्य सुरक्षित करे और परीक्षा पेपर लीक जैसी घटनाएं बंद हों। राहुल गांधी के साथ प्रेस वार्ता में छात्र आंदोलन से जुड़े कुछ युवा भी मौजूद थे। रिया अहीर ने कहा कि वह वही लड़की हैं, जो मुंबई पुलिस की गाड़ी के सामने खड़ी हुई थीं। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने 20 निर्दोष लड़कों को बचाने की कोशिश की थी। रिया ने आरोप लगाया कि अब उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। कार्यक्रम में वह युवती भी मौजूद थी, जिसे प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन लगी थी। इन छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कार्रवाई पर सवाल उठाए।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मानसून सत्र के दौरान संसद नहीं आ रहे हैं, क्योंकि वह छात्रों के खिलाफ हुई बर्बरता के दोषी हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, देश के गृह मंत्री मुंह छुपा रहे हैं क्योंकि वो छात्रों के गुनहगार हैं। इस दौरान उनके हाथ में कथित तौर पर पैलेट गन से घायल हुए एक शख्स की तस्वीर है। विपक्ष लगातार 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'संसद चलो' मार्च के दौरान दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कथित कार्रवाई का मुद्दा उठा रहा है।

रिजिजू ने राहुल और प्रियंका गांधी से की मुलाकात

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। संसद का गतिरोध तीसरे हफ्ते पहुंच गया है, लेकिन केंद्र सरकार किसी तरह इस हंगामे को खत्म करने की पहल में जुट गई है। इसी पहल के तहत संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और उनसे पार्लियामेंट की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए मदद मांगी। सूत्रों के हवाले से बताया कि राहुल गांधी ने रिजिजू से स्पष्ट कहा कि सदन में गृह मंत्री के बयान के बिना कार्यवाही नहीं चलेगी। सूत्रों के अनुसार, विपक्षी दलों के नारेबाजी के बीच लोकसभा की बैठक शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर स्थगित होने के तुरंत बाद रिजिजू ने राहुल गांधी से उनके कक्ष में मुलाकात की। रिजिजू ने परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर कांग्रेस का सहयोग मांगा, जिसे सरकार मौजूदा सत्र में फिर से पेश करने के लिए उत्सुक है। हालांकि, राहुल गांधी ने सरकार के इस अनुरोध को सिरे से खारिज कर दिया।

मैं लौटूंगी फिर चाहे जेल हो या मौत : शेख हसीना

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व अपदस्थ प्रधानमंत्री और अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने सत्ता से हटाए जाने के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। नई दिल्ली में आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि उन्हें अपने देश से दूर रहने के लिए मजबूर किया गया, लेकिन वह कभी भी बांग्लादेश की जनता से अलग नहीं हुईं। उन्होंने साफ कहा कि वह हर हाल में अपने देश लौटेंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें जेल भेजा जाए या उनकी जान चली जाए, लेकिन जनता के प्रति अपना कर्तव्य निभाने के लिए वह बांग्लादेश जरूर लौटेंगी।

हसीना ने अपने संबोधन में बांग्लादेश की मौजूदा सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि जुलाई-अगस्त 2024 का आंदोलन शुरू से शांतिपूर्ण छात्र आंदोलन नहीं था, बल्कि इसे योजनाबद्ध तरीके से उनकी सरकार को हटाने के अभियान में बदल दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन की आड़ में संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला किया गया। उनके अनुसार, उनकी सरकार ने हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग बनाया था, लेकिन सत्ता बदलने के बाद अंतरिम सरकार ने जांच रोक दी। शेख हसीना ने कहा कि वर्ष 1981 में भी तत्कालीन राष्ट्रपति जियाउर रहमान ने उन्हें बांग्लादेश लौटने से रोकने की कोशिश की थी, लेकिन वह तब भी लौटी थीं।

उन्होंने कहा कि इस बार भी कोई उन्हें नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा, "वे मुझे जेल भेज सकते हैं, मेरी हत्या भी कर सकते हैं, लेकिन मुझे अपने लोगों के बीच वापस जाना ही होगा।" उन्होंने कहा कि उनकी वापसी सत्ता हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि देश में सुरक्षा, विकास, समृद्धि और शांति बहाल करने के लिए होगी।

पाक ने भारत की तरफ मोड़ दिए चीन से लाए 250 तोपों के मुंह

डिफेंस एक्सपर्ट बोले-पीएलए की लैब बनी मुनीर फौज, टू-फ्रंट वॉर की तैयारी

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने भारत से सटे इलाकों में करीब 250 चीन में बनी एसएच-15 व्हील्ड सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिलरी गन (तोपें) तैनात की हैं, जिससे सीमा के पास उसकी लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता काफी बढ़ गई है। एसएच-15 को चीन में पीसीएल-181 के नाम से जाना जाता है। डिफेंस एनालिस्ट लेफ्टिनेंट कर्नल (रि.) जेएस सोढ़ी ने इस तैनाती पर बात की है। उन्होंने कहा है कि गुजरांवाला, सियालकोट और जलालपुर जट्टन में ये खासतौर पर तैनाती की गई है, जो बेहद संवेदनशील इलाके हैं। सोढ़ी ने कहा है कि पाकिस्तानी फील्ड मार्शल असीम मुनीर की फौज दरअसल चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के हथियारों के परीक्षण की लैब बन चुकी है। रिपोर्टों के अनुसार, इस्लामाबाद ने 'हैवी इंडस्ट्रीज टैक्सिला' फैसिलिटी में इन गन को स्थानीय स्तर पर बनाने के लिए 'ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी' (टीओटी) समझौता भी किया है। रिपोर्ट के अनुसार, ज्यादातर एसएच-15 गन भारत के सामने मौजूद पाकिस्तानी टुकड़ियों के साथ तैनात की गई हैं। खासकर गुजरांवाला, सियालकोट और जलालपुर जट्टन में, जो रणनीतिक रूप से अहम 'शकरगढ़ बल्ज' के पीछे स्थित हैं। यह इलाका जम्मू के दक्षिण और अमृतसर के उत्तर में है और इसके पूर्व में पठानकोट है। डिफेंस एनालिस्ट जेएस सोढ़ी बताते हैं कि भारत की पाकिस्तान के साथ जितनी भी जंग हुई हैं, उनमें इन संवेदनशील जगहों का अहम योगदान रहा है। इसीलिए इन जगहों पर आमने-सामने पाकिस्तान ने तोपें तैनात की हैं। यह पाकिस्तान के नापाक इरादों को दर्शाता है। लेफ्टिनेंट कर्नल (रि.) जेएस सोढ़ी के अनुसार, पाकिस्तान ने भारत के बॉर्डर के आस-पास जो हथियार तैनात किए हैं, वो दिखाता है कि पाकिस्तान और चीन भारत के खिलाफ टू-फंट वॉर छेड़ने के लिए बड़ी तैयारी कर रहे हैं। यह युद्ध 2030 के बाद कभी भी लड़ा जा सकता है। भारतीय थलसेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह (एवीएसएम, वीएसएम) ने 4 जुलाई, 2025 को ये बयान दिया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन उस वक्त पाकिस्तान की पूरी मदद कर रहा था।

'हमारी योजनाओं पर चिपकाए अपने स्टिकर'

उदयनिधि ने टीवीके सरकार को घेरा

चेन्नई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। तामिलनाडु की राजनीति में बजट पेश होते ही घमासान शुरू हो गया है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने टीवीके (तमिलगा वेत्री कषगम) सरकार के पहले बजट को 'बड़ा शून्य' करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नई सरकार ने न सिर्फ शिक्षा का बजट घटाया है, बल्कि अपने सबसे बड़े चुनावी वादों से भी पीछे हट गई है।

शिक्षा का बजट घटाना राज्य के लिए कितना बड़ा झटका?

उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र का बजट कम करना राज्य के विकास को पीछे धकेलने जैसा है। उन्होंने तुलना करते हुए याद दिलाया कि डीएमके के शासनकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास को प्राथमिकता दी थी। लेकिन नई सरकार ने पहले ही बजट में शिक्षा के बजट में सीधे 4,000 करोड़ रुपये की बड़ी कटौती कर दी है।

बजट को बताया 'जीरो': उदयनिधि स्टालिन ने टीवीके सरकार के पहले बजट को पूरी तरह दिशाहीन और शून्य बताया। शिक्षा बजट में भारी कटौती: डीएमके शासन के आखिरी बजट में शिक्षा के लिए 48,500 करोड़ रुपये दिए गए थे, जिसे घटाकर अब 44,500 करोड़ रुपये कर दिया गया है। महिलाओं को निराशा: टीवीके ने चुनाव के दौरान महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता देने का वादा किया था, लेकिन बजट में इसका कोई जिक्र नहीं है।

'राहत और पुनर्वास में नहीं होगी कोई कमी'

जेपी नड्डा ने असम बाढ़ से प्रभावित इलाकों का किया दौरा

शिवसागर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को असम के शिवसागर जिले में बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उनके साथ मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी थे। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए हर संभव मदद देगी।

बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया

नड्डा ने बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित बिहुबोर नेपाली खुटी इलाके का दौरा किया, प्रभावित परिवारों से बातचीत की और हाल की बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया। केंद्रीय मंत्री ने राहत कार्यों और राज्य प्रशासन की ओर से किए जा रहे पुनर्वास के उपायों की भी समीक्षा की। बाढ़ प्रभावित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा 'भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से, मैं हिमंत बिस्वा सरमा और आप सभी को भरोसा दिलाता हूं कि राहत कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। राज्य को पूरी आर्थिक मदद दी जा रही है। केंद्र की टीमें यहां हुए नुकसान का जायजा ले रही हैं। हम पुनर्वास के कामों में पूरी तरह जुटे हुए हैं।'

आगे उन्होंने कहा, मुझे मुख्यमंत्री के साथ शिवसागर जाने का मौका मिला। मैंने नुकसान का दायरा देखा है। पूरे के पूरे गांव प्रभावित हुए हैं। लोगों के घर उजड़ गए हैं। इसके साथ ही फसलें और संपत्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। हमने लोगों को हो रही दिक्कतों पर चर्चा की। राहत का काम जारी है। यह प्रभावित इलाकों तक पहुंचा है। भारत सरकार की ओर से मदद में कोई कमी नहीं होगी।

चाहे आर्थिक मदद हो, नुकसान का मुआवजा हो या पुनर्वास, केंद्र असम के साथ खड़ा रहेगा। हिमंत बिस्वा सरमा अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं, मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि केंद्र सरकार हर संभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रभावित इलाकों का दौरा करने के लिए केंद्रीय मंत्री का धन्यवाद किया। इसके साथ ही कहा, 'नड्डा जी ने खुद तबाही का मंजर देखा है। मुझे भरोसा है कि वे प्रधानमंत्री को हालात के बारे में बताएंगे ताकि असम के लोगों को राहत और पुनर्वास के लिए जरूरी हर तरह की मदद मिल सके।

बड़ी ब्राह्मणा में करंट बना काल, जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान की दर्दनाक मौत

जम्मू, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू के बड़ी ब्राह्मणा क्षेत्र में करंट लगने से जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान सतवीर सिंह की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सतवीर सिंह मूल रूप से अनंतनाग जिले के चिट्ठा सिंहपुरा के रहने वाले थे। हालांकि, उन्होंने बड़ी ब्राह्मणा में अपना घर बना लिया था और परिवार के साथ वहीं रह रहे थे। वह इन दिनों जम्मू जिले में तैनात थे और अपनी सेवाएं दे रहे थे। बताया जा रहा है कि किसी कारणवश उन्हें करंट लग गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और उनके साथी अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

'मदरसे वाले आतंकी तो क्या चंदा चोर देशभक्त?'

केशव मौर्य पर भड़के कपिल सिब्बल

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने हाल ही में मदरसों और उसमें पढ़ने वाले बच्चों को लेकर विवादित बयान दिया था, जिसपर सियासत भड़क गई है। केशव प्रसाद मौर्य का कहना था कि मदरसा किसी भी देश का हो, आतंकवादी ही पैदा करता है। इसपर अब वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल की प्रतिक्रिया आई है। केशव मौर्य के इस बयान पर कपिल सिब्बल भड़क गए और सवाल किया कि अगर मदरसे में पढ़ने वाले बच्चे आतंकवादी होते हैं तो क्या राम मंदिर में चंदा चोरी करने वाले देशभक्त हैं? कपिल सिब्बल ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि यूपी के डिप्टी सीएम कहते हैं कि मदरसा शिक्षा देशभक्ति को बढ़ावा नहीं देती।

केशव प्रसाद का कहना है कि जो लोग मदरसा शिक्षा पाते हैं, उनकी सोच आतंकवादियों जैसी हो जाती है। यह एक

सांप्रदायिक बयान है और विकृत सोच को दर्शाता है। इसी के साथ कपिल सिब्बल ने सवाल किया कि क्या 'चंदा चोर' देशभक्त होते हैं? कपिल सिब्बल ने डिप्टी सीएम के पद की जिम्मेदारी संभाल रहे व्यक्ति द्वारा ऐसी बयानबाजी पर निराशा जाहिर की और कहा कि यह देश इससे बेहतर का हकदार है।

केशव मौर्य ने असल में क्या कहा था जिसपर हुआ बवाल?

दरअसल, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जो कोई भी मदरसा शिक्षा प्राप्त करता है, उसके भीतर 'एक आतंकी जैसी सोच' विकसित होती है। विधान भवन में केशव मौर्य ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा था, जिसे भी मदरसा शिक्षा मिलती है, वह भारत माता की जय नहीं बोलता और न ही वंदे मातरम गीत गाता है।

उसके भीतर एक आतंकवादी जैसी सोच विकसित होती है। उन्होंने यह भी कहा था कि मदरसा चाहे कहीं के भी हों, भारत या बांग्लादेश, आतंकी ही पैदा करते हैं। केशव प्रसाद मौर्य के इस बयान पर समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, टीएमसी समेत लगभग सभी विपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनकी आलोचना की थी।

वाईएसआरसीपी सांसदों का कहना है कि एयरपोर्ट जगन मोहन रेड्डी के समय में बना

विजयवाड़ा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। वाईएसआरसीपी सांसदों तनुजा रानी और गुरुमूर्ति ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर आरोप लगाया कि वे भोगपुरम एयरपोर्ट को अपनी उपलब्धि बताकर असल में 'क्रेडिट चुराने' का काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के अहम पड़ाव जैसे ज़मीन अधिग्रहण, मुआवज़ा, ज़रूरी मंज़ूरी और कानूनी अड़चनों को दूर करना वाईएस जगन मोहन रेड्डी की सरकार के दौरान पूरे हुए थे, और किसानों के त्याग की वजह से ही यह एयरपोर्ट बन पाया। तनुजा रानी ने केंद्रीय मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर की आलोचना करते हुए कहा कि वे 'इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं', जबकि जिस समय काम हो रहा था, वे विदेश में थे।

उन्होंने टीडीपी को संसद में बहस की चुनौती दी और कहा कि सरकारी रिकॉर्ड बताते हैं कि एयरपोर्ट का 86% काम जगन के कार्यकाल में ही पूरा हो गया था। उन्होंने इंटरनेशनल योग इवेंट्स पर खर्च किए गए 300 करोड़ रुपये पर भी सवाल उठाए और पूछा कि इस तरह के प्रचार से आदिवासी समुदायों को क्या फ़ायदा हुआ। गुरुमूर्ति ने कहा कि रनवे जगन की सरकार के समय बना था, जबकि टीडीपी नेता अब 'फीता काटकर क्रेडिट ले रहे हैं।'

उन्होंने याद दिलाया कि टीडीपी की पहले की 15,000 एकड़ ज़मीन अधिग्रहण की योजना से किसानों और मछुआरों में डर फैल गया था, जिसके कारण कोर्ट केस हुए और वे 2022 में ही सुलझ पाए।

अमरावती में ही आंध्र प्रदेश का भविष्य और सम्मान दिखता है : अनीता

अमरावती, 5 अगस्त (एजेंसियां)। गृह मंत्री अनीता ने कहा कि आंध्र प्रदेश का भविष्य और सम्मान अमरावती में ही दिखाई देता है। आज (बुधवार) गृह मंत्री अनीता और मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास ने अमरावती में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

बाद में, अनीता ने मीडिया से कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी को भी अपनी राजधानी यहीं रखनी चाहिए थी। उन्होंने (जगन पर) धोखा देने का आरोप लगाया। 2019-24 के बीच तीन राजधानियों की बात की गई थी। उन्होंने कहा कि वह यह देखने आई हैं कि अमरावती कैसी है।

न केवल जन-प्रतिनिधि, बल्कि आम लोग भी इन इमारतों को देखना चाहते हैं। जो नेता अमरावती के बारे में बातें करते हैं, उन्हें यहाँ आकर इसे देखना चाहिए। गृह मंत्री अनीता ने विशेष रूप से धन्यवाद दिया। मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास ने कहा कि अमरावती में इमारतें देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई। किसानों ने अमरावती के लिए ज़मीन दी।। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने दूरदर्शिता के साथ कार्यालय और आवास बनवाए। यहाँ 'वॉक-टू-वर्क' (काम की जगह तक पैदल जाने की सुविधा) के कॉन्सेप्ट के साथ इमारतें बनाई जा रही हैं। मंत्री कोंडापल्ली ने कहा कि सचिवालय और एचओडी की इमारतें बहुत अच्छी तरह से बनाई गई हैं।

बिरलूटी जंगल में बाघ को मारने के आरोप में सात लोगों पर केस दर्ज

ओंगोल, 5 अगस्त (एजेंसियां)। एनएसटीआर-गिद्दलुरु की डिप्टी डायरेक्टर निशा कुमारी ने बताया कि एक बाघ को मारने और उसके पंजे बेचने की कोशिश करने के आरोप में सात लोगों पर केस दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि तीन हफ्ते पहले पाँच लोग रिजर्व फ़ॉरेस्ट में घुसे, उन्होंने देसी बंदूक से जानवर को गोली मारी और कुल्हाड़ी से उसके अंग काट दिए; इस काम में दो और लोगों ने उनकी मदद की थी। आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है और फ़ोरेंसिक जांच चल रही है।

इस बीच, रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी पी. मल्लिकार्जुन राव की अगुवाई में एक हाई-लेवल कमेटी ने एनएसटीआर के आत्मकुर डिवीज़न में बिरलूटी जंगल का दौरा किया, ताकि बाघों की संदिग्ध मौतों की जांच की जा सके। यह टीम दो दिनों तक रिजर्व इलाकों का निरीक्षण करेगी और अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी।

थानों में महिला कर्मियों के लिए सैनिटरी पैड मशीन और साफ शौचालय की मांग, एचसी लेगा फैसला

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी के पुलिस थानों में तैनात हजारों महिला पुलिसकर्मियों के लिए मासिक धर्म (पीरियड्स) के दौरान जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि अधिकांश पुलिस थानों में न तो सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन हैं, न इस्तेमाल किए गए पैड नष्ट करने के लिए इंसिनरेटर और न ही महिलाओं के लिए पर्याप्त व साफ-सुथरे शौचालय।

इससे महिला पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यह जनहित याचिका एडवोकेट सत्यम सिंह राजपूत की संस्था जस्टिस फॉर राइट्स फाउंडेशन की ओर से उसकी महिला प्रकोष्ठ प्रतिनिधि मुस्कान सिंह बांकुरा ने दायर की है। याचिका में जुलाई-अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली पुलिस के सभी 18 जिलों और यूनिटों से आरटीआई के जरिए जुटाई गई जानकारी का हवाला दिया गया है। दावा किया गया है कि अधिकांश पुलिस थानों में मासिक धर्म स्वच्छता से जुड़ी बुनियादी सुविधाएं लगभग नदारद हैं और इसके लिए अलग से बजट भी तय नहीं किया गया है। याचिका में कहा गया है कि महिला पुलिसकर्मियों से कठिन परिस्थितियों में लगातार ड्यूटी कराई जाती है लेकिन उन्हें पीरियड्स के दौरान जरूरी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं।

यह स्थिति उनके स्वास्थ्य, सम्मान, निजता और सुरक्षित कार्यस्थल के अधिकार का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने इसे संविधान के आर्टिकल 14, 15 और 21 के तहत मिले मौलिक अधिकारों के खिलाफ बताया है। याचिका में मुंबई पुलिस के स्मार्ट मैत्रीण प्रोजेक्ट, सीआरपीएफ और लद्दाख पुलिस में उपलब्ध ऐसी सुविधाओं का उदाहरण देते हुए कहा गया है कि दिल्ली पुलिस में भी इसी तरह की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। गृह मंत्रालय की एडवाइजरी का भी जिक्र किया गया है। याचिका में दिल्ली हाईकोर्ट से मांग की गई है कि सभी पुलिस थानों और पुलिस इकाइयों में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन और पैड नष्ट करने के लिए इंसिनरेटर लगाए जाएं।

बस में चढ़ने जा रहा था भिखारी कंडक्टर ने मारी लात, वीडियो वायरल होने के बाद सस्पेंड

बेंगलुरु, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक राज्य में बेंगलुरु ग्रामीण जिले के नेलमंगला तालुक में बेंगलुरु महानगर परिवहन निगम(बीएमटीसी) के कंडक्टर कृष्णमूर्ति को बस में चढ़ने आए एक भिखारी को लात मारने के आरोप में निलंबित कर दिया। ये दुखद घटना मंगलवार की बताई जा रही है। बीएमटीसी प्रबंधन ने तत्काल यह सख्त कार्रवाई की है। बीएमटीसी ने इस संबंध में एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की है। इस प्रेस विज्ञप्ति में बीएमटीसी की इस कार्रवाई की जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि कृष्णमूर्ति बेंगलुरु महानगर परिवहन निगम के शिवनपुर डिपो की वाहन संख्या (केए-57 एफ-1104) वाली बस में कंडक्टर के रूप में कार्यरत था। बीएमटीसी ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए कंडक्टर के व्यवहार के वीडियो को गंभीरता से लिया है, इसलिए, मामले की तत्काल विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। तथ्यों की निष्पक्ष जांच के लिए कंडक्टर को निलंबित कर दिया गया है।

कांग्रेस के गूंगी गुड़िया वाले पोस्ट पर सुनेत्रा पवार ने दी प्रतिक्रिया

बोलीं- सही समय आने पर दूंगी जवाब

मुंबई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया पर 'गूंगी गुड़िया' कहे जाने के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई है। इस टिप्पणी को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए हैं। कांग्रेस की इस पोस्ट पर सुनेत्रा पवार की भी पहली प्रतिक्रिया सामने आ गई है। सुनेत्रा पवार नकहा कि वह उचित समय आने पर इसका जवाब देंगी। वहीं महायुति के नेताओं ने कांग्रेस पर महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाया है। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में सुनेत्रा पवार ने कांग्रेस की टिप्पणी पर कहा कि सही समय आने पर जवाब दूंगी। उन्होंने फिलहाल इस विवाद पर अधिक टिप्पणी करने से परहेज किया। इस विवाद पर कांग्रेस विधायक विजय नामदेवराव वडेट्टीवार ने अपने बयान का बचाव करते हुए कहा कि इसमें कोई अपमानजनक शब्द नहीं था।

उन्होंने कहा कि उनके नेता ने केवल यह कहा कि सुनेत्रा पवार गूंगी गुड़िया हैं, कोई गाली नहीं दी गई। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष बार-बार इस मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। वडेट्टीवार ने कहा कि असली सवाल यह है कि क्या इस टिप्पणी से सुनेत्रा पवार को वास्तव में बुरा लगा। उन्होंने

महायुति सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में बैठे नेताओं की कोई स्पष्ट विचारधारा नहीं है और वे केवल सत्ता के लिए राजनीति कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस की टिप्पणी की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी ने महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि यह केवल सुनेत्रा पवार का नहीं, बल्कि राज्य की सभी माताओं और बहनों का अपमान है। शिंदे ने कहा कि कांग्रेस को इस बयान के लिए तत्काल सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2024 में भी कांग्रेस ने महिलाओं के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था, जिसका जवाब राज्य की महिलाओं ने चुनाव में दिया था।

एनसीपी विधायक सना मलिक ने भी कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपना इतिहास भूल गई है। उन्होंने याद दिलाया कि जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की जाती थीं, तब कांग्रेस उनका विरोध करती थी, लेकिन अब वही पार्टी एक महिला नेता के खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रही है। सना मलिक ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए और सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते माफी नहीं मांगी गई तो एनसीपी महाराष्ट्र से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक विरोध प्रदर्शन करेगी और कानूनी कार्रवाई के विकल्प पर भी विचार करेगी।

अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़: दिल्ली पुलिस ने इंदौर से 6 आरोपी किए गिरफ्तार, साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का खुलासा

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के द्वारका जिले की पुलिस की साइबर सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह कॉल सेंटर लोगों को ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार बना रहा था। पुलिस ने मौके से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, द्वारका पुलिस को काफी समय से इस अवैध कॉल सेंटर के संचालन की जानकारी मिल रही थी। यह गिरोह लोगों को निशाना बनाकर उन्हें ठगने का काम कर रहा था।

मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर, पुलिस की एक टीम ने मध्य प्रदेश के इंदौर में छापा मारा। इस दौरान, पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को पकड़ा। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह गिरोह बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी को अंजाम दे रहा था। छापेमारी के दौरान, पुलिस ने मौके से 28 कंप्यूटर, विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। इन दस्तावेजों से गिरोह के तौर-तरीकों और उसके नेटवर्क के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है।

उमर अब्दुल्ला ने बाढ़ से प्रभावित पुंछ का दौरा किया

नुकसान और राहत कार्यों का जायजा लिया

जम्मू, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को पुंछ के बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने पिछले महीने हुई भारी बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया; इस बारिश और उससे जुड़ी घटनाओं में सीमावर्ती जिले में 16 लोगों की मौत हो गई थी और छह लोग लापता हो गए थे।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि अब्दुल्ला प्रभावित लोगों से मिलेंगे और जिला प्रशासन के साथ राहत, पुनर्वास और बहाली के उपायों की समीक्षा करेंगे। कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुख्यमंत्री आज पुंछ का दौरा कर रहे हैं ताकि हालिया बाढ़ से प्रभावित लोगों से मिल सकें और नुकसान तथा राहत की जरूरतों का खुद जायजा ले सकें। वह जिला प्रशासन के साथ चल रहे राहत, पुनर्वास और बहाली के उपायों की भी समीक्षा करेंगे। अब्दुल्ला ऐतिहासिक मुगल रोड से होते हुए पुंछ पहुंचे। पीर की गली में जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा और सुरनकोट के विधायक चौधरी मोहम्मद अकरम ने उनका स्वागत किया। दौरे के दौरान वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी उनके साथ थे। सुरनकोट सबसे बुरी तरह प्रभावित इलाका था, जहां 19 जुलाई को बारिश से जुड़ी आपदा में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। मूसलाधार बारिश के कारण बादल फटने, अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिससे पूरे जिले में बड़े पैमाने पर तबाही मची। कई घर और गाड़ियां बह गईं, जबकि सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा।

अपने दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री पीड़ित परिवारों से मिलेंगे, प्रभावित इलाकों का निरीक्षण करेंगे और बाढ़ तथा भूस्खलन से हुई तबाही का जायजा लेंगे। इस आपदा में रिहायशी मकानों, सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा, जिससे जिले के कई हिस्सों में संपर्क और जरूरी सेवाएं बाधित हुईं। सैकड़ों परिवार प्रभावित हुए और कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि अधिकारी नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

शीलू बल्हारा केस: मुस्कान ने आत्महत्या ही की थी

हाथों-कंधे पर पुरानी चोटों के निशान पोस्टमार्टम रिपोर्ट खुलासा

रोहतक, 5 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी शीलू बल्हारा की पत्नी मुस्कान बल्हारा (23) ने आत्महत्या ही की थी। साथ ही उनके दोनों हाथ व कंधे के पास हल्की व पुरानी चोटों के निशान हैं। ये निशान मारपीट के हैं या नहीं, यह मंगलवार को पुलिस को मिली पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट नहीं किया गया है। दोपहर फरमाणा में दोनों गांवों की संयुक्त पंचायत हुई। दो घंटे चली पंचायत में बहुअकबरपुर गांव से गए प्रतिनिधियों ने मांग रखी कि आरोपी शीलू बल्हारा, भाई मनीष, पिता सुरेंद्र व मां निशा देवी के खिलाफ मुस्कान की तेरहवीं की रस्म तक पुलिस कार्रवाई न की जाए। पहले केवल सुरेंद्र सिंह की गिरफ्तारी रुकवाने की मांग की गई थी। दो घंटे की बातचीत के बाद दोनों पक्ष चारों आरोपियों शीलू बल्हारा, पिता सुरेंद्र, मां निशा व छोटे भाई मनीष की गिरफ्तारी रुकवाने पर सहमत हो गए। सहमति के बाद मुस्कान के पिता एवं केस में शिकायतकर्ता फरमाणा गांव निवासी सुखबीर उर्फ बिट्टू के साथ पंचायती बहुअकबरपुर थाने में पहुंचे और ई-साक्ष्य एप पर बयान दर्ज कराए। प्रक्रिया के तहत लिखित बयान को बोलकर शिकायतकर्ता ने ई-साक्ष्य एप पर अपलोड कराया। कहा गया कि वे मुस्कान की तेरहवीं तक आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं चाहते। 2023 में फरमाणा गांव निवासी मुस्कान की शादी बहुअकबरपुर निवासी शीलू उर्फ टिंकू बल्हारा से हुई थी।

शीलू अंतरराष्ट्रीय स्तर का सर्कल कबड्डी का खिलाड़ी है। पांच दिन पहले शुक्रवार शाम करीब साढ़े 4 बजे मुस्कान का शव घर में ऊपर वाले कमरे में फंदे से लटका मिला था। बहुअकबरपुर थाने में शीलू, उनके पिता सुरेंद्र, मां निशा व भाई मनीष के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने की एफआईआर दर्ज है।

गिरिराज सिंह ने महबूबा को बताया था आतंकी

अब आया पीडीपी का जवाब केंद्रीय मंत्री को दी ये सीख

जम्मू, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पीडीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को 'आतंकी' बताया था। उनके इस बयान पर अब पीडीपी की प्रतिक्रिया आई है। पीडीपी ने केंद्रीय मंत्री को सीख देते हुए कहा है कि ऐसी भाषा का लोकतांत्रिक परिप्रेक्ष्य में कहीं कोई स्थान नहीं है। पीडीपी ने एक बयान में कहा कि पार्टी केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता गिरिराज सिंह की उस टिप्पणी की कड़ी निंदा करती है जिसमें उन्होंने पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को 'आतंकवादी' कहा है।

ऐसे गैर-जिम्मेदाराना और भड़काऊ बयान एक केंद्रीय मंत्री को शोभा नहीं देते और लोकतांत्रिक देश में इनके लिए कोई जगह नहीं है। पार्टी ने कहा कि राजनीतिक मतभेदों को व्यक्तिगत हमलों के बजाय बहस और बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए और आरोप लगाया कि इन टिप्पणियों से सार्वजनिक चर्चा का स्तर गिरा है। पीडीपी ने राजनीतिक नेताओं से सार्वजनिक बयानों में संयम बरतने और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने का आग्रह किया।

गिरिराज सिंह ने क्या कहा था?

बता दें केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के सात साल पूरा होने की संध्या पर आयोजित एक विरोध प्रदर्शन करने पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की आलोचना की। सिंह ने कहा- 'महबूबा मुफ्ती एक आतंकवादी हैं। मैंने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह लंबे समय तक आतंकवादियों का साथ देती रहीं। उन्होंने कुछ समय हमारे साथ बिताया और हमने उन्हें सही रास्ते पर लाने की कोशिश की, लेकिन जब वह नहीं बदलीं, तो हमने उन्हें जाने दिया।'

'पवित्रा की क्राइम ब्रांच गैंग'

आधी रात को स्कॉर्पियो से सोसाइटी में रेड, ड्रग्स तस्कर बताकर मोबाइल और चेन लूटा

भोपाल, 5 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक डराने वाली खबर सामने आई है। एक महिला ने क्राइम ब्रांच के नाम फर्जी पुलिस गैंग चला रही थी। उसके निशाने पर देर रात लौटने वाले युवा होते थे। वह गिरोह के लोगों के साथ ऐसे दबिश देती थी कि लोग डर जाते थे। इसके बाद महिला लूट करती थी। उसका नाम पवित्रा है। गिरोह की सरगना नाम पवित्रा लाली है।

उसने अपने गिरोह के साथ एक स्कॉर्पियो में सवार होकर सलैया स्थित एक रहवासी सोसायटी में आधी रात को दबिश दी। इसी दौरान अपने कुछ दोस्तों के साथ सोसाइटी के निवासी अभिषेक राजपूत खाना खाकर लौट रहे थे। तभी महिला और उसके साथियों उनकी कार रुकवाई। कार रुकवाने के बाद महिला सबसे पहले पूछती है कि म्हात्रे कौन हो। मैं पवित्रा हूं और क्राइम ब्रांच से हूं। तुम सभी ड्रग्स की तस्करी करते हो। इसके बाद पवित्रा और उसके साथियों ने पीड़ित युवकों को अपनी आईडी कार्ड दिखाई। इसके बाद आरोपी उन्हें डराने के लिए जबरन अपने स्कॉर्पियो में बैठाने लगे। साथ ही उनके साथ जबरदस्ती शुरू कर दी और गाली गलौज देने लगे। इसके बाद आरोपियों ने अभिषेक की चेन और फोन छीन लिया।

वहीं, पवित्रा लाली और उसके गैंग के सदस्य आरोपियों को जबरदस्ती भोपाल क्राइम ब्रांच चलने के लिए कहने लगे। उनकी कोशिश थी कि इन्हें डराकर रकम की वसूली की जाए। पीड़ितों को उन पर शक होने लगा तो आसपास के लोग नीचे आने लगे। इसके बाद आरोपी वहां से भाग निकले। पीड़ित ने मिसरोद थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। इसके बाद भोपाल पुलिस ने कार्रवाई की है। मुख्य आरोपी पवित्रा लालजी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें अरशद रफीक खान, अरशद अनीस खान और फरहान खान शामिल है। बताया जा रहा है कि दो अन्य आरोपी फरार हैं। एसीपी रजनीश कौल ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि पीड़ित की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने चार को गिरफ्तार किया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: मरन जन्म के साथ ही तय हो जाता है। तो इतना घमंड मत करो, सबकुछ यही रह जाएगा।

'तेलंगाना राइजिंग-2026' से पहले सीएस ने निर्बाध समन्वय का आह्वान किया

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी सरकारी विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करें और दिसंबर में होने वाले 'तेलंगाना राइजिंग-2026 वैश्विक शिखर सम्मेलन' के सफल संचालन के लिए व्यापक व्यवस्था करें। मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत बुधवार को सचिवालय में वैश्विक शिखर सम्मेलन की व्यवस्थाओं के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक में बोलते हुए, मुख्य सचिव ने कहा कि 'तेलंगाना राइजिंग-2047' लक्ष्य को प्राप्त करने के हिस्से के रूप में, राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सहयोग महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक शिखर सम्मेलन राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा। इसी संदर्भ में, उन्होंने सभी सरकारी विभागों से इस आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए समन्वय से कार्य करने का आग्रह किया। संजय जाजू ने कहा कि सरकार "तेलंगाना राइजिंग" पहल को लागू कर रही है जिसका उद्देश्य विकास, निवेश, औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचा, कौशल विकास, नवाचार, रोजगार सृजन और कल्याण सहित सभी क्षेत्रों में राज्य को देश में अग्रणी स्थान पर लाना है। भारत फ्यूचर सिटी में निर्माणाधीन यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी परिसर को वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए उपयोग करने का सुझाव दिया गया। इसके अतिरिक्त, संबंधित विभागों को सड़क, बिजली और पेयजल आपूर्ति जैसी बुनियादी ढांचागत सुविधाओं की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अधिकारियों ने राज्य में निवेश आकर्षित करने, औद्योगिक विकास को और तेज करने, युवाओं के लिए कौशल विकास के अवसरों का विस्तार करने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और डिजिटल सेवाओं को अधिक कुशलता से प्रदान करने जैसे मामलों पर व्यापक चर्चा की। मुख्यमंत्री के सलाहकार और पदेन विशेष मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, टीजीआईआईसी के एमडी शशांका, इन्वेस्ट तेलंगाना के सीईओ अजीत रेड्डी, उद्योग विभाग के विशेष सचिव कृष्णा आदित्य, निदेशक निखिल चक्रवर्ती, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त सचिव अनुदीप दुरिशेट्टी और अन्य लोग बैठक में उपस्थित थे।

एसीबी कोर्ट ने कैश-फॉर-वोट मामले में रेवंत रेड्डी को विदेश यात्रा की इजाज़त दी

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) कोर्ट ने 2015 के विवादित कैश-फॉर-वोट मामले के मुख्य आरोपी मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को कुछ शर्तों के साथ 17 अगस्त से 10 सितंबर तक विदेश यात्रा करने की इजाज़त दे दी है। यह इजाज़त तब दी गई जब कोर्ट में एक याचिका दायर कर मुख्यमंत्री के पासपोर्ट को 23 जुलाई से 23 अक्टूबर तक के लिए अंतरिम कस्टडी में लेने और ज़मानत की शर्तों में ढील देने की मांग की गई थी। खबरों के अनुसार, एसीबी कोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ इजाज़त दी, जिनमें 1 लाख रुपये का पर्सनल बॉन्ड और एक ज़मानतदार देना, साथ ही विदेश में अपने पते और संपर्क विवरण जमा करना शामिल है।

कोर्ट ने उन्हें 18 सितंबर तक पासपोर्ट वापस करने का हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया। कोर्ट में दायर याचिका में मुख्यमंत्री को 17 अगस्त से 10 सितंबर तक यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका, जर्मनी और चीन की यात्रा करने की इजाज़त मांगी गई थी। रेवंत रेड्डी, जो 2015 में मामला दर्ज होने के समय तेलुगु देशम पार्टी के विधायक थे, कैश-फॉर-वोट मामले में मुख्य आरोपी हैं। अन्य आरोपियों में बिशप हैरी सेबेस्टियन और आर. उदय सिम्हा शामिल हैं। हाई कोर्ट ने पहले रेवंत रेड्डी को अपना पासपोर्ट सरेंडर करने और जांच एजेंसी का सहयोग करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने उन्हें विदेश यात्रा करने से पहले एसीबी कोर्ट में आवेदन करने का भी निर्देश दिया था।

पिता के हमले से चार साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को गुडीमलकापुर में एक पिता द्वारा पत्थर से हमला किए जाने के बाद चार साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद सलमान नाम के संदिग्ध को पुलिस हिरासत में ले लिया गया।

पुलिस के अनुसार, गोलकोंडा का रहने वाला सलमान अक्सर शराब पीता था, जिसके कारण उसकी पत्नी के साथ अक्सर झगड़े होते थे। उसका मानना था कि उसका बेटा अरमान उनके पारिवारिक मुद्दों में बाधा है और उसने बच्चे को मारने की योजना बनाई थी। बुधवार सुबह, सलमान ने कथित तौर पर परिवार के सदस्यों से कहा कि वह अरमान को आरामघर में रिश्तेदारों से मिलवाने ले जा रहा है।

इसके बजाय, वह बच्चे को पीवी एक्सप्रेसवे के एक खंभे के पास ले गया, जहाँ उसने पत्थर से बच्चे के सिर पर वार किया और फिर उसका सिर बार-बार खंभे पर दे मारा। हमला होते देख स्थानीय लोगों ने तुरंत दखल दिया, सलमान को काबू में किया और पुलिस को सूचना देने से पहले उसकी पिटाई की। घायल बच्चे को पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई। गुडीमलकापुर पुलिस मौके पर पहुँची, संदिग्ध को हिरासत में लिया और मामले की जाँच शुरू की।

मंत्रियों ने स्टील ब्रिज और फ्लाईओवर पर हुई प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण और सार्वजनिक उद्यम मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन और हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बुधवार को हैदराबाद में सैदाबाद-संतोष नगर स्टील ब्रिज और मुसरमबाग फ्लाईओवर के चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। मंत्रियों ने जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, हैदराबाद जिला कलेक्टर प्रियंका अला, जीएचएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों और इंजीनियरों के साथ दोनों परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कार्यों की गति और गुणवत्ता का बारीकी से निरीक्षण किया और अधिकारियों को उच्चतम गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को बनाए रखते हुए परियोजनाओं को निर्धारित समय के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के गतिशील नेतृत्व में राज्य सरकार हैदराबाद के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और शहरी संपर्क में सुधार करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि सैदाबाद-संतोष नगर स्टील ब्रिज और मुसरमबाग फ्लाईओवर महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाएं हैं जो यातायात की

भीड़ को काफी हद तक कम करेंगी, यात्रा के समय में सुधार करेंगी और हर दिन हजारों यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन प्रदान करेंगी। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं किया जाना चाहिए और अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जाए ताकि जनता को जल्द से जल्द लाभ मिल सके। अजहरुद्दीन ने दोहराया कि आधुनिक बुनियादी ढांचा एक बढ़ते शहर की नींव है और उन्होंने सार्वजनिक सुविधा में सुधार लाने, कनेक्टिविटी को मजबूत करने और हैदराबाद के लोगों के लिए जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने वाली विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लागू करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के बाद उनके उद्घाटन के संबंध में निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि जो भी परियोजना पहले पूरी होगी, उसी का उद्घाटन किया जाएगा। पोन्नम प्रभाकर ने आगे बताया कि परियोजनाओं की तैयारियों और मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, वरिष्ठ अधिकारियों और संबंधित विभागों से परामर्श के बाद उद्घाटन कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाएगा। दोनों मंत्रियों ने इन महत्वपूर्ण अवसंरचना कार्यों के सुचारू निष्पादन को सुनिश्चित करने में सहयोग देने के लिए अधिकारियों, इंजीनियरों, जन प्रतिनिधियों और स्थानीय निवासियों के समर्पित प्रयासों की सराहना की। सैदाबाद-संतोष नगर स्टील ब्रिज और मुसरमबाग फ्लाईओवर प्रमुख यातायात राहत गलियारे बनने की उम्मीद है, जो तेज कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे और हैदराबाद के निरंतर शहरी विकास और वृद्धि में सहयोग करेंगे।

नवविवाहिता ने की आत्महत्या ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात टोलीचौकी की एसए कॉलोनी में एक 27 साल की नई-नवेली दुल्हन ने अपने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक महिला की पहचान समीहा वजाहत (27) के तौर पर हुई है। उसके परिवार ने आरोप लगाया है कि ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करते थे और दावा किया कि इसी प्रताड़ना के कारण उसकी मौत हुई।

उन्होंने टोलीचौकी पुलिस के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है और घटना से जुड़े हालात की गहन जांच की मांग की है। सूचना मिलने पर टोलीचौकी पुलिस और क्लूज़ टीम ने घर का दौरा किया और घटनास्थल से फोरेंसिक सबूत इकट्ठा किए। पुलिस ने परिवार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और प्रताड़ना के आरोपों सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और चल रही जांच के नतीजों के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल छीनने वाले तीन गिरफ्तार 17 फोन बरामद किए

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणगुडा पुलिस ने बुधवार को मोबाइल फोन छीनने वाले गिरोह में कथित तौर पर शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया और 17 मोबाइल फोन व एक स्कूटर बरामद किया।

संदिग्धों में मो. ज़फ़र, मो. अथेर और ललाटेंदु बेहरा उर्फ नीलू बेहरा ने कथित तौर पर नारायणगुडा मेट्रो स्टेशन और रेड्डी महिला कॉलेज के पास पैदल चलने वालों से मोबाइल फोन छीने और फिर उन्हें रिसीवर (खरीददार) को बेच दिया।

पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सबूतों का विश्लेषण करने और उनका पता लगाने के बाद तीनों को मुशीराबाद में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि यह गिरोह शहर भर के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज इसी तरह के कई मामलों से भी जुड़ा है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 14655103M, Hav, Prasant, R/o, Dist: Seoni, Madhya Pradesh, changed my Father's name from Prabhat Barman to Prabhat Berman, vide Affidavit No. 467968 dt. 04.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14655103M, Hav, Prasant, R/o, Dist: Seoni, Madhya Pradesh, changed my Mother's name from Susheela Bai to Sushila Barman, vide Affidavit No. 467966 dt. 04.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No 17011901L, Hav, Shevante Kiran Pandurang , R/o, Ahmadnagar, Maharashtra, changed my Mother's name from Manda to Manda Pandurang Shevante, vide Affidavit No.467945 dt. 03.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 17011901L, Hav, Shevante Kiran Pandurang, R/o, Dist: Ahmadnagar, Maharashtra, changed my Father's name from Pandurang to Pandurang Ramchandra Shewante, vide Affidavit No.467946 dt.03.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Biswanth Mandal, Father of No. 14656295F, Hav, Bappa Mandal, R/o, Vill &PO : Chander Ghat, Dist: Nadia, West Bengal, changed my name from Biswanth Mandal to Biswanath Mandal, vide Affidavit No. 467961 dt. 04.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 17011901L, Hav, Shevante Kiran Pandurang, R/o, Dist : Ahmadnagar, Maharashtra, changed my Daughter's name from Ritwika to Ritwika Kiran Shevante, vide Affidavit No. 467944 dt. 03.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Dinbandhu Mondal, Father of No. 1467791W, Hav, Nanda Gopal Mondal, R/o, Teh & Dist: Bankura, West Bengal, changed my name from Dinbandhu Mondal to Dinabandhu Mondal, vide Affidavit No. 467940 dt. 03.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Dhaniswari Mondal, Mother of No. 14677791W, Hav, Nanda Gopal Mondal, R/o, Teh & Dist: Bankura, West Bengal, changed my name from Dhaniswari Mondal to Dhaneshwari Mondal vide Affidavit No. 467942 dt.03.08.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, VARSHIL DOBARIYA, S/O CHATURBHAI DOBARIYA, residing at Flat No. 102, Rohit CastH Casel, Plot No-223, Street No-12, Goutham Nagar, Malakjgiri Dist, Telangana - 500047. I have to change my Name from - VARSHIL CHATURBHAI DOBARIYA to VARSHIL DOBARIYA For all purpose vide affidavit dated: 05-08-2026.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अतिरिक्त भीड़ के मद्देनज़र रेलवे की सौगात

तीन मार्गों पर चलेंगी साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ियां

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए रेलवे ने कोयंबटूर-जयपुर, बांद्रा टर्मिनस-वेलांकन्नी तथा पुरी-सोलापुर मार्गों पर साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ियां चलाने का निर्णय लिया है। इन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन से दक्षिण मध्य रेलवे सहित विभिन्न मार्गों पर यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी।

रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 06181 कोयंबटूर जंक्शन-जयपुर जंक्शन विशेष रेलगाड़ी 13 अगस्त से 3 सितंबर 2026 तक प्रत्येक गुरुवार कुल चार फेरों में चलेगी। वहीं गाड़ी संख्या 06182 जयपुर जंक्शन-कोयंबटूर जंक्शन 16 अगस्त से 6 सितंबर 2026 तक प्रत्येक रविवार कुल चार फेरों में संचालित होगी। दोनों दिशाओं में यह रेलगाड़ी तिरुप्पुर, इरोड, सलेम, जोलारपेट्टई, काटपाड़ी, रेणिगुंटा, कडपा, येर्रागुंटला, गूटी, धोने, कर्नूल सिटी, गडवाल, महबूबनगर, काचीगुड़ा, कामारेड्डी, निजामाबाद, बसर, मुदखेड़, हजूर साहिब नांदेड़, पूर्णा, हिंगोली डेक्कन, वाशिम, अकोला, मलकापुर, भुसावल, जलगांव, धारणगांव, नंदुरबार, उधना, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, जावरा, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर और किशनगढ़ स्टेशनों पर ठहरेगी। इस रेलगाड़ी में केवल वातानुकूलित त्रिस्तरीय (थ्री एसी) श्रेणी के डिब्बे लगाए जाएंगे।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09059 बांद्रा टर्मिनस-वेलांकन्नी विशेष रेलगाड़ी 27 अगस्त (गुरुवार) तथा 1 सितंबर (मंगलवार) को कुल दो फेरों में संचालित होगी। जबकि गाड़ी संख्या 09060 वेलांकन्नी-बांद्रा टर्मिनस विशेष रेलगाड़ी 30 अगस्त (रविवार) और 4 सितंबर (शुक्रवार) को दो फेरों में चलेगी। यह रेलगाड़ी बोरीवली, वसई रोड, पनवेल, कर्जत, लोणावला, पुणे, दौंड, सोलापुर, वाडी, यादगीर, कृष्णा, रायचूर, मंत्रालयम रोड, आदोनी, गुंटकल, गूटी, तडीपत्री, येर्रागुंटला, कडपा, राजमपेटा, रेणिगुंटा, काटपाड़ी, वेल्लोर कैंट, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम, मयिलादुतुरै जंक्शन तथा नागपट्टिनम स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी। इसमें द्वितीय वातानुकूलित, तृतीय वातानुकूलित, शयनयान तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे लगाए जाएंगे। इसके अलावा गाड़ी संख्या 08445 पुरी-सोलापुर एकतरफा विशेष रेलगाड़ी 7 अगस्त 2026 (शुक्रवार) को एक फेरे में चलाई जाएगी। यह विशेष रेलगाड़ी खुर्दा रोड, ब्रह्मपुर, विजयनगरम, दुव्वाडा, विजयवाड़ा, गुंटूर, नलगोंडा, सिकंदराबाद, वाडी तथा कलबुर्गी स्टेशनों पर ठहरेगी। इस रेलगाड़ी में शयनयान तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बों की व्यवस्था रहेगी।

हैदराबाद में शहरी परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने पर मंथन

बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन और सुरक्षित सड़कों पर जोर

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त आर.वी. कर्णन ने हैदराबाद शहर के संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस, तथा अतिरिक्त आयुक्त (यातायात) पी. उदय कुमार, आईएएस के साथ हैदराबाद यूनिफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (हुम्टा) की कार्य समूह-2 की बैठक की अध्यक्षता की। हुम्टा के प्रबंध निदेशक बी. जीवन बाबू द्वारा आयोजित इस बैठक में हैदराबाद के लिए अधिक स्मार्ट, सुरक्षित और बेहतर एकीकृत परिवहन व्यवस्था विकसित करने से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों और परियोजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा एकीकृत योजना के माध्यम से शहर में निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने पर विशेष चर्चा हुई।अधिकारियों ने सुरक्षित सड़कों के निर्माण, प्रभावी यातायात प्रबंधन और यात्रियों के अनुकूल आधारभूत सुविधाओं के विकास पर बल दिया, ताकि शहरवासियों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिल सके।बैठक में जीएचएमसी, एमएमसी और सीएमसी के जोनल आयुक्तों सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और शहरी परिवहन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

बोनालू महोत्सव में महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस का कड़ा पहरा

678 मनचलों पर कार्रवाई

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बोनालू महोत्सव-2026 के दौरान महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हैदराबाद शहर पुलिस की शी टीम्स ने व्यापक सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था लागू की। पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार के मार्गदर्शन में महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ की टीमों ने मंदिरों, शोभायात्रा मार्गों, बस स्टॉप, मेट्रो स्टेशनों, बाजारों तथा अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सादे कपड़ों में निगरानी, वीडियो मॉनिटरिंग और त्वरित कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार महोत्सव के दौरान शी टीम्स को विभिन्न श्रेणियों में 122 शिकायतें प्राप्त हुईं।

कार्रवाई के दौरान महिलाओं से छेड़छाड़, पीछा करने, अभद्र व्यवहार और उत्पीड़न जैसी घटनाओं में शामिल 678 लोगों को रंगे हाथों पकड़ा गया। कई मामलों में वीडियो साक्ष्य भी एकत्र किए गए। शी टीम्स की कार्रवाई के परिणामस्वरूप 25 आरोपियों को न्यायालय ने दोषी ठहराते हुए कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई। इसके अलावा शी टीम्स द्वारा जांच किए गए 13 अन्य मामलों में भी प्रभावी विवेचना और समय पर कानूनी कार्रवाई के चलते दोषसिद्धि हुई।

विशेष निगरानी अभियान के दौरान भीड़भाड़ वाले स्थानों पर महिलाओं से अभद्रता करने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की गई। महिलाओं को अनुचित तरीके से छूने, उनका पीछा करने या परेशान करने वाले आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा हैदराबाद शहर पुलिस अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए।

इन मामलों में 11 आरोपियों को न्यायालय ने तीन दिन तक के साधारण कारावास तथा 1,050 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। वहीं 26 अन्य आरोपियों पर 1,050 रुपये का जुर्माना लगाने के साथ सामुदायिक सेवा करने का भी आदेश दिया गया। पुलिस ने इसे महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति का स्पष्ट संदेश बताया। कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ शी टीम्स ने व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया।

महोत्सव के दौरान 400 जागरूकता कार्यक्रम तथा 110 विशेष निगरानी अभियान मंदिरों, शोभायात्रा मार्गों, शिक्षण संस्थानों, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों और व्यावसायिक क्षेत्रों में आयोजित किए गए। इनमें महिलाओं की सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, कानूनी प्रावधान, आपातकालीन सहायता सेवाओं और अपराध की तत्काल शिकायत दर्ज कराने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। हैदराबाद शहर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या उत्पीड़न की घटना होने पर तुरंत 100 या 112 पर सूचना दें। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ छेड़छाड़, पीछा करना, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध या सोशल मीडिया के दुरुपयोग के मामलों में कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों को सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल से सतर्क रहने, व्यक्तिगत जानकारी साझा करने में सावधानी बरतने, मजबूत पासवर्ड और दो-स्तरीय सुरक्षा (टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन) अपनाने तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में चुप न रहकर तुरंत शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी है। शी टीम्स ने महिलाओं को पूर्ण गोपनीयता, त्वरित कार्रवाई और कानूनी सहायता का भरोसा भी दिलाया।

कर्नाटक की फैक्ट्री में केमिकल लीक से तीन लोगों की मौत

मरने वालों में नारायणपेट का एक व्यक्ति भी शामिल

महबूबनगर, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार तड़के कर्नाटक के यादगीर ज़िले के कदेचुर-बडियाल औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में संदिग्ध केमिकल लीक से तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें नारायणपेट ज़िले का एक निवासी भी शामिल था।

खबरों के अनुसार, इस घटना में दो अन्य लोग घायल हो गए और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक की पहचान नारायणपेट ज़िले के कृष्णा मंडल के अल्लामपल्ली गाँव के निवासी गणेश के रूप में हुई है।

अटेंडेंस में गड़बड़ी के कारण छह शिक्षक सस्पेंड

सिद्दीपेट, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट कलेक्टर के. हिमावती ने शहर के मल्टीपर्पस हाई स्कूल के छह शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया और छात्रों की फेशियल रिकग्निशन सिस्टम अटेंडेंस बनाए रखने में विफल रहने पर हेडमिस्ट्रेस को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

28 जुलाई को स्कूल के औचक निरीक्षण के दौरान, कलेक्टर ने छह शिक्षकों को ड्यूटी से अनुपस्थित पाया। उन्होंने यह भी पाया कि शिक्षक छात्रों की 50 प्रतिशत एफआरएस अटेंडेंस भी सुनिश्चित करने में विफल रहे थे। कलेक्टर ने आगे पाया कि शिक्षक अपनी सालाना डायरी भी ठीक से नहीं रख रहे थे।

उन्होंने इस मामले की जांच के आदेश दिए। जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर, कलेक्टर ने छह शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया और हेडमिस्ट्रेस श्रीदेवी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। उन्होंने डीईओ को क्लस्टर रिस्पॉन्स पर्सन्स क्रांति कुमार और सविता के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने का भी निर्देश दिया, क्योंकि स्कूल में एफआरएस बनाए रखने में विफलता के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया गया था। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि अपनी ड्यूटी निभाने में लापरवाही बरतने वाले किसी भी शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ब्रेन-डेड दो युवाओं के परिवारों ने नौ लोगों की जान बचाने के लिए अंग दान किए

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रेन-डेड घोषित किए गए दो युवाओं के परिवारों ने राज्य सरकार की 'जीवनदान' पहल के तहत नौ ज़रूरतमंद मरीज़ों को उनके अंग दान किए।

2 अगस्त को, डेरंगुला जगन (22) अपनी टू-व्हीलर से जा रहे थे, तभी पेड्डा अंबरपेट में एक दूसरी टू-व्हीलर ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया, और हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने 4 अगस्त को उन्हें ब्रेन-डेड घोषित कर दिया। जगन की माँ, डी. यदम्मा ने उनकी किडनी, लिवर और कॉर्निया दान करने की सहमति दी।

खम्मम के रहने वाले दिहाड़ी मज़दूर साई कृष्णा (27) को हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जब वे अपनी टू-व्हीलर से गिर गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने 4 अगस्त को उन्हें ब्रेन-डेड घोषित कर दिया और उनके पिता, पायम यरैया ने सहमति दी, जिसके बाद चार अंग दान किए गए।

बीआरएओयू आज प्रो. के. जयशंकर स्मृति व्याख्यान का आयोजन करेगा

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दूरदर्शी, शिक्षाविद और समाज सुधारक प्रोफेसर कोथापल्ली जयशंकर की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, डॉ. बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू) जुबली हिल्स स्थित अपने परिसर के अकादमिक भवन में प्रोफेसर केतु विश्वनाथ रेड्डी सेमिनार हॉल में सुबह 11:00 बजे डॉ. बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू) द्वारा एक स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। बुद्धवनम परियोजना के विशेष अधिकारी और दलित अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष मालेपल्ली लक्ष्मैया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और प्रोफेसर जयशंकर की विचारधाराएँ - सामाजिक आंदोलन विषय पर व्याख्यान देंगे। इस व्याख्यान का उद्देश्य तेलंगाना के सामाजिक चिंतन, शिक्षा और जन आंदोलनों में आचार्य जयशंकर के योगदान पर प्रकाश डालना है।

ट्रेन में गूंजी किलकारी, महिला ने दिया बेटी को जन्म, दिल्ली के अस्पताल पर बड़ा आरोप

अलीगढ़, 5 अगस्त (एजेंसियां)। यात्रियों को उनकी मंजिल तक ले जाने वाली ट्रेन में अक्सर हैरतअंगेज खबरें आती रहती हैं। कभी टीटीई से लड़ाई करते हुए तो कभी यात्रियों के गाने का मामला सामने आ ही जाता है। अब ऐसी ही एक खबर आई है, जब एक महिला ने ट्रेन के अंदर ही बच्चे को जन्म दे दिया। शुक्र रहा कि रेलवे स्टाफ ने जल्दी से जच्चा-बच्चा को सरकारी अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल दोनों ठीक है। इधर दंपती ने दिल्ली के एक अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दंपती दिल्ली से औरैया जिले के दिबियापुर थाना क्षेत्र जा रहे थे।

गोमती एक्सप्रेस में यात्रा कर रही एक गर्भवती को अचानक प्रसव पीड़ा हुई और बेटी को जन्म दे दिया। यात्रियों की सूचना पर जीआरपी और आरपीएफ ने तुरंत कार्रवाई की। महिला और बच्चे को अलीगढ़ के मोहनलाल गौतम महिला अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल दोनों ठीक हैं। इधर पति ने बताया कि उनकी पत्नी दिल्ली के ओखला में मौजूद एसआई हॉस्पिटल में भर्ती थी। जब उन्होंने मना तो महिला को ले जाने को कह दिया।

खाद के लिए कतार में किसान

दोगुनी लाइन में लगकर सरकार को सबक सिखाएंगे : अखिलेश यादव

लखनऊ, 5 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोंडा में खाद के लिए लंबी कतारों में खड़े किसानों का वीडियो साझा करते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि जिन किसानों को आज खाद के लिए लाइन में लगना पड़ रहा है, वही अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ इससे भी लंबी कतार लगाकर उसे सत्ता से बाहर कर देंगे। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के कारण किसान परेशान हैं तथा कहा कि देश के सामने सबसे बड़ा संकट भाजपा है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो जारी करते हुए लिखा कि भरी बरसात में, उप्र के गोंडा में खाद लेने के लिए लगी लाइन में लगे किसान कह रहे हैं, अगले चुनाव में इससे दोगुनी लाइन भाजपा के विरुद्ध वोट डालने के लिए लगेगी, जिससे भाजपा हमेशा के लिए बाहर हो जाएगी। जब खेत

मुस्कुराएगा, तब देश मुस्कुराएगा! इसके पहले उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि भाजपाई भ्रष्टाचार' का नाला जब तक बहता रहेगा, कुछ भी नहीं बदलेगा। देश में सिर्फ़ एक संकट है और वह है 'भाजपा'। भाजपा जाए तो सब सुधर जाए। ज्ञात हो कि यूपी के गोंडा जिले में खरीफ सीजन के दौरान यूरिया और डीएपी की बढ़ती मांग के बीच सहकारी समितियों पर किसानों की लंबी कतारें लगातार चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के जिले में पहुंचकर खाद वितरण व्यवस्था की समीक्षा और छापेमारी के बावजूद कई समितियों पर किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। बारिश के बीच भी खाद लेने के लिए महिलाओं और बुजुर्ग किसानों के लाइन में खड़े रहने की तस्वीरें सामने आई हैं, जिनकी सोशल मीडिया पर भी व्यापक चर्चा हुई। माधवगंज और रेतवागाड़ा साधन सहकारी समितियों पर बड़ी संख्या में किसान यूरिया लेने पहुंचे। कई किसानों ने सुबह से शाम तक इंतजार करने के बावजूद खाद नहीं मिलने की शिकायत की, जबकि कुछ महिलाओं ने सावन के व्रत के दौरान भी बारिश में घंटों कतार में खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार किया।

समिति स्तर के अधिकारियों का कहना है कि उपलब्ध स्टॉक का लगातार वितरण किया जा रहा है, लेकिन अचानक बढ़ी मांग और भीड़ के कारण दबाव की स्थिति बनी। कुछ स्थानों पर वितरण कार्य में लगे कर्मचारियों की अनुपस्थिति से भी अव्यवस्था की शिकायतें सामने आईं। वहीं, जिला प्रशासन और कृषि विभाग का दावा है कि जिले में खाद का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

ओवैसी के बयान पर एसपी अनुज चौधरी का पलटवार

नमाज के लिए विकल्प, सड़क नहीं तो क्या हवा में चलेंगे कांवड़ यात्री?

फिरोजाबाद, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कांवड़ यात्रा को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी द्वारा की गई टिप्पणी पर एसपी देहात अनुज चौधरी ने कटाक्ष किया है। सोमवार को कांवड़ यात्रा के दौरान उन्होंने शिकोहाबाद में पत्रकारों से कहा कि नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद और ईदगाह विकल्प हैं। कांवड़ यात्रा के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं है, ऐसे में कांवड़ यात्री सड़क से नहीं तो क्या हवा में गुजरेंगे?

सभी जाति-धर्म के त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना ही सरकार और पुलिस प्रशासन की मंशा है। एसपी ग्रामीण अनुज चौधरी ने कहा कि त्योहारों को लेकर लोगों का अपना-अपना नजरिया है। ईद का त्योहार आता है तो पुलिस और प्रशासन नमाज भी शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराता है। मस्जिद और ईदगाह में नमाज के लिए पर्याप्त जगह है। गुरु पर्व आता है तो उसे भी कराते हैं। करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु कांवड़ लेकर गुजरते हैं।

कांवड़ यात्रा के लिए कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं है, अगर वैकल्पिक रास्ता होता तो सरकार और पुलिस प्रशासन उसका इस्तेमाल करती। अनुज चौधरी ने कहा कि कांवड़ यात्रियों के साथ ही आम यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। सड़कों को दो हिस्सों में बांटा गया है। एक ओर से कांवड़ यात्री गुजरते हैं, दूसरी ओर से आम नागरिक। पुलिस सहायता शिविर में एसपी ग्रामीणों ने कांवड़ यात्रियों को शर्बत, फल आदि वितरित किए थे।

'केशव मौर्य को अक्ल है या नहीं?'

मदरसों पर विवादित बयान से पटना में बवाल

लखनऊ, 5 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का मदरसों को लेकर दिया गया बयान लगातार सुर्खियों में है। उन्होंने अपने एक बयान में कहा था कि मदरसा कोई भी हो आतंकी पैदा करता है।

इस बयान पर कई सियासी बयानबाजी के बाद आम नागरिकों की भी प्रतिक्रियाएं देकने को मिल रही है। केशव प्रसाद मौर्य के इस बयान पर पटना के समनपुरा स्थित एक मदरसे के बाहर कुछ लोगों ने बातचीत में कहा कि ऐसा बयान सिर्फ राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए दिया जाता है। मदरसे में पढ़ाई अच्छी होती है। केशव मौर्य के बयान को लेकर पूछे गए सवाल पर रोस आलम नाम के एक शख्स ने कहा, मदरसे में पढ़ने वाले आतंकवादी नहीं मोहम्मद वादी होते हैं। ऐसे बयान देने वालों को अकल है या नहीं।

वहीं, इस सवाल पर एक अन्य व्यक्ति शमसाद खान ने कहा, मदरसा में अच्छी पढ़ाई होती है। जिन्होंने ऐसा बयान दिया है उनको एक बार मदरसा में पढ़ना चाहिए। सिर्फ राजनीति रोटी सेंकने के लिए इस तरह की बयानबाजी की जाती है। देश पर अगर आपदा आएगी तो मुसलमान भी लाठी लेकर खड़ा होगा। केशव मौर्य ने कहा था कि मदरसा बांग्लादेश का हो, चाहे पाकिस्तान का हो या चाहे भारत का हो, देखा जाये तो मदरसा अघोषित तौर पर आतंकवादियों को पैदा करने वाली फैक्ट्री है। मौर्य ने ये बयान बांग्लादेश में मदरसों को लेकर लेखिका तस्लीमा नसरीन की हालिया टिप्पणियों को लेकर की थी।

उनके इस बयान पर कई दलों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। सपा विधायक अतुल प्रधान ने केशव प्रसाद मौर्य के बयान पर कहा था कि ये राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह का बयान दे रहे हैं। इसके बाद जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने भी इसपर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मदरसों को आतंकवाद का अड्डा बताना सांप्रदायिकता और नफरत की राजनीति की पराकाष्ठा है।

बांकीपुर में क्यों हारी बीजेपी?

अब पप्पू यादव ने गिनाई बड़ी वजहें!

बांकीपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव संपन्न हो चुका है। इस उपचुनाव के परिणाम बीजेपी के पक्ष में नहीं गए हैं। 30 साल से बांकीपुर पर अपना कब्जा जमाए रखी बीजेपी को इस बार हार का मुंह देखना पड़ा है। इस सीट पर जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने जीत हासिल है। उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार नीरज सिन्हा को 19 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से मात दे दी है। बीजेपी की इस हार से राजनीति गरमाई हुई है।

बीजेपी की हार के बाद प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है। इस बीच पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने बांकीपुर उपचुनाव में जन सूरज प्रमुख प्रशांत किशोर की जीत पर कहा, विपक्ष का निरंतर संघर्ष और बिहार में विपक्ष का अंत, संघर्ष में कहीं नजर न आना, जनरेशन जेड के आंदोलन में कहीं नजर न आना, मंदिर चोरी में कहीं नजर न आना ही जीत का बड़ा कारण है। पप्पू यादव ने आगे कहा कि बीजेपी का बिहार की किसी भी घटना में कहीं

नजर न आना, और दूसरी ओर, भारत में विपक्ष का संघर्ष और जनरेशन जेड का आंदोलन और जनरेशन जेड का लगातार अपमान, पटना में उनकी पिटाई, उन्हें जेल भेजना, यही इस बड़ी जीत का कारण है। पप्पू यादव ने अपनी प्रतिक्रिया में बीजेपी पर हमला बोला है।

इस दौरान कई मुद्दों का जिक्र किया है। उनके मुताबिक जिसकी वजह से भारतीय जनता पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है और प्रशांत किशोर को बीजेपी के गढ़ में बड़ी जीत मिली है। बांकीपुर सीट पर प्रशांत किशोर ने बीजेपी को पटखनी दे दी है।

भाजपा नेता ने 285 गज जमीन हड़पी

फिर पहचान बदलकर कटक में छिपा; दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा, तिहाड़ भेजा

समस्तीपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने कथित जमीन फर्जीवाड़े के मामले में समस्तीपुर भाजपा अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी-एसटी) मोर्चा के जिलाध्यक्ष हीरा पासवान को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, वह दिल्ली में दर्ज जमीन फर्जीवाड़े के मामले में पिछले एक वर्ष से फरार चल रहा था और ओडिशा के कटक में पहचान छिपाकर रह रहा था। तकनीकी सर्विलांस के जरिए उसकी लोकेशन ट्रैक कर उसे गिरफ्तार किया गया। दिल्ली की अदालत में पेशी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया गया। मामले में उसके बेटे राजा पासवान की भूमिका की भी जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, मामला पश्चिमी दिल्ली के जय विहार (बापरोला) इलाके में 285 गज जमीन के कथित फर्जी सौदे से जुड़ा है। आरोप है कि हीरा पासवान और उसके बेटे राजा पासवान ने जमीन के वास्तविक मालिक उमेश सिंह के फर्जी हस्ताक्षर कर जनरल पावर ऑफ

अटॉर्नी (जीपीए) तैयार करवाई। पुलिस का दावा है कि इसी कथित फर्जी दस्तावेज के आधार पर बारी-बारी से पिंकी देवी, पंकज कुमार और सीमा देवी के साथ जमीन की खरीद-बिक्री के नाम पर करीब दो करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मामला दर्ज होने के बाद हीरा पासवान दिल्ली छोड़कर ओडिशा के कटक चला गया। वहां उसने कथित तौर पर अपनी पहचान छिपाकर लेबर कॉन्ट्रैक्टर के रूप में काम शुरू कर दिया। दिल्ली पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और स्थानीय इनपुट के आधार पर उसकी लोकेशन ट्रैक की और छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

सरकार की कल्याणकारी योजना में तय मुआवजे को चुनौती नहीं दे सकती बीमा कंपनी : इलाहाबाद हाई कोर्ट

प्रयागराज, 5 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजना के तहत तय मुआवजे को याचिका में चुनौती नहीं दी सकती है। न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव व गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने यह टिप्पणी करते हुए द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की वह याचिका खारिज कर दी है जिसमें सड़क दुर्घटना में मृत किसान के परिवार को पांच लाख रुपये मुआवजा देने संबंधी आदेश को चुनौती दी गई थी। मुख्यमंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना के अंतर्गत कानपुर नगर के जिलाधिकारी ने यह मुआवजा आदेश पारित किया था। न्यायालय ने कंपनी को आदेश दिया है कि वह तीन महीने के भीतर धनराशि का भुगतान करे। तथ्य ये हैं कि किसान भानु प्रताप सिंह की सड़क दुर्घटना में 29 नवंबर 2018 को मृत्यु हो गई थी।

उनकी पत्नी रचना सिंह ने योजना के अंतर्गत दावा प्रस्तुत किया। इंश्योरेंस कंपनी ने दावा इस आधार पर अस्वीकार कर दिया था कि वह निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रस्तुत नहीं किया। इसके बाद रचना सिंह ने हाई कोर्ट की शरण ली थी। न्यायालय के निर्देश पर जिलाधिकारी ने मामले पर पुनर्विचार कर पांच

लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश 29 नवंबर 2025 को पारित किया। इंश्योरेंस कंपनी का कहना था कि योजना राज्य सरकार और कंपनी के बीच अनुबंध पर आधारित है। अनुबंध की शर्तों के विरुद्ध मुआवजे का निर्देश नहीं दिया जा सकता।

जिलाधिकारी अनुबंध की शर्तों से आगे नहीं जा सकते। खंडपीठ का कहना था कि मुख्यमंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना कोई सामान्य वाणिज्यिक बीमा नहीं है। यह राज्य सरकार की कल्याणकारी और सामाजिक सुरक्षा योजना है, इसका उद्देश्य गरीब किसानों और अन्य कमजोर परिवारों को कमाने वाले सदस्य की आकस्मिक मृत्यु या दिव्यांगता पर तत्काल आर्थिक सहायता देना है। कंपनी ने योजना का जोखिम व्यावसायिक लाभ-हानि का आकलन करने के बाद स्वेच्छा से स्वीकार किया था। इसलिए योजना के लाभार्थियों के संबंध में इसका स्वरूप लोक कल्याणकारी है और कंपनी के अधिकार अनुबंध तक सीमित हैं।

पीठ ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 226 के अंतर्गत असाधारण अधिकार क्षेत्र को बीमा कंपनियों के लिए सामान्य उपाय नहीं बनाया जा सकता। यदि ऐसी याचिकाओं को स्वीकार किया गया तो रिट अधिकार क्षेत्र राज्य सरकार और बीमा कंपनी के बीच अनुबंध संबंधी विवादों के लिए समानांतर अपीलीय मंच बन जाएगा, इससे योजना का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा।

लखनऊ में डॉक्टर की पत्नी ने फांसी लगाकर जान दी

सीतापुर से लौटे पति ने दरवाजा खटखटाया, जवाब नहीं मिलने पर तोड़कर अंदर पहुंचे

लखनऊ, 5 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ में सीतापुर से ड्यूटी कर घर लौटे स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सहायक को उनकी पत्नी कमरे में फंदे से लटकी मिलीं। उन्होंने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद उन्होंने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा। कमरे के अंदर उनकी पत्नी पंखे से फंदे के सहारे लटकी मिलीं। जिसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और जरूरी साक्ष्य जुटाए। घटना जानकीपुरम सेक्टर-8 स्थित 8/141 की है।

यहां अनिल त्रिपाठी परिवार के साथ रहते हैं। वह सीतापुर के महिला चिकित्सालय में प्रधान सहायक के पद पर तैनात हैं। वह रोज की तरह ड्यूटी पर गए थे। शाम करीब 4 बजे घर लौटे तो मुख्य गेट खुला था, लेकिन एक कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। उन्होंने कई बार आवाज लगाई और दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं आया। अनहोनी की आशंका में उन्होंने पड़ोसियों को बुलाया। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया। अंदर उनकी पत्नी आशा त्रिपाठी (47) साड़ी के सहारे पंखे से लटकी मिलीं।

मथुरा सद्गुरु ऋतेश्वर के आश्रम पहुंचे बृजभूषण शरण सिंह

बोले- आरोप षड्यंत्र थे, न्यायालय ने न्याय दिया

वृंदावन, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व सांसद एवं भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष रहे ब्रजभूषण शरण सिंह न्यायालय से बरी होने के बाद सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज से आशीर्वाद लेने आनंदम धाम आश्रम पहुंचे। यहां सिंह ने सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज के दर्शन कर एकांतिक वार्ता की और फिर आश्रम में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। न्यायालय से बरी होने के बाद पहली बार आश्रम पहुंचे ब्रजभूषण शरण सिंह का आश्रम में जोशीला स्वागत हुआ। उन्होंने कहा कि षड्यंत्र रचकर आरोप लगाए गए थे, न्यायालय ने न्याय दिया है। बाराहघाट स्थित आनंदम वृंदावन आश्रम में पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह ने कहा मेरे ऊपर यौन शोषण का आरोप लगाकर जो इतना बड़ा प्रदर्शन हुआ, वह कहीं और देखने को नहीं मिला। आरोप लगाने वाले विश्व मेडलिस्ट थे। उनके पीछे कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, लेफ्ट, ममता बनर्जी, टुकड़ा टुकड़ा गैंग खड़ा था, इनके पीछे कनाडा, यूएस में भी आंदोलन चल रहा था।

यह बहुत बड़ा षड्यंत्र था, मैंने पहले दिन कहा था कि एक भी बात सच पाई गई तो मैं स्वतः फांसी लगा लूंगा। बृजभूषण सिंह ने कहा यही कारण है कि न्यायपालिका ने मुझे न्याय दिया। मैंने न्यायालय के आदेश से पहले नागपुर में गुरुपूर्णिमा पर सद्गुरु के दर्शन व पूजन किया। अब तीन अगस्त को न्यायपालिका ने ससम्मान बरी किया तो मेरा पहला कार्यक्रम सद्गुरु के दर्शन का पहला कार्यक्रम है। राजनीति में एकबार फिर सक्रिय होने के सवाल पर कहा ये ईश्वर निर्धारित करेंगे। सद्गुरु ऋतेश्वर ने कहा हमने ब्रजभूषण शरण सिंह से पहले ही कहा था धर्म के मार्ग पर चलते हुए धैर्य से काम लें। यह मेरे पुत्र हैं, जिस तरह पिता को खुशी होती है, वही खुशी हो रही है।

शुभम की गिरफ्तारी पर दुबई सरकार ने जताई सहमति 39 हजार पन्नों की चार्टशीट के बाद शिकंजा

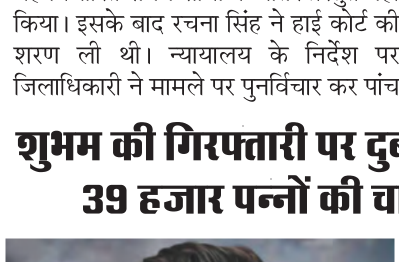

वाराणसी, 5 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 2000 करोड़ के कफ सिरप तस्करी के मामले में भगोड़ा शुभम जायसवाल की दुबई में गिरफ्तारी का रास्ता साफ हुआ है। विदेश मंत्रालय ने दुबई सरकार को 39 हजार पेज का अस्थायी गिरफ्तारी वारंट सौंपा है।

इस आधार पर दुबई सरकार ने शुभम की गिरफ्तारी पर सहमति जताई है। जैसे ही दुबई में सुरक्षा एजेंसियां उसे गिरफ्तार करती हैं, भारत से सीबीआई और पुलिस अधिकारियों की एक टीम प्रत्यर्पण प्रक्रिया पूरी कर उसे भारत लाने के लिए रवाना होगी। भारतीय पासपोर्ट रद्द होने के बाद शुभम 10 साल के ''गोल्डन वीजा'' के आधार पर दुबई में रह रहा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने जून में 2000 करोड़ रुपये के ड्रग सिंडिकेट की विस्तृत चार्जशीट (39000 से अधिक पन्ने) और प्रोविजनल अरेस्ट का औपचारिक अनुरोध दुबई सरकार को सौंपा है। दुबई के गृह मंत्रालय ने शुभम को गिरफ्तार करने और प्रत्यर्पित करने की भारत की मांग पर सहमति जताते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। शुभम के पासपोर्ट व वीजा क्रेडेंशियल, बैंक अकाउंट और स्थानीय ठिकानों की दुबई पुलिस और इंटेलिजेंस एजेंसियां निगरानी कर रही हैं। इंटरपोल ने सीबीआई से सभी 195 सदस्य देशों (विशेषकर यूएई) के इंटरनेशनल एयरपोर्ट और इमिग्रेशन काउंटरों पर शुभम जायसवाल के लिए रेड कॉर्नर नोटिस सक्रिय कर रखा है। आरोपी दुबई छोड़कर किसी तीसरे देश नहीं भाग सकता है। दुबई की स्थानीय पुलिस शुभम को हिरासत में लेकर कोर्ट के समक्ष पेश करेगी, प्रत्यर्पण संधि के तहत प्रक्रिया पूरी की जाएगी। हाल के दिनों में शुभम के संपर्क में रहने वाले वाराणसी और लखनऊ, जौनपुर के लोगों ने प्रयागराज हाईकोर्ट में सुनवाई करने वाले जज की अदालत तक पहुंचने की कोशिश की। पिता भोला प्रसाद समेत 80 याचिका हाईकोर्ट पहुंची हुई है। सोनभद्र जेल में भोला बंद है। पिता समेत अपने करीबियों को छुड़ाने के लिए शुभम अपने प्रभावशाली पूर्व परिचितों के माध्यम से अदालत तक पहुंच बना रहा है।

सपा नेता कैश खान पर गाय को कुत्तों से कटवाने का मुकदमा दर्ज

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ अमानवीय कृत्य

कन्नौज, 5 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में सपा नेता कैश खान पर गाय को कुत्तों से कटवाने का मुकदमा दर्ज हुआ है। एसपी विनोद कुमार के आदेश पर कैश खान के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। सपा नेता के पड़ोसी अदील खान की शिकायत का एसपी ने मामले का संज्ञान लिया और कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया। सपा नेता पर आरोप है कि उसने जानबूझकर एक बेकसूर गाय पर अपने हिंसक कुत्तों से हमला करवाया। सपा नेता कैश खान पर पहले से ही 9 मुकदमें दर्ज हैं।

जानकारी के मुताबिक, शहर के मोहल्ला बालापीर में बेसहारा गोवंश पर पालतू कुत्ते छोड़कर हमला कराने और उसे बंधक बनाने के मामले में सदर कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने सपा के पूर्व कोषाध्यक्ष और उनके मजदूर के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एमएलए पर महिला ने लगाया रेप के प्रयास का आरोप

विधायक बोले- 'फर्जी एनओसी कांड में एफआईआर से बचने का षड्यंत्र'

सुल्तानपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में सुल्तानपुर नगर से भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री विनोद सिंह पर एक महिला ने यौन उत्पीड़न और गनर द्वारा गंभीर धमकियां देने का आरोप लगाया है। इन आरोपों पर पलटवार करते हुए विधायक ने मामले को फर्जी एनओसी के जरिए की गई धोखाधड़ी और ब्लैकमेलिंग से जोड़ा है। विधायक का दावा है कि उनके द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर और हाईकोर्ट से राहत न मिलने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए महिला को आगे कर यह मनगढ़ंत कहानी रची गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में पीड़िता ने आपबीती बताई है।

उसने आरोप लगाया कि विधायक विनोद सिंह काफी समय से उस पर दबाव बना रहे थे। 3 जून को लखनऊ स्थित फ्लैट पर विधायक ने उसे बुलवाया और शराब के नशे में उसके साथ अभद्रता करते हुए दुष्कर्म की कोशिश की। महिला का आरोप है कि विधायक के गनर धनंजय यादव ने उसे और उसकी 10 साल की बेटी को सामूहिक दुष्कर्म और एसिड अटैक की धमकियां दीं। महिला ने लखनऊ की स्थानीय पुलिस पर विधायक का साथ देने का आरोप लगाया और कहा कि पुलिस से कोई मदद न मिलने पर वह न्याय के लिए दिल्ली पहुंची है।

वहीं, विधायक ने प्रेस नोट जारी कर सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। विनोद सिंह ने बताया कि मामला असल में फर्जी दस्तावेज और वित्तीय जालसाजी का है। सुल्तानपुर के कोतवाली देहात क्षेत्र की निवासी महिला के पति शशांक पांडेय उनके ही अपार्टमेंट में रहते थे। शशांक ने खुद को पीएमओ में तैनात एक आईएएस अधिकारी का भाई बताते हुए सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (सीडब्ल्यूसी) के लेटरहेड पर फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) का गोदाम दिलाने के नाम पर फर्जी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दिया। जब विधायक ने दिल्ली स्थित सीडब्ल्यूसी दफ्तर से सत्यापन कराया, तो दस्तावेज पूरी तरह फर्जी और कूटरचित पाए गए। इसके बाद आरोपी पति-पत्नी फ्लैट छोड़कर फरार हो गए।

विधायक विनोद सिंह ने इस मामले में लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में शशांक पांडेय और उनकी पत्नी के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) और 336(2) के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। विधायक का कहना है कि एफआईआर रद्द कराने के लिए आरोपी शशांक हाईकोर्ट गए थे, लेकिन अदालत ने उसकी याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट से राहत न मिलने और गिरफ्तारी के डर से बौखलाकर ही आरोपी दंपती अब पुलिस जांच से बचने और चरित्र हनन करने के लिए इस तरह के झूठे आरोप लगा रहे हैं।

'कानून की समझ नहीं': पप्पू यादव बोले

बांसुरी स्वराज का जन्म राहुल गांधी के खिलाफ केस लड़ने को हुआ

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। विपक्षी सांसदों ने 20 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन 'पुलिस कार्रवाई' और अयोध्या राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी जैसे मुद्दों को लेकर था। इस दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव और समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने भी अपनी बातें रखीं। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने आज भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि बांसुरी स्वराज का जन्म राहुल गांधी के खिलाफ केस करने के लिए हुआ है। पप्पू यादव ने यह भी कहा कि उन्हें कानून की कोई समझ नहीं है।

उनके अनुसार, बांसुरी स्वराज को सदन में स्पीकर से पहले इजाजत लेनी चाहिए। पप्पू यादव ने स्पष्ट किया कि वह हिंसा में विश्वास नहीं करते हैं। उन्होंने बताया कि प्रयागराज कोर्ट ने इस मामले पर संज्ञान लिया है और उन्हें नोटिस भेजा है, जिसका वह जवाब देंगे। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे

राहुल गांधी

पप्पू यादव

बांसुरी स्वराज

और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित अन्य विपक्षी सांसदों ने मार्च किया। उन्होंने प्रेरणा स्थल पर गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक विरोध मार्च निकाला। यह मार्च केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ था।

डिंपल यादव ने उठाए जनता से जुड़े मुद्दे

समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने जनता की भावनाओं से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि लोगों की आजीविका से संबंधित मुद्दों को सदन में उठाया जाएगा। डिंपल यादव ने ई20 ईंधन पर चिंता व्यक्त की।

उनके अनुसार, यह ईंधन इंजन को नुकसान पहुंचा रहा है और गाड़ियों की ईंधन खपत पर भी असर डाल रहा है। उन्होंने सरकार पर इस मामले में कोई स्पष्ट गाइडलाइन जारी न करने का आरोप लगाया।

विपक्षी सांसदों का विरोध मार्च

विपक्षी सांसदों ने 20 जुलाई को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सीजेपी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हुई 'पुलिस कार्रवाई' का मुद्दा उठाया। अयोध्या राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी भी उनके विरोध का एक कारण था। यह मार्च प्रेरणा स्थल पर गांधी प्रतिमा से शुरू होकर मकर द्वार तक गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन किया गया।

पश्चिम बंगाल: 'हनी ट्रैप' का खेल बेनकाब

सोशल मीडिया पर बिछाते थे इश्क का जाल, दो महिलाओं समेत 7 गिरफ्तार

कोलकाता, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के खड़गपुर में सोशल मीडिया और डेटिंग ऐप के जरिए युवकों को प्रेमजाल में फंसाकर लाखों रुपए ऐंठने वाले 'हनी ट्रैप' गैंग का खड़गपुर टाउन थाना पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने झोली इलाके में कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरोह के लोग सबसे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और गुप्त डेटिंग ऐप पर फर्जी पहचान बनाकर युवकों से दोस्ती करते थे। कुछ दिनों तक प्रेम-प्रसंग का नाटक रचने के बाद उन्हें मिलने के बहाने एक सुनसान मकान में बुलाया जाता था और उसके निजी पलों का वीडियो बना लिया जाता।

इसके कुछ ही देर बाद गिरोह के अन्य सदस्य खुद को युवती के परिजन या रिश्तेदार बताकर मौके पर पहुंचते और युवक को घेर लेते। इसके बाद अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम ऐंठते थे। मानसिक दबाव और सामाजिक बदनामी के डर से कई लोग इस गिरोह की ब्लैकमेलिंग का शिकार बनते रहे। पुलिस के अनुसार कई पीड़ितों से जबरन स्टांप पेपर पर माफीनामा भी लिखवाया जाता था, ताकि भविष्य में वे पुलिस के पास जाने की हिम्मत न कर सकें। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और कई युवकों को अपना शिकार बना चुका है।

पुलिस अब आरोपियों के मोबाइल फोन, बैंक खातों और डिजिटल लेन-देन की जांच कर रही है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया या डेटिंग ऐप पर किसी भी अनजान व्यक्ति के झांसे में न आएं। यदि कोई ब्लैकमेल करने की कोशिश करे, तो बिना डरे तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

शरद पवार की पार्टी ने सभी प्रवक्ताओं को हटाया

एनसीपी (एसपी) में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल

मुंबई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। विपक्षी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) में संगठनात्मक फेरबदल के बीच पार्टी ने मौजूदा प्रवक्ताओं को पद से हटा दिया है। अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने एक प्रेस नोट जारी कर सभी पार्टी प्रवक्ताओं की नियुक्तियां रद्द कर दीं।

उन्होंने कहा कि नई नियुक्तियां होने तक पूर्व एमएलसी विद्या चव्हाण और पार्टी नेता महेश तापसे पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे। शरद पवार की पार्टी के एक पूर्व प्रवक्ता ने कहा, "इस अचानक लिए गए फैसले की हमें भी कोई जानकारी नहीं है। यह संगठन में चल रहे बड़े बदलाव का हिस्सा लगता है। नई नियुक्तियों के बारे में जल्द ही जानकारी मिल जाएगी।" पिछले दो सप्ताह में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने संगठन में कई बड़े बदलाव किए हैं।

हाल के दिनों में प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने सुशील बोर्डे को छात्र विंग का अध्यक्ष, विशाल वाकडकर को युवा विंग का अध्यक्ष और राम राठौड़ को शिक्षक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया है। अब इसी संगठनात्मक बदलाव का दायरा पार्टी के प्रवक्ताओं तक भी बढ़ा दिया गया है। हाल के दिनों में शशिकांत शिंदे पूरे महाराष्ट्र का दौरा कर पार्टी के संगठन और कार्यप्रणाली की समीक्षा कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, कई प्रवक्ता पार्टी की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाए थे। ऐसे में किसी एक-दो प्रवक्ताओं को हटाने के बजाय पार्टी ने पूरे प्रवक्ता पैनल को ही बदलने का फैसला किया। यह घटनाक्रम ऐसे दिन सामने आया है जब कांग्रेस और सत्तारूढ़ एनसीपी के बीच उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को 'गूंगी गुड़िया' कहे जाने को लेकर तीखी नोकझोंक हुई।

वहीं पार्टी के भीतर भी सत्तारूढ़ एनडीए में शामिल होने की संभावनाओं को लेकर अलग-अलग राय सामने आने की खबरें हैं। दिल्ली में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेताओं पार्थ पवार और प्रफुल्ल पटेल ने एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद एनसीपी के दोनों गुटों ने विलय की अटकलों को तेज कर दिया है। हालांकि, शरद पवार ने कहा कि एक साथ आने का कोई सवाल ही नहीं है। यह मुलाकात शरद पवार की पीएम मोदी के साथ पिछले हफ्ते हुई मीटिंग के बाद हुई है। हालांकि, अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से एजेंडे का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन लगातार हुई इन बैठकों ने इस राजनीतिक चर्चा को हवा दी है कि दोनों एनसीपी गुटों को एक साथ लाने की कोशिशों ने शायद रफ्तार पकड़ ली है।

'मदरसों में वंदे मातरम गाया जाएगा तो आसमान नहीं टूट पड़ेगा' एचसी की कड़ी टिप्पणी

कोलकाता, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने मदरसों में वंदे मातरम के छह छंद गाना अनिवार्य करने के खिलाफ दायर एक पीआईएल पर सुनवाई करते हुए कहा, आसमान नहीं गिर पड़ेगा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश (एसीजे) तापब्रत चक्रवर्ती ने आगे कहा, हजारों ईसाई स्कूल हैं जहां सभी छात्रों से ईश्वर से प्रार्थना करने को कहा जाता है। तो क्या किसी खास धर्म से जुड़े छात्र यह सवाल उठाते हैं कि आप मुझसे ईसाई धर्म से जुड़ी बातें क्यों गवा रहे हैं? इससे आसमान नहीं टूट पड़ेगा। आज अगर मुझसे कोई ऐसी बात दोहराने को कहे जो मेरे धर्म में नहीं है तो क्या होगा? क्या मैं अपने धर्म से बाहर हो जाऊंगा? पीआईएल दाखिल करने वाले की ओर से वरिष्ठ वकील विकास रंजन भट्टाचार्य पेश हुए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी करके वंदे मातरम् के सभी छह छंदों को गाना अनिवार्य कर दिया है।

उन्होंने तर्क दिया, ऐसा कैसे किया जा सकता है? जब संविधान अपनाया गया था तो बहुत विचार-विमर्श के बाद यह तय किया गया था कि केवल दो छंद ही गाए जाएंगे। अगर कोई अपनी मर्जी से गाना चाहता है तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है लेकिन इसे थोपा नहीं जा सकता। भट्टाचार्य ने कहा, इससे सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ेगा। आजादी बहुत खून-खराबे के बाद मिली थी। अगर कोई इसे गाने से इनकार करता है भले ही यह अनिवार्य हो और उसे जेल जाना पड़ता है तो वह कानूनी मदद कैसे ले सकता है?

तमिलनाडु में महिलाओं को मिलेगा सोने का सिक्का, विजय सरकार का बड़ा ऐलान

चेन्नई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु की विजय सरकार ने बजट 2026-27 में महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। बजट में 'ब्रदर्स गिफ्ट स्कीम' के तहत महिलाओं के लिए 8 ग्राम का सोने का सिक्का और सिल्क साड़ी योजना के लिए 812 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा गया है। सीएम विजय ने विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में शादी के मौके पर महिलाओं को तोहफा देने का वादा किया था।

अब बजट में इसके लिए ऐलान किया गया है। तमिलनाडु के वित्त मंत्री एन। मैरी विल्सन ने बुधवार को विधानसभा में टीवीके सरकार का पहला बजट पेश किया। विल्सन ने मुख्यमंत्री सी। जोसेफ विजय की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने टेंडर में कुछ दलों और लोगों को मिलने वाला 'कट' (कमीशन) बंद कराया है।

हज सब्सिडी बढ़ाई

उन्होंने कहा कि राज्य को 'वित्तीय संकट' से उबारने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। एन। मैरी विल्सन ने कहा कि पहली बार हज पर जाने वाले लोगों के लिए सब्सिडी 25,000 रुपये से बढ़ाकर 35,000 रुपये की जाएगी। ईसाई और मुस्लिम महिला कल्याण संघों की मदद के लिए 1.05 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पांच ईसाई और मुस्लिम कब्रिस्तान के विकास के लिए 34 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को समाप्त करने की मांग की। विल्सन ने केंद्र सरकार से 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर प्रवेश की पुरानी व्यवस्था बहाल करने का आग्रह किया।

एआई के लिए सरकार का प्लान

डॉ. एन मैरी विल्सन ने कहा, ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने और अंतरराष्ट्रीय खेलों में तमिलनाडु को सबसे ऊंचे स्तर पर ले जाने के मकसद से राज्य भर में 10 'ओलंपिक सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' बनाने के लिए 5.50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।" एआई पर जोर देते हुए तमिलनाडु के वित्त मंत्री ने कहा कि 2031 तक, राज्य भर के इंजीनियरिंग कॉलेजों, पॉलिटेक्निक कॉलेजों और इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट्स (आईटीआई) में पढ़ रहे 5 लाख छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्किल्स की ट्रेनिंग दी जाएगी।

अपने चार मंत्रियों के कामकाज से खुश नहीं हैं डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे, गिरेगी गाज?

मुंबई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने अपनी पार्टी के चार मंत्रियों के कामकाज को लेकर नाराजगी जताई है। सूत्रों के मुताबिक, प्री-कैबिनेट बैठक में शिंदे ने संजय राठोड, गुलाबराव पाटील, संजय शिरसाठ और आशीष जायसवाल के कामकाज को लेकर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। सूत्रों के अनुसार, बैठक में शिंदे ने मंत्रियों को स्पष्ट संदेश दिया कि सिर्फ मंत्रालय में अपने विभाग का कामकाज संभालना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अपने विधानसभा क्षेत्रों में भी लगातार जनता के बीच सक्रिय रहना होगा। इसके साथ ही पार्टी संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद बढ़ाने और शिवसेना की जमीनी पकड़ मजबूत करने के निर्देश दिए गए। सूत्रों का दावा है कि बैठक के दौरान एकनाथ शिंदे ने मंत्रियों को दोहरी जिम्मेदारी निभाने की बात कही। एक तरफ सरकार में अपने विभाग के कामकाज को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाना और दूसरी तरफ अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में जनता की समस्याओं का समाधान करना। शिंदे ने कथित तौर पर मंत्रियों से कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दी जाए और कार्यकर्ताओं तथा आम लोगों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखा जाए। सूत्रों के मुताबिक, कुछ मंत्रियों द्वारा अपने विधानसभा क्षेत्रों में अपेक्षित समय नहीं दिए जाने और पार्टी संगठन को पर्याप्त समय नहीं देने को लेकर शिंदे नाराज हैं।

गुना का निर्भया कांड, युवती से हैवानियत करने वाले आरोपियों के ठिकानों पर चला शासन का बुलडोजर, जमींदोज हुए मकान

गुना, 5 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के गुना जिले से हाल ही में निर्भया कांड जैसी बर्बरता का मामला सामने आया, जिसने सबको हिलाकर रख दिया। गुना जिले के नेशनल हाईवे पर गादेर के समीप स्थित जंगल में इंजीनियर और उनकी मंगेतर के साथ हुए सामूहिक गैंगरेप, बर्बरता और लूटपाट के मामले में प्रशासन ने आरोपियों के खिलाफ बेहद सख्त रुख अपनाया है। घटना के महज़ 24 घंटे के भीतर सभी पांचों आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने के बाद, अब राजस्व व वन विभाग की संयुक्त टीम ने बोरखेड़ा गांव पहुंचकर आरोपियों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमणों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया है।

आरोपियों की पहचान होते ही प्रशासन ने उनके आपराधिक रिकॉर्ड और उनके द्वारा किए गए अवैध निर्माणों की कुंडली खंगालना शुरू कर दिया। जांच में सामने आया कि आरोपी वन विभाग की जमीन पर अवैध कब्जा कर रह रहे थे। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देश पर वन विभाग और प्रशासनिक अमले ने भारी पुलिस बल के साथ बोरखेड़ा गांव में आरोपियों के अवैध ठिकानों पर जेसीबी चलाकर अतिक्रमण को पूरी तरह जमींदोज कर दिया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जघन्य अपराधों में लिप्त अपराधियों के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कठोर से कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

घटना गत गुरुवार रात करीब 8 बजे की है। मूलत कोलकाता निवासी 26 वर्षीय पीड़िता अपने साथी के साथ मोटरसाइकिल से हनुमान टेकरी मंदिर से दर्शन कर लौट रही थी। पेट्रोल पंप के पास पीछे से आए एक बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने पंक्चर होने का झांसा देकर उनकी गाड़ी रुकवा ली। जैसे ही बाइक रुकी, बदमाशों ने चाबी निकाल ली और युवती के बाल पकडऱ घसीटते हुए एबी रोड किनारे घने अंधेरे जंगल में ले गए। जंगल में पहुंचकर आरोपियों ने फोन करके अपने तीन और साथियों को बुला लिया।

बदमाशों ने मिलकर युवक और युवती को डंडों और थप्पड़ों से बुरी तरह पीटा। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर उनके मोबाइल, पर्स और बाइक छीन ली। युवक को बंधक बनाकर जंगल में दूसरी तरफ ले जाया गया, जबकि तीन दरिंदों ने पीड़िता के कपड़े फाड़ दिए और बारी-बारी से उसके साथ जबरदस्ती करने लगे। पीड़िता ने खुद को बचाने के लिए कड़ा संघर्ष किया, आरोपियों को नोंचा और काटा, लेकिन हैवानों ने उसके ही कपड़ों से हाथ बांध दिए। जब युवती चिल्लाई, तो एक आरोपी ने क्रूरता की हदें पार करते हुए उसके प्राइवेट पार्ट में लकड़ी घुसाने का प्रयास किया, जिससे खून बहने लगा। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक सतर्क राहगीर की नजर पड़ी, जिसने तुरंत गश्त पर मौजूद डायल 112 को इसकी सूचना दी।

सांसद अमृतपाल से जुड़े अजनाला थाना मामले के गवाह पर फायरिंग साथ में नहीं थे सुरक्षा कर्मी

रोपड़/मोरिंडा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। सांसद अमृतपाल सिंह के अजनाला थाना मामले के गवाह वरिंदर सिंह उर्फ मावी पर फायरिंग की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार यह घटना मोरिंडा के गांव रसूलपुर के पास हुई। गौरतलब है कि वरिंदर सिंह उर्फ मावी को पंजाब पुलिस की ओर से दो सुरक्षा कर्मी और एक सरकारी वाहन उपलब्ध कराया गया है लेकिन घटना के समय सुरक्षा कर्मी उनके साथ मौजूद नहीं थे। घटना के पहले ही वरिंदर सिंह ने सुरक्षा कर्मी को गाड़ी से उतार दिया था। पुलिस ने इस संबंध में मोरिंडा थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसएसपी मनिंदर सिंह के अनुसार शुरुआती जांच में मामला रोडरेज का प्रतीत हो रहा है और इसी आधार पर कार्रवाई की गई है। जबकि मामले की गहनता से आगे जांच जारी है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने गांव समरोली निवासी जसवीर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

दूसरे केस की एफएसएल रिपोर्ट के आधार पर दी थी उम्रकैद कोर्ट ने हत्या के आरोपियों को किया दोषमुक्त

जबलपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में हाईकोर्ट ने न्याय का एक बड़ा उदाहरण पेश करते हुए हत्या के एक पुराने मामले में अपीलकर्ताओं को राहत दी है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस एके सिंह की युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि निचली अदालत ने बिना पुख्ता सबूतों और लापरवाही के आधार पर आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने इस गंभीर त्रुटि को आधार बनाते हुए दोनों अपीलकर्ताओं की सजा के आदेश को पूरी तरह निरस्त कर दिया है और उन्हें दोषमुक्त कर दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने इस बात पर गहरी हैरानी जताई कि ट्रायल कोर्ट ने अपने फैसले में जिसफोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री रिपोर्ट का उल्लेख किया है, वह इस केस से संबंधित ही नहीं थी। वह रिपोर्ट किसी अन्य आपराधिक प्रकरण की थी, जिसका इस घटना से कोई लेना-देना नहीं था। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट ने उसे मुख्य सबूत के तौर पर इस्तेमाल कर लिया। हैरानी की बात यह रही कि मुकदमे के दौरान किसी भी पक्ष ने इस गंभीर गलती पर ध्यान नहीं दिया था। अपीलकर्ताओं तुलसी राम राजपाल और हर प्रसाद की ओर से पैरवी करते हुए कोर्ट को बताया गया कि घटना के वक्त बिजली बंद थी और रोशनी का कोई साधन नहीं था। इसके अलावा, मामले के चश्मदीद गवाहों के बयान घटना के 15 से 30 दिन बाद दर्ज किए गए थे, जिससे पूरी कहानी संदिग्ध प्रतीत होती है। मेडिकल रिपोर्ट में भी यह सामने आया कि मौत का कारण भारी और नुकीली वस्तु से तिल्ली फटना था, जबकि आरोपी के पास से जब्त चाकू में मानव रक्त नहीं मिला था।

इंदौर एयरपोर्ट पर अबूधाबी से आए यात्री के पास मिला करीब 1 किलो सोना, कीमत लगभग 2 करोड़

इंदौर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अबूधाबी से इंदौर पहुंचे एक यात्री के पास से करीब एक किलोग्राम सोना बरामद किया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक बरामद सोने की कीमत करीब 2 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। इस कार्रवाई के बाद एयरपोर्ट परिसर में देर रात तक जांच-पड़ताल का दौर चलता रहा। सूत्रों के अनुसार डीआरआई को पहले से इस तस्करी की गोपनीय सूचना मिली थी। इसी आधार पर एयरपोर्ट पर विशेष निगरानी रखी गई और जैसे ही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट अबूधाबी से इंदौर पहुंची, संदिग्ध यात्री को रोककर उसकी जांच की गई। तलाशी के दौरान उसके पास से बड़ी मात्रा में सोना बरामद हुआ।

मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआरआई की टीम यात्री से लगातार पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि सोना किस नेटवर्क के जरिए भारत लाया गया और इसका अंतिम गंतव्य क्या था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस पूरे मामले में कोई संगठित तस्करी गिरोह सक्रिय तो नहीं है। सूत्रों का कहना है कि पूछताछ के दौरान एयर इंडिया एक्सप्रेस के कुछ कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आई है। हालांकि अभी तक किसी कर्मचारी के खिलाफ आधिकारिक तौर पर कोई कार्रवाई या पुष्टि नहीं की गई है। जांच एजेंसियां तकनीकी साक्ष्यों, दस्तावेजों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पूरे घटनाक्रम की पड़ताल कर रही हैं। फिलहाल डीआरआई, एयरपोर्ट प्रबंधन और एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी शेयर की जाएगी।

इंदौर एयरपोर्ट पर हुई यह कार्रवाई हाल के समय की बड़ी सोना तस्करी की घटनाओं में से एक मानी जा रही है। जानकारों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के जरिए सोने की तस्करी के मामलों में हाल के वर्षों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। ऐसे में इंदौर एयरपोर्ट पर हुई यह कार्रवाई मध्य भारत में सक्रिय तस्करी नेटवर्क से जुड़े बड़े खुलासे की ओर इशारा कर सकती है। तकनीकी और दस्तावेजी जांच पूरी होने के बाद इस मामले में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

दिल्ली में 10 अगस्त तक बारिश... येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। मॉनसूनी बारिश इन दिनों देशभर में जमकर बरस रही है। दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों के मौसम का मिजाज बदला हुआ है। उत्तर भारत में मॉनसून एक बार फिर रफ्तार पकड़ रहा है। वहीं दक्षिण भारत और पूर्वी राज्यों में बाढ़ जैसे हालात हैं। असम और ओडिशा तो बाढ़ से बेहाल हैं। मौसम विभाग की ओर से आज देश के कई राज्यों में भारी बारिश संभावना जताई गई है। इसमें दिल्ली, यूपी, बिहार, हिमाचल प्रदेश, बंगाल, ओडिशा और महाराष्ट्र समेत कई राज्य शामिल हैं। दिल्ली-एनसीआर में मौसम बदल गया है। यहां दिनभर घने बादल छाये रहे। कई जगहों पर बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने आज भी दिल्ली में बरसात होने की संभावना जताई है। सुबह से रात तक यहां हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिल सकती है। दिल्ली-एनसीआर में गरज-चमक, बिजली गिरने और कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। आज दिल्ली में येलो अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली में 10 अगस्त तक बारिश का सिलसिला थमने वाला नहीं है।

पश्चिमी और पूर्वी दोनों हिस्सों में अच्छी बारिश का अनुमान है। कई जिलों में आज भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। इतना ही नहीं पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में 06 अगस्त यानी कल तक भारी बारीश का दौर जारी रहने वाला है। बिहार के कई जिलों में भारी बारिश का दौर जारी है। आज भी व्यापक बारिश होगी। कुछ स्थानों पर भारी बारिश का अलर्ट है।

झारखंड के साहेबगंज, दुमका, देवघर, गिरिडीह, बोकारो, कोडरमा, धनबाद, रामगढ़, हजारीबाग में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है। मध्य प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में कई स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान छत्तीसगढ़ में भी मॉनसून की पूरी सक्रियता देखने को मिलेगी। कोंकण-गोवा और मध्य महाराष्ट्र में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है।

रास्जथान, हरियाणा और पंजाब में भी बारिश होगी। पंजाब के बठिंड़ा के कई इलाकों में भारी बारिश से जलभराव की स्थिति हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार छह-सात अगस्त को पूर्वी राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में एक नया चक्रवाती परिसंचरण तंत्र बनने की संभावना है, जिससे मानसून फिर सक्रिय होगा और राज्यभर में वर्षा गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी। विभाग का कहना है कि 07 से 10 अगस्त तक भरतपुर, कोटा, जयपुर और अजमेर संभागों में कई स्थानों पर मध्यम से भारी तथा कुछ स्थानों पर अति भारी वर्षा होने की संभावना है।

पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और मेघालय में अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश देखने को मिल सकती है। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे, तटीय कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश हो सकती है।

पहाड़ों पर क्या है मौसम का हाल?

उत्तराखंड के कई इलाकों में आज भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, शिमला, चंबा और हमीरपुर में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर, बारामूला, अनंतनाग, जम्मू, डोडा और किश्तवार में भारी बारिश का अलर्ट है।

इथियोपिया में भूस्खलन से 14 की मौत

लोग पवित्र जल लेने पहुंचे थे

अदीस अबाबा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। इथियोपिया के अम्हारा इलाके में भारी बारिश के कारण सोमवार को हुए भूस्खलन में 14 लोगों की मौत हो गई और 7 अन्य घायल हो गए। कई लोग अभी भी लापता हैं। यह भूस्खलन त्सदकाने डेब्रे मिटमाक सेंट मैरी मठ में हुआ, जहां सैकड़ों श्रद्धालु पवित्र जल से शुद्धि की रस्म के लिए जमा हुए थे। डायोसिस के जनरल मैनेजर मेगाबे हादिस नेका तिबेब अबाबू ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया- "मरने वालों में से कई लोग पवित्र जल लेने के लिए जमा हुए थे। मरने वालों में से 11 लोगों को मठ में ही दफना दिया गया है, जबकि बाकी लोगों के शव उनके घर दिए गए हैं।"

सीपीईसी को झटका, चीन ने रोकी फंडिंग

अब काराकोरम हाईवे प्रोजेक्ट को खुद फाइनेंस करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 5 अगस्त (एजेंसियां)। चीन के इनकार के बाद पाकिस्तान खुद काराकोरम हाईवे रीअलाइनमेंट प्रोजेक्ट की फंडिंग पर विचार कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का बजट 1.8 अरब डॉलर है। इसको चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) के अंतर्गत बनाया जाना था। लेकिन, बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में बिगड़ते सुरक्षा हालात को देखते हुए चीन ने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। उसने सीपीईसी में और अधिक निवेश से इनकार किया है, जब तक पाकिस्तान सुरक्षा की स्थिति को सुधारता नहीं है।

पाकिस्तान काराकोरम हाईवे (केकेएच) रीअलाइनमेंट प्रोजेक्ट के लिए घरेलू कॉन्ट्रैक्टर्स को बोली लगाने की इजाजत देने पर विचार कर रहा है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है, जब पाकिस्तान मौजूदा हाइवे के 280 किलोमीटर के हिस्से के डायमर-भाशा बांध के जलाशय में डूबने से पहले एक वैकल्पिक रास्ता पूरा करने की जल्दी में है। डायमर-भाशा पाकिस्तान में सिंधु नदी पर स्थित एक विशाल और बहुउद्देश्यीय जलविद्युत परियोजना है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान चीन के साथ मौजूदा सरकार-से-सरकार (G2G) फ्रेमवर्क में बदलाव करने की योजना बना रहा है, जो अभी बोली लगाने की प्रक्रिया को चीन की तीन सरकारी कंपनियों तक ही सीमित रखता है। पाकिस्तान चाहता है कि काम में तेजी लाने के लिए पाकिस्तान की प्रमुख कंस्ट्रक्शन कंपनियों को भी इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की इजाजत दी जाए। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान और चीन मई 2025 में एक फाइनेंसिंग स्ट्रक्चर पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हुए थे। इस स्ट्रक्चर के तहत चीन सीपीईसी के तहत बनने वाले प्रोजेक्ट का लगभग 85 प्रतिशत फंड देगा, लेकिन औपचारिक समझौते पर अभी तक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं।

पाकिस्तान ने पिछले एक साल में चीन से कई बार रियायती लोन की मांग की है, लेकिन बीजिंग ने अभी तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया है। माना जा रहा है कि चीन ने कमर्शियल लोन की शर्तें रखी हैं और खबर है कि फाइनेंसिंग समझौता फाइनल होने तक टेंडर प्रक्रिया शुरू करने से इनकार कर दिया है।

राफेल एफ-5 विमानों का साल 2033 तक इंतजार नहीं कर सकते

भड़के फ्रांसीसी वायुसेना प्रमुख, भारत की डिलीवरी भी लेट?

पेरिस/नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। फ्रांसीसी वायुसेना के प्रमुख जनरल जेरोम बेलेंजर ने सीनेटर्स की एक कमेटी को बताया है कि राफेल एफ5 के सर्विस में आने से पहले उन्हें और राफेल लड़ाकू विमानों की जरूरत है और वो 2033 तक एफ-5 बनने का इंतजार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा है कि एफ5 का इंतजार करने के बजाय और ज्यादा राफेल एफ4 जेट लेना बेहतर होगा। यह बैठक 5 मई को बंद दरवाजों के पीछे हुई थी और इसकी ट्रांसक्रिप्ट सीनेट ने अब जारी किए हैं। बेलेंजर ने राफेल एफ4-स्टैंडर्ड को ही बहुत काबिल फाइटर बताया और कहा कि एफ5 का इंतजार करने के बजाय इन्हें लेना बेहतर होगा।

फ्रांसीसी वायुसेना के प्रमुख ने हालांकि यूक्रेन युद्ध के नाटो देशों तक फैलने का जिक्र नहीं किया लेकिन उन्होंने जियो पॉलिटिकल परिस्थितियों का जिक्र जरूर किया है। फ्रांस के मिलिट्री प्रोग्रामिंग कानून ने 1 जुलाई को 20 राफेल एफ 5 का ऑर्डर दिया था जिसकी डिलीवरी को 2031-32 से टालकर अब 2033-34 कर दिया गया है। भारत के लिए ये महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि भारतीय वायुसेना के लिए जो 114 राफेल खरीदने की बात चल रही है उनमें कम से कम 24 राफेल एफ5 स्टैंडर्ड के हैं।

राफेल एफ5 स्टैंडर्ड में दुश्मन के एयर डिफेंस को खत्म करने और एंटी-शिप वॉरफेयर के लिए एएसएन4जी हाइपरसोनिक न्यूक्लियर मिसाइलें और स्ट्राटज आरएस मिसाइलें होंगी।

इसमें फ्रांस में ही बना हाई-थ्रस्ट टी-आरईएक्स इंजन लगा होगा और इसमें 'लॉयल विंगमैन' ड्रोन के साथ 'मैन्ड-अनमैन्ड टीमिंग' (एमयूएम-टी) की सुविधा होगी जिसमें 2035 तक एक स्टील्थ कॉम्बैट ड्रोन शामिल करने की योजना भी है।

इसके अलावा राफेल एफ-5 में चौथी पीढ़ी की न्यूक्लियर-आर्म्ड हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलें भी लगी होंगी जिससे ये विमान अत्यंत घातक बन जाता है।

डीजीए ने इस मिसाइल को शामिल करने के लिए 2035 का लक्ष्य रखा है। साथ ही यह भी बताया गया है कि इसे राफेल एफ5 में लगाया जाएगा।

एम88 टी-आरईएक्स एक एडवांस्ड, ज्यादा थ्रस्ट वाला मिलिट्री टर्बोफैन इंजन है जिसे फ्रांस में सेफ्रॉन एयरक्राफ्ट इंजन्स ने डसॉल्ट राफेल एफ5 फाइटर जेट के लिए बनाया है। जून 2025 में पेरिस एयर शो में आधिकारिक तौर पर पेश किए गए इस इंजन से स्टैंडर्ड एम88 इंजन के मुकाबले 20% ज्यादा पावर मिलती है। डिफेंस एक्सपर्ट्स का कहना है कि राफेल एफ-5 होने से स्टील्थ विमानों की जरूरत नहीं होगी क्योंकि ये स्टील्थ विमानों को आसानी से पहचानकर उन्हें हवा में मार सकता है।

अभी फ्रांस के बेड़े में लगभग 165 राफेल हैं जिनमें 41 फ्रेंच नेवी के पास और 124 फ्रेंच एयर फोर्स के पास। फ्रांस का लक्ष्य 2035 तक 225 राफेल जेट हासिल करना है। इसलिए डसॉल्ट को आने वाले सालों में लगभग 60 और राफेल देने होंगे। लेकिन डसॉल्ट को भारत, मिस्र, कतर, ग्रीस, क्रोएशिया, यूएई, सर्बिया और इंडोनेशिया जैसे एक्सपोर्ट ग्राहकों को भी 165 राफेल देने हैं।

बलूचिस्तान के बाद अब असीम मुनीर के खिलाफ विद्रोह करेगा सिंध?

पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने दी बड़ी चेतावनी

पाकिस्तान को 12 प्रांत में बांटने की कोशिश पर बवाल

इस्लामाबाद, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पत्रकार नजम सेठी ने कहा है कि अगर असीम मुनीर तीन हिस्से में बांटने की कोशिश करते हैं तो सिंध भी विद्रोह कर देगा। उन्होंने एक टीवी शो में कहा है कि बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और पीओके में पहले से ही प्रदर्शन हो रहे हैं और अब सिंध भी विद्रोह कर देगा।

पाकिस्तान में नया बवाल सेना प्रमुख असीम मुनीर के उस प्लान पर शुरू हुआ है जिसमें देश को 12 हिस्सों में बांटने का प्रस्ताव रखा गया है। पाकिस्तानी सेना देश में अलग अलग हिस्सों में फैले विद्रोह को कुचलने के लिए देश को 12 हिस्सों, यानि हर एक प्रांत को तीन हिस्सों में बांटने की योजना पर काम कर रही है।

इसका शहबाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन और बिलावल भुट्टो की पीपीपी पार्टी ने जबरदस्त विरोध करना शुरू कर दिया है। ऐसा होने से इन दोनों की पार्टियों का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के महासचिव सैयद नय्यर हुसैन बुखारी ने कहा है कि नए प्रांत बनाने का संवैधानिक अधिकार सिर्फ संसद के पास है। उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि ऐसा फैसला कार्यकारी आदेशों के जरिए लिया जा सकता है।

पाकिस्तानी सेना के करीबी पत्रकार नजम सेठी ने कहा है कि जो भी इस फैसले का विरोध करेगा वो जेल जाएगा। चूंकी सिंध प्रांत में बिलावल भुट्टो की पीपीपी की सरकार है इसलिए उनकी पार्टी सबसे ज्यादा विरोध कर रही है। नजम सेठी ने कहा कि अगर विरोध हुआ तो बिलावल भुट्टो और आसिफ अली जरदारी (पाकिस्तान के राष्ट्रपति) जेल जाएंगे। उन्होंने कहा 'संविधान संशोधन के रास्ते में अगर कोई आता है, अगर पीपल्स पार्टी रास्ते में आती है तो उसे बहुत बड़ी कीमत अदा करनी होगी।'

नजम सेठी ने आगे कहा 'लेकिन अफसोस इस बात का कि वो कीमत सिर्फ पीपीपी को नहीं बल्कि पूरे पाकिस्तान को अदा करनी होगी। अभी पहले ही बाकी के प्रांतों में अशांति है और बिलावल, जरदारी जेल में होंगे लेकिन सिंध विद्रोह कर देगा। इसकी जरूरत नहीं है।' सिंध पीपीपी के अध्यक्ष निसार अहमद खुहरो ने सीधे तौर पर चुनौती दी है कि विभाजन चाहने वाले सड़कों पर आकर देख लें। संविधान के अनुच्छेद 239 के तहत किसी भी प्रांत को बांटने के लिए उस प्रांत की विधानसभा की दो-तिहाई मंजूरी जरूरी है जिसे सिंध कभी पास नहीं होने देगा।

सिंधी राष्ट्रवादी संगठनों ने इस योजना को पेश करने वाले गृह मंत्री मोहसिन नकवी के इस्तीफे की मांग को लेकर पहले ही सड़कों पर उग्र प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं।

बंद घर से लाखों की संपत्ति की चोरी

बेटी के ससुराल गया था पूरा परिवार, जेवर-नगदी और एलईडी टीवी भी ले गए चोर

कोडरमा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। चंदवारा थाना क्षेत्र के तीतिरचांच गांव में एक बंद घर को निशाना बनाकर लाखों रुपए के जेवरात और नगदी की चोरी कर ली गई। घटना उस समय हुई जब घर के मालिक मेघवाल रविदास का परिवार अपने नाती के सत्ताईसा कार्यक्रम में गया हुआ था। जानकारी के अनुसार, मेघवाल रविदास अपने परिवार के साथ तिलैया थाना क्षेत्र के आरागारो गए थे। 9 बजे जब वे घर लौटे, तो उन्होंने देखा कि उनके घर का पिछला दरवाजा खुला हुआ था।

घर की जांच करने पर परिवार को पता चला कि कमरे में रखी अलमारी खुली थी। चोरों ने अलमारी से दो सोने की चेन, दो जोड़ी सोने के कान के झुमके, एक सोने का मंगलसूत्र, 12 जोड़ी चांदी के पायल और लगभग ढाई लाख रुपए नगद चुरा लिए।

चीन का बड़ा हिस्सा बाढ़ की चपेट में

बीजिंग, 5 अगस्त (एजेंसियां)। चीन के कई शहर जुलाई से ही भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन का सामना कर रहे हैं। इससे बड़े पैमाने पर आम जिंदगी प्रभावित हुई है। कई क्षेत्रों में सड़कों पर पानी भरने से गाड़ियां नहीं चल पा रही है और लोगों को भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है। लाखों लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से निकाला गया है। बीजिंग और शंघाई में गलियों में भरे पानी के बाद सोशल यूजर्स ने ये याद दिलाया है कि ये जलवायु परिवर्तन की मार है, जो भारत या दूसरे गरीब देशों पर ही नहीं चीन समेत पूरे क्षेत्र पर पड़ रही है।

अरविंद नाम के सोशल यूजर ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें गाडियां पानी में डूबी नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि ये वीडियो 2 अगस्त की बारिश के बाद बीजिंग का है ना कि किसी भारतीय शहर का। एसपी शुक्ला ने शंघाई का वीडियो शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि कुछ घंटों की बारिश के बाद शंघाई भी मुंबई की तरह डूब रहा है। समझना चाहिए कि क्लाइमेट चेंज के असर का सामना करने वाला भारत अकेला देश नहीं है। भारी बारिश से हर तरफ बाढ़ आ रही है और इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव बढ़ रहा है।

चीन के कई सूबों में अलर्ट जारी

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताचा है कि देश के कई हिस्से भारी बारिश और उफनती नदियों के असर से जूझ रहे हैं। 26 जुलाई को अचानक आई बाढ़ के बाद गांसु के वेइयुआन काउंटी में मरने वालों की संख्या 10 से बढ़कर 25 हो गई है। इस बाढ़ में 23 लोग घायल भी हुए थे। आपदा रोकथाम और राहत के लिए राष्ट्रीय आयोग ने प्रांतीय सरकार से आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों में सुधार करने को कहा है। इस बीच, कई इलाकों में भारी बारिश जारी रहने के कारण, जल संसाधन मंत्रालय ने शनिवार को उत्तर-पूर्वी प्रांत हेइलोंगजियांग के लिए लेवल 4 आपातकालीन बाढ़ नियंत्रण प्रतिक्रिया शुरू की है। देश के कई हिस्सों में भी लेवल 4 बाढ़ अलर्ट जारी हैं।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोला तो बहुत ही बड़ा हमला करेंगे

डोनाल्ड ट्रंप की खुली धमकी

डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को दी धमकी

वाशिंगटन, 5 अगस्त (एजेंसियां)। होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी नाकेबंदी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अगर होर्मुज स्ट्रेट बहुत जल्द नहीं खोला गया तो ईरान के ऊपर बहुत बड़ी कार्रवाई होगी। ट्रंप ने कहा, 'हम ईरान से बहुत अच्छी बातचीत कर रहे हैं।' इस बीच ईरान ने ट्रंप के बातचीत के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। ओवल ऑफिस में ट्रंप ने कहा था कि वे ईरान को आखिरी मौका दे रहे हैं। होर्मुज को खोलने की बात हो रही है।

ट्रंप ने कहा, 'वे जल्दी फैसला लेंगे, चाहे जिस तरह से हो। यह कोई बहुत जटिल बात नहीं है। हम होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की बात कर रहे हैं।' लेकिन ईरान ने साफ कहा है कि अमेरिका से कोई बातचीत नहीं चल रही। तेहरान में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा, फिलहाल हम अमेरिका के साथ कोई वार्ता नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची इराक की यात्रा पर हैं। बाकी सभी वार्ताकार ईरान में ही हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पलटवार किया। उन्होंने लिखा, 'ईरानी नेतृत्व बेहद दोहरा है। पहले वे बैठक के लिए गिड़गिड़ाते हैं और फिर खुलेआम कहते हैं कि कोई चर्चा नहीं हो रही।' इस्माइल बकाई ने कहा कि ईरान होर्मुज के सामने स्थित ओमान के साथ बातचीत कर रहा है। यह अस्थायी इंतजाम है जिसका मकसद इस रणनीतिक जलमार्ग में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

इस्माइल बकाई ने कहा कि मस्कट-तेहरान वार्ता में कोई तीसरा देश शामिल नहीं है। ट्रंप ने कहा कि ईरान हमले की खबरों से घबरा गया है। उन्होंने कहा यह हमला द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा और सबसे कड़ा होगा। हम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर बात करना चाहते हैं। बता दें कि ईरान और ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। दो अधिकारियों ने यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि यदि यह समझौता होता है, तो इससे मौजूदा युद्ध को समाप्त करने की दिशा में भी प्रगति हो सकती है।

एपी से बातचीत में क्षेत्र के दो अधिकारियों ने बताया कि समझौते संबंधी प्रस्ताव के अनुसार, जहाज फारस की खाड़ी में प्रवेश ईरान के नियंत्रण वाले समुद्री मार्ग से करेंगे, जबकि बाहर निकलने के लिए ओमान के नियंत्रण वाले मार्ग का उपयोग करेंगे।

हालांकि, किसी भी समझौते का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि अमेरिका, ईरान के बंदरगाहों से अपनी नाकेबंदी हटाता है या नहीं।

कीव पर रूस का बड़ा मिसाइल हमला, 17 लोगों की मौत

यूक्रेन ने भी ड्रोन से किया पलटवार

कीव, 5 अगस्त (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध एक बार फिर बड़े हमले का गवाह बना है। बुधवार तड़के रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव और उसके आसपास के इलाकों पर मिसाइलों और ड्रोन से भीषण हमला किया। इस हमले में 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 44 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यदि समय पर आधुनिक एयर डिफेंस मिसाइलें मिल जातीं तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी। वहीं यूक्रेन ने भी रूस के भीतर ड्रोन हमले कर जवाब दिया है।

रूस की ओर से किए गए इस हमले में बैलिस्टिक मिसाइलों, अन्य मिसाइलों और बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक हमला मुख्य रूप से कीव क्षेत्र पर केंद्रित था। दूसरी ओर रूस का दावा है कि उसने केवल उन ठिकानों को निशाना बनाया जो सैन्य गतिविधियों से जुड़े थे। दोनों देशों के दावे एक-दूसरे से अलग हैं और स्वतंत्र रूप से उनकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने गोदामों, रेलवे स्टेशन, बुनियादी ढांचे और नागरिक लॉजिस्टिक्स केंद्रों को निशाना बनाया, जिनका युद्ध से कोई संबंध नहीं था। उनके अनुसार एक ब्रूइंग कंपनी, निर्माण सामग्री के गोदाम और अन्य नागरिक सुविधाएं भी हमले में क्षतिग्रस्त हुईं। यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी डाक सेवा नोवा पोश्टा ने भी बताया कि उसके एक सॉर्टिंग सेंटर को क्लस्टर हथियार से नष्ट कर दिया गया। जेलेंस्की ने अपने सहयोगी देशों से बैलिस्टिक मिसाइल रोधी सिस्टम और इंटरसेप्टर मिसाइलों की आपूर्ति तेज करने की अपील की।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके हमलों का निशाना केवल युद्ध से जुड़े परिवहन, लॉजिस्टिक्स और वितरण केंद्र थे। मंत्रालय का दावा है कि कीव क्षेत्र के कई केंद्रों में ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और अन्य सैन्य सामग्री रखी गई थी। रूस ने यह भी कहा कि ओडेसा के दक्षिण में काला सागर में तीन मालवाहक जहाजों को निशाना बनाया गया, जिनके जरिए यूक्रेनी सेना के लिए हथियार और सैन्य उपकरण पहुंचाए जा रहे थे। यूक्रेन ने इस दावे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

यूक्रेन ने रूस के भीतर लंबी दूरी के ड्रोन हमले जारी रखे हैं। यूक्रेनी ड्रोन ने मॉस्को के दक्षिण में तुला क्षेत्र में रूस की बड़ी ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के एक गोदाम को निशाना बनाया। यूक्रेन का कहना है कि इस कंपनी की सुविधाओं का इस्तेमाल सैन्य जरूरतों के लिए भी किया जा सकता है। वहीं रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रातभर में 16 क्षेत्रों, क्रीमिया और आजोव व काला सागर के ऊपर कुल 475 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

अमेरिका के 25 राज्य ट्रम्प के टैरिफ के खिलाफ कोर्ट पहुंचे

दावा- फोर्स्ड लेबर के नाम पर लगाया शुल्क अवैध

वाशिंगटन, 5 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के 25 डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नए टैरिफ फैसले को अदालत में चुनौती दी है। राज्यों ने अमेरिकी कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में याचिका दाखिल कर इन टैरिफ को अवैध घोषित करने की मांग की है। फैसले के तहत ट्रम्प ने 60 अर्थव्यवस्थाओं पर नए टैरिफ लगाए गए हैं। ये 60 देश अमेरिकी आयात का 99.4 फीसदी हिस्सा हैं। याचिका में कहा गया है कि इस कदम से देश में महंगाई बढ़ जाएगी।

पिछले महीने अमेरिका ने जबरन मजदूरी (फोर्स्ड लेबर) के मुद्दे पर 60 देशों पर 10 फीसदी से 12.5 फीसदी के बीच नए टैरिफ लगाए थे। भारत समेत 17 देशों पर 10 फीसदी की दर से टैरिफ लगाया गया है। डेमोक्रेटिक राज्यों का तर्क है कि प्रशासन ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 301 का गलत इस्तेमाल कर रहा है। अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स का कहना है कि अमेरिकी संविधान के अनुसार राष्ट्रपति के पास किसी भी देश पर मनमाने ढंग से टैरिफ लगाने की शक्ति नहीं है।

भाई-बहन को मारकर शवों को नोचता रहा भालू

खेत में काम करते समय किया हमला, 3 की मौत, 3 जख्मी

कांकेर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में भालू ने हमला कर भाई और बहन को मार डाला। मारने के बाद उनके शवों को नोचता रहा, जिसका लाइव वीडियो भी सामने आया है। घटना बुधवार दोपहर की है। हमले में 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना नरहरपुर वन परिक्षेत्र के लारगांव मरकाटोला गांव का है।

वहीं दूसरी घटना में भालू के हमले से महिला ने दम तोड़ दिया। यह घटना भी नरहरपुर वन परिक्षेत्र के गवरसिल्ली गांव की है। मरने वालों की पहचान हलाल जुर्री (45), खोरीन बाई (40) और चमरीन जुर्री के रूप में हुई है। सभी खेत में काम कर रहे थे, इसी दौरान भालू ने हमला कर दिया। नरहरपुर वन परिक्षेत्र में भालू गांव के आसपास ही मौजूद है। जिससे ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर भालू की निगरानी कर रही है। इसके साथ ही ग्रामीणों को भालू से दूर रहने की अपील की गई है।

जानकारी के अनुसार, भालू मानसिक रूप से बीमार है। बताया जा रहा है कि इससे पहले मादा भालू ने अपने बच्चे को नोच-नोचकर मार डाला था। इस घटना की जानकारी ग्रामीणों ने वन विभाग को दी थी, जिसके बाद गांव में मुनादी कराई गई थी, लेकिन गांव के छोटेपारा में मुनादी नहीं कराई जा सकी। इसकी वजह से आज भालू ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया। इस घटना से ग्रामीण आक्रोशित हैं।

साउथ कोरिया में इस सप्ताह सबसे ज्यादा गर्मी का रिकॉर्ड 3 बार टूटा

अब तक 16 लोगों की मौत

सियोल, 5 अगस्त (एजेंसियां)। साउथ कोरिया में भीषण गर्मी से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। देश के गृह मंत्रालय ने बताया कि 15 मई से 2 अगस्त के बीच 2,025 लोग गर्मी से जुड़ी बीमारियों का शिकार हुए, जिनमें 16 लोगों की जान गई।

रविवार को यांगसान शहर में 42.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो देश का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। साउथ कोरिया में सबसे ज्यादा तापमान 1 अगस्त 2018 को 40.7°C को दर्ज किया गया था। इस साल यह रिकॉर्ड 3 बार टूटा है। 31 जुलाई को 41.4°C, 2 अगस्त को 41.6°C और 3 अगस्त को 42.5°C दर्ज किया गया।

ओमान तट पर फंसे रूसी तेल टैंकर से बढ़ा रिसाव

बेरूत, 5 अगस्त (एजेंसियां)। ओमान के तट पर कई सप्ताह से फंसे ब्रिटेन के प्रतिबंधों का सामना कर रहे एक तेल टैंकर से हो रहा तेल रिसाव तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है। विशेषज्ञों और एसोसिएटेड प्रेस (एपी) की ओर से देखी गई सैटेलाइट तस्वीरों के अनुसार, तेल अब तटों तक पहुंच गया है और समुद्र में भी काफी दूर तक फैल चुका है।

ग्रीनपीस जर्मनी ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि एक दिन पहले ली गई सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि तेल फैलाव अब करीब 150 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैल चुका है। इसका असर ओमान के सबसे बड़े प्रांत धोफार के पास स्थित किब्लियाह द्वीप के बड़े हिस्से पर पड़ा है।

ग्रीनपीस जर्मनी की नीना नोएल ने कहा, पिछले सप्ताह की तुलना में यह बेहद बड़ी बढ़ोतरी है। उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि बड़ी मात्रा में कच्चा तेल रिस रहा है। पिछले सप्ताह तेल फैलाव का क्षेत्रफल करीब 20 वर्ग किलोमीटर आंका गया था। हालांकि, रिसाव अचानक इतना बढ़ने की वजह स्पष्ट नहीं है।

रविवार की सैटेलाइट तस्वीरों में 274 मीटर लंबे सूएजमैक्स श्रेणी के टैंकर 'कैरोलिन बेजेंगी' से उत्तर-पूर्व दिशा में तेल की परत फैलती दिखाई दी। इस टैंकर पर रूस के तेल को ढोने के कारण ब्रिटेन ने प्रतिबंध लगाए हैं। प्रभावित क्षेत्र अरब सागर रिजर्व का हिस्सा है। यह समुद्री संरक्षित क्षेत्र है, जहां संकटग्रस्त पेट्रेल पक्षी और दुर्लभ अरब सागर हंपबैक व्हेल समेत कई वन्यजीव पाए जाते हैं। संघर्ष और पर्यावरण पर काम करने वाले नीदरलैंड के संगठन पैक्स के पर्यावरण विशेषज्ञ विम ज्वाइनेनबर्ग ने कहा कि समुद्र की सतह पर दिख रही तेल की परत काफी पतली है, जो कच्चे तेल के प्रकार और मौसम के अनुसार वाष्पित भी हो सकती है। हालांकि, उन्होंने बताया कि द्वीप के दक्षिणी और पश्चिमी तटों तक गाढ़े काले रंग का तेल भी पहुंच चुका है। ज्वाइनेनबर्ग के अनुसार, तेल की परत अब करीब 90 किलोमीटर तक फैल गई है, जो एक सप्ताह पहले की तुलना में लगभग दोगुनी है। उन्होंने अनुमान लगाया कि टैंकर में 8 लाख बैरल से अधिक कच्चा तेल मौजूद था। दो समुद्री और शिपिंग समाचार माध्यमों के अनुसार, यह टैंकर जून से ओमान के तट पर फंसा हुआ है। उनकी रिपोर्ट में कहा गया कि उस समय चालक दल ने जहाज पर विस्फोट होने की जानकारी दी थी।

देशभर में कितने हैं कैलाश पर्वत ?

आदि कैलाश (उत्तराखंड)

किन्नर कैलाश (हिमाचल प्रदेश)

ओम पर्वत (उत्तराखंड)

श्रीखंड महादेव (हिमाचल प्रदेश)

हिंदू धर्म में कैलाश पर्वत को भगवान शिव का निवास माना जाता है। आमतौर पर जब कैलाश पर्वत की बात होती है, तो लोगों के मन में तिब्बत स्थित पवित्र माउंट कैलाश का नाम आता है।

लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि भारत में भी कई ऐसे पर्वत हैं, जिन्हें स्थानीय मान्यताओं और धार्मिक परंपराओं के कारण 'कैलाश' कहा जाता है। ये सभी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक महत्व और ट्रेकिंग अनुभव के लिए प्रसिद्ध हैं। आइए जानते हैं देश के प्रमुख कैलाश पर्वतों और वहां घूमने की जानकारी।

आदि कैलाश (उत्तराखंड)

आदि कैलाश, जिसे छोटा कैलाश भी कहा जाता है, उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में भारत-तिब्बत सीमा के पास स्थित है। इसे भगवान शिव का प्रतीक स्वरूप माना जाता है और यहां हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ट्रेकर्स पहुंचते हैं। यहां के पास स्थित पार्वती सरोवर भी प्रमुख आकर्षण है। यात्रा आमतौर पर धारचूला से शुरू होती है और सड़क व ट्रेक दोनों का अनुभव मिलता है।

ओम पर्वत (उत्तराखंड)

हालांकि ओम पर्वत का नाम कैलाश नहीं है, लेकिन इसे अक्सर आदि कैलाश यात्रा का हिस्सा माना जाता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि पर्वत पर प्राकृतिक रूप से बर्फ की परत 'ॐ' का आकार बनाती हुई दिखाई देती है। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए बेहद आस्था का केंद्र है।

किन्नर कैलाश (हिमाचल प्रदेश)

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में स्थित किन्नर कैलाश भगवान शिव से जुड़ा एक प्रमुख तीर्थ माना जाता है। यहां लगभग 79 फीट ऊंची प्राकृतिक चट्टान (शिवलिंग) है, जो श्रद्धालुओं के बीच विशेष महत्व रखती है। यह ट्रेक कठिन माना जाता है और इसे पूरा करने में अच्छी शारीरिक क्षमता की जरूरत होती है।

श्रीखंड महादेव (हिमाचल प्रदेश)

श्रीखंड महादेव को कई श्रद्धालु कैलाश स्वरूप मानते हैं। यहां लगभग 72 फीट ऊंचा प्राकृतिक शिवलिंग है। यह हिमालय के सबसे कठिन धार्मिक ट्रेक में से एक माना जाता है और हर साल सावन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

क्या भारत में यही कैलाश हैं ?

भारत में आदि कैलाश और किन्नर कैलाश सबसे प्रसिद्ध 'कैलाश' माने जाते हैं। वहीं श्रीखंड महादेव और ओम पर्वत भी शिवभक्तों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल हैं। हालांकि, मूल माउंट कैलाश तिब्बत (चीन के स्वायत्त क्षेत्र) में स्थित है और वही हिंदू, बौद्ध, जैन तथा बोन धर्म के लिए सबसे पवित्र कैलाश माना जाता है।

घूमने का सबसे अच्छा समय

आदि कैलाश, ओम पर्वत, किन्नर कैलाश और श्रीखंड महादेव की यात्रा के लिए मई से सितंबर का समय सबसे उपयुक्त माना जाता है। मानसून के दौरान कई क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा रहता है, इसलिए यात्रा से पहले मौसम और स्थानीय प्रशासन की सलाह जरूर जांच लें। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जाने से पहले स्वास्थ्य जांच, गर्म कपड़े, अच्छे ट्रेकिंग जूते और जरूरी दवाइयां साथ रखना भी जरूरी है।

कपालेश्वर महादेव मंदिर नासिक यहां नंदी क्यों नहीं है शिव के साथ ?

दुनिया भर में नासिक को कुंभ के मेले की पहचाना जाता है। लेकिन यहां पर एक शिव मंदिर ऐसा है। जिसमें शिव के प्रिय वाहन नंदी उनके साथ नहीं हैं। इस मंदिर को लोग कपालेश्वर महादेव मंदिर के रूप में जानते हैं।

इसके पीछे यह कारण बताया गया है कि बात उस समय की है जब ब्रह्म देव के पांच मुख थे। चार मुख तो भगवान की अर्चना करते थे। लेकिन एक मुख सदैव बुराई करते थे। तब भगवान शिव ने उनके उस मुख को ब्रह्मदेव के शरीर से अलग कर दिया। जिसकी वजह से भगवान शिव को ब्रह्म हत्या का पाप लगा।

इस पाप से छुटकारा पाने के लिए भगवान शिव पूरे ब्रह्मांड में घूमे लेकिन उन्हें ब्रह्म हत्या से मुक्ति का उपाय नहीं मिला। जब वह घूमते हुए सोमेश्वर गए तो एक बछड़े द्वारा ना केवल भगवान शिव को मुक्ति का उपाय बताया गया। बल्कि उनको साथ लेकर गए। बछड़े के रूप और कोई नहीं नंदी थे। उन्होंने भगवान शिव को गोदावरी के रामकुंड में स्नान करने को कहा।

वहां स्नान करते ही भगवान शिव ब्रह्महत्या के पाप से मुक्त हो सके। नंदी की वजह से भगवान शिव ब्रह्म हत्या के दोष से मुक्त हुए। इस वजह से भगवान शिव ने उन्हें अपना गुरु माना। चूंकि अब नंदी महादेव के गुरु बन गए इसीलिए उन्होंने इस मंदिर में स्वयं के सामने बैठने से मना किया।

नासिक शहर के प्रसिद्ध पंचवटी इलाके में गोदावरी तट के पास कपालेश्वर महादेव मंदिर स्थित है। भगवान शिवजी ने यहां निवास किया था ऐसा पुराणों में कहा गया है। यह देश में पहला मंदिर है जहां भगवान शिवजी के सामने नंदी नहीं है। यही इसकी विशेषता है। अन्य कथा के अनुसार : एक दिन वह सोमेश्वर में बैठे थे, तब उनके सामने ही एक गाय और उसका बछड़ा एक ब्राह्मण के घर के सामने खड़ा था। वह ब्राह्मण बछड़े के नाक में रस्सी डालने वाला था। बछड़ा उसके विरोध में था। ब्राह्मण की कृती के विरोध में बछड़ा उसे मारना चाहता था। उस वक्त गाय ने उसे कहा कि बेटे, ऐसा मत करो, तुम्हे ब्रह्म हत्या का पाप लग जाएगा।

बछड़े ने उत्तर दिया कि ब्रह्म हत्या के पाप से मुक्ति का उपाय मुझे मालूम है। यह संवाद सुन रहे शिव जी के मन में उत्सुकता जागृत हुई। बछडे ने नाक में रस्सी डालने के लिए आए ब्राह्मण को अपने सिंग से मारा।

ब्राह्मण मर गया। ब्रह्म हत्या से बछड़े का अंग काला पड़ गया। उसके बाद बछड़ा निकल पड़ा। शिव जी भी उसके पीछे पीछे चलते गए। बछड़ा गोदावरी नदी के रामकुंड में आया। उस ने वहां स्नान किया। उस स्नान से ब्रह्म हत्या के पाप का अंत हो गया। बछड़े को अपना सफेद रंग पुनः मिल गया।

उसके बाद शिवजी ने भी रामकुंड में स्नान किया। उन्हे भी ब्रह्म हत्या के पाप से मुक्ति मिली। इसी गोदावरी नदी के पास एक टेकरी थी। शिवजी वहां चले गए। उन्हे वहां जाते देख गाय का बछड़ा (नंदी) भी वहां आया। नंदी के कारण ही शिवजी की ब्रह्म हत्या से मुक्ति हुई थी। इसलिए उन्होंने नंदी को गुरु माना और अपने सामने बैठने को मना किया। इसी कारण इस मंदिर में नंदी नहीं है। ऐसा कहा जाता है की यह नंदी गोदावरी के रामकुंड में ही स्थित है। इस मंदिर का बड़ा महत्व है।

ताड़केश्वर महादेव मंदिर जयपुर

यह मंदिर जयपुर की स्थापना से भी पहले का है, जो की जयपुर के चौड़ा रास्ता में स्थित है। यह मंदिर तांत्रिक विधि से वास्तुकला पर आधारित है। इस मंदिर में जो शिवलिंग है वो स्वयंभू है यानी की यह शिव लिंग स्वयं प्रकट हुआ है।

ताड़केश्वर नाथ मंदिर जयपुर में बहुत लोकप्रिय है, यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 1784 में स्थापित किया गया था। गर्भ गृह के अंदर काले पत्थर से निर्मित शिवलिंग है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है की यहाँ एक गाय नियमित रूप से एक स्थान पर आकर खड़ी हो जाती थी, वहां उसके थानों से दूध निकलता था, उस स्थान पर खुदाई की गयी तोह शिवलिंग निकला। यह वही स्थान है जहा गाय दूध से अभिषेक किया करती थी।

इस मंदिर के बारे में एक और मान्य यह है की जहाँ यह मंदिर अभी स्थापित है उस स्थान पर ताड़ वृक्षों के साथ एक घाना जंगल था उस वक्त आमेर मंदिर के पुजारी आमेर से सांगानेर जाते वक्त इस स्थान पर विश्राम किया करते थे। एक बार उन्होंने देखा की एक बकरी अपने दो बचो को बचने के लिए हिंसक शेर से मुकाबला कर रही थी। कुछ समय बाद उन्होंने देखा की शेर बकरी से हार गया और भाग गया।

इस घटना के बाद उन्हें जमीं के निचे भगवान की गूंज सुनाई दी जिसकी जानकारी उन्होंने जयपुर के दीवान विद्याधर डको बताया। उसके बाद इस मंदिर का निर्माण 1784 में विद्याधर जी द्वारा करवाया गया। ताड़ वृक्षों के बीच होने के कारण इस मंदिर को पहले तो ताड़कनाथ महादेव मंदिर और फिर बाद में ताड़केश्वर महादेव मंदिर कहा जाने लगा।

इस मंदिर के प्रति लोगों की बहुत आस्था है। यदि आप यहाँ सोमवार को जाए तोह आपको यहाँ पैर रखने की जगह तक नहीं मिलेगी। इस मंदिर के प्रति लोगों की बहुत आस्था है। जब आप इस मंदिर में प्रवेश करेंगे तोह सामने ही आपको एक गाय के दर्शन होंगे। ऐसा कहा जाता है की यदि आपने इस शिवलिंग के ऊपर यदि एक बार जल चढ़ा दिया तोह आपके सारे पाप धूल जायेंगे।

देश का एकमात्र मेंढक मंदिर, जहां मौसम के अनुसार रंग बदलता है शिवलिंग

सनातन धर्म और पौराणिक कथाओं में जानवरों व पक्षियों को पवित्र स्थान दिया गया है। जहां गाय, सर्प, हाथी और शेर की पूजा की जाती है। इसके अलावा क्या आपने कभी किसी ऐसे मंदिर के बारे में सुना है जो मुख्य रूप से मेंढक को समर्पित है, जो बारिश और समृद्धि का प्रतीक है? उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के 'ओयल' नामक एक छोटे से कस्बे में ऐसा ही एक दुर्लभ शिव मंदिर है। इसे पूरे देश में एकमात्र मेंढक मंदिर (मांडूक मंदिर) के रूप में जाना जाता है।

इस मंदिर का मुख्य आकर्षण इसकी अनूठी संरचना है। बाहर से देखने पर पूरा मंदिर एक विशाल मेंढक के आकार का दिखता है। वास्तुकला की दृष्टि से, यह एक विशाल मेंढक की पीठ पर बना है, जो एक विशाल मगरमच्छ की पीठ पर बैठा है। इसका निर्माण मेघालय के प्रसिद्ध तांत्रिक कपिल के मार्गदर्शन में राजस्थानी शैली में, तांत्रिक 'मांडुक यंत्र' के आधार पर किया गया था। यदि श्रद्धालु पूर्वी द्वार से प्रवेश करते हैं, तो वे सीधे मेंढक के मुख से गर्भगृह तक पहुंच सकते हैं। मंदिर की बाहरी दीवारों पर तांत्रिक शैली की नक्काशी इसके ऐतिहासिक रहस्य को उजागर करती है।

शिवलिंग ऋतुओं के साथ बदलता है रंग

इस मंदिर में नर्मदेश्वर महादेव का शिवलिंग एक बेहद खूबसूरत संगमरमर की ऊंची चट्टान पर स्थित है। यहां का सबसे बड़ा चमत्कार यह है कि नर्मदा नदी से लाया गया यह दुर्लभ शिवलिंग दिन के अलग-अलग समय पर अपना रंग बदलता है। इतना ही नहीं, आमतौर पर दुनिया भर के सभी शिव मंदिरों में नंदी बैठे हुए मुद्रा में होते हैं, लेकिन यहां नंदी की प्रतिमा खड़ी मुद्रा में है। ऐसा दुर्लभ दृश्य भारत में कहीं और देखने को नहीं मिलता।

मेंढक ने बदली राजा की किस्मत

इस मंदिर का लगभग 200 साल का लंबा इतिहास है। 11वीं शताब्दी से 19वीं शताब्दी तक इस क्षेत्र पर चौहान वंश का शासन रहा। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, एक बार इस क्षेत्र में भीषण सूखा पड़ा था और एक दिव्य मेंढक ने राज्य के राजा बख्त सिंह को आशीर्वाद दिया था। इसके बाद राजा का भाग्य बदल गया और पूरा राज्य समृद्ध हो गया। तांत्रिक शास्त्रों में मेंढक को सौभाग्य, उर्वरता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है इसलिए, राजा ने उस दिव्य मेंढक के सम्मान में इस मंदिर का निर्माण करवाया।

सावन में बदल जाता है लड्डू गोपाल की पूजा का तरीका, भूलकर भी न करें ये गलतियां!

सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति के लिए सबसे पवित्र माना जाता है, लेकिन यह समय भगवान श्रीकृष्ण और बाल स्वरूप लड्डू गोपाल की सेवा के लिए भी बेहद शुभ माना गया है। पंचांग के अनुसार, साल 2026 में सावन की शुरुआत 30 जुलाई से हो चुकी है और इसका समापन 28 अगस्त को सावन पूर्णिमा के साथ होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस पावन महीने में घर में विराजमान लड्डू गोपाल की पूजा और सेवा में कुछ विशेष नियमों का पालन करना चाहिए। माना जाता है कि सावन में की गई श्रद्धापूर्ण सेवा से भगवान श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त होती है और परिवार में सुख, शांति तथा समृद्धि का वास होता है। आइए जानते हैं सावन में लड्डू गोपाल की पूजा करते समय किन नियमों का पालन करना चाहिए और कौन सी गलतियां करने से बचना चाहिए।

सावन में क्यों बदल जाती है लड्डू गोपाल की सेवा ?

सावन का महीना वर्षा ऋतु का समय होता है। इस मौसम में नमी और ठंडक बढ़ जाती है। साथ ही, सावन में भगवान कृष्ण के झूलन उत्सव की शुरुआत होती है। मान्यता है कि सावन में लड्डू गोपाल को झूले पर बिठाकर सेवा करने से घर में सुख-समृद्धि और अपार खुशियां आती हैं। लेकिन, मौसम के मिजाज को देखते हुए लड्डू गोपाल के स्नान, पोशाक

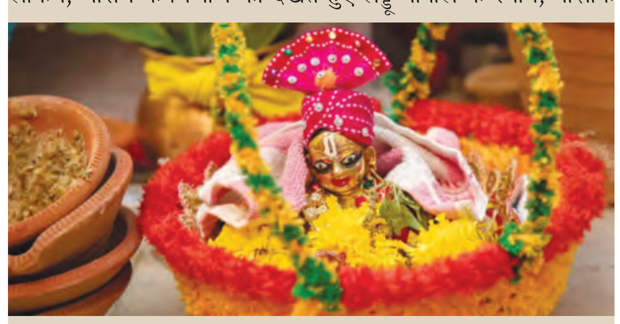

और भोग में विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है।

सावन में क्या भोग लगाना चाहिए ?

सावन के दौरान भगवान को केवल सात्विक भोजन ही अर्पित करना शुभ माना जाता है। माखन-मिश्री, दही, दूध, पंजीरी, खीर, ताजे फल और सूखे मेवे का भोग लगाया जा सकता है। यदि घर में व्रत रखा गया हो तो उसी के अनुरूप फलाहारी प्रसाद भी अर्पित किया जा सकता है।

सावन में लड्डू गोपाल की सेवा में भूलकर भी न करें ये गलतियां!

ठंडे पानी से स्नान कराना

सावन के महीने में मौसम थोड़ा ठंडा हो जाता है। ऐसे में बालगोपाल को बहुत अधिक ठंडे या बर्फ जैसे पानी से स्नान कराने की भूल न करें। स्नान के लिए हमेशा ताजे या हल्के गुनगुने जल का प्रयोग करें। जल में थोड़ा सा गंगाजल और तुलसी पत्र मिलाना बहुत शुभ माना जाता है।

भारी या चुभने वाले वस्त्र पहनाना

वर्षा ऋतु के मौसम सावन में लड्डू गोपाल को बहुत भारी, या चुभने वाले फैब्रिक की पोशाक न पहनाएं। इस मौसम में उन्हें हल्के, सूती आरामदायक वस्त्र ही पहनाएं।

बासी या भारी भोजन का भोग नहीं लगाना

सावन के मौसम में खान-पान जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए लड्डू गोपाल को हमेशा ताजा और सात्विक भोजन का ही भोग लगाएं। हमेशा सात्विक, ताजा माखन-मिश्री, फल और ताजे दूध का ही भोग अर्पित करें।

कामिका एकादशी का नाम 'कामिका' क्यों पड़ा, इस व्रत को करने से क्या फल मिलता है ?

सावन के कृष्ण पक्ष की एकादशी का नाम कामिका एकादशी है। वर्ष 2026 में उदया तिथि के अनुसार यह व्रत 9 अगस्त, रविवार को रखा जाएगा। पंचांग के अनुसार एकादशी तिथि 8 अगस्त को दोपहर 01:59 बजे शुरू होगी और 9 अगस्त को सुबह 11:04 बजे समाप्त होगी। व्रत का पारण 10 अगस्त को प्रातः 05:47 बजे से 08:00 बजे के बीच किया जाएगा। संस्कृत भाषा में कामिका शब्द का अर्थ मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली होता है। यह तिथि भक्त की हर धर्मसंगत इच्छा को सिद्ध करने में समर्थ है, इसलिए इसे कामिका एकादशी कहा गया है। इस पावन अवसर पर भक्तिपूर्वक पूजन करने से जीवन में सुख और शांति का आगमन होता है।

कामिका एकादशी व्रत का महान फल

कामिका एकादशी व्रत का फल अत्यंत दुर्लभ और महिमाशाली बताया गया है। ब्रह्मवैवर्त पुराण और पद्म पुराण में इसके लाभों का विस्तृत वर्णन मिलता है। इस व्रत को करने से ब्रह्महत्या जैसे महापापों के दुष्परिणाम और जन्म-जन्मांतर के कुकर्मों के प्रभाव पूरी तरह नष्ट हो जाते हैं।

महाभारत कथा के अनुसार, कामिका एकादशी का विधि-विधान से व्रत और रात्रि जागरण करने से सौ अश्वमेध यज्ञ करने के बराबर पुण्य फल प्राप्त होता है। यह पावन व्रत इंसान को हर प्रकार के कष्टों से मुक्ति दिलाकर जीवन में समृद्धि लाता है। निष्ठापूर्वक नियम का पालन करते हुए पूजा करने से मन शुद्ध होता है। इस दिन का उपवास भक्ति मार्ग पर आगे बढ़ने का एक उत्तम जरिया माना जाता है।

तुलसी पत्र का महत्व और पितरों का उद्धार

इस पावन दिन पर भगवान विष्णु को तुलसी पत्र अर्पित करने का विशेष महत्व बताया गया है। माना जाता है कि सोने या चांदी के दान से जो पुण्य नहीं मिलता, वह कामिका एकादशी पर हरि चरणों में तुलसी दल चढ़ाने से प्राप्त हो जाता है। इसके अलावा इस व्रत के प्रभाव से केवल व्रत करने वाले व्यक्ति का ही नहीं, बल्कि उसके पितरों का भी उद्धार होता है। वे नरक के कष्टों से मुक्त होकर सीधे स्वर्ग लोक को चले जाते हैं। इस तरह यह पावन तिथि कुल का कल्याण करने वाली मानी गई है। हरि चरणों में सच्ची भक्ति अर्पित करने से जीवन की सभी उलझनें समाप्त हो जाती हैं और परिवार में शांति बनी रहती है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 6 अगस्त - 2026

संसद में सार्थक संवाद जरूरी

लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों से नहीं, बल्कि संसद में होने वाली गंभीर, तथ्यपरक और सार्थक बहसों से तय होती है। संसद वह सर्वोच्च मंच है, जहां सरकार से जवाब मांगा जाता है और देश के भविष्य को दिशा देने वाले कानून बनाए जाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में सदन की कार्यवाही का बड़ा हिस्सा हंगामे, नारेबाजी की भेंट चढ़ता जा रहा है। संसद के हालिया सत्र में भी कई महत्वपूर्ण विधेयक पर्याप्त चर्चा के बिना प्रस्तुत और पारित हो गए। पेपर लीक विरोधी कानून में संशोधन वाले विधेयक पर तो चर्चा हुई, लेकिन अनेक अन्य महत्वपूर्ण विधेयकों पर विपक्ष ने बहस का अवसर ही नहीं आने दिया। परिणामस्वरूप जनता यह जानने से वंचित रह गई कि इन विधेयकों के उद्देश्य क्या हैं, उनके लाभ-हानि क्या हैं और उनका आम नागरिक के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा। संसद में जब बहस की जगह हंगामा ले लेता है तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। विडंबना यह है कि विपक्ष का यह रवैया कहीं न कहीं सरकार का काम आसान भी कर देता है। जब संसद में बहस नहीं होती, तब सरकार को कठिन सवालों का सामना नहीं करना पड़ता और वह अपेक्षाकृत आसानी से अपना विधायी एजेंडा आगे बढ़ा लेती है। जबकि विपक्ष की वास्तविक भूमिका सरकार को कठघरे में खड़ा करना, नीतियों की कमियों को उजागर करना और जनहित से जुड़े प्रश्नों पर ठोस तर्क प्रस्तुत करना है। यदि सरकार किसी मुद्दे पर चर्चा से बचने का प्रयास करे, तो विपक्ष का दायित्व है कि वह संसदीय नियमों और लोकतांत्रिक तरीकों से उसे बहस के लिए विवश करे, न कि केवल हंगामे के सहारे अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ले। हाल के दिनों में राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग भी विपक्ष की रणनीति का हिस्सा बनी। जबकि यह स्पष्ट है कि धार्मिक स्थलों पर दान या चढ़ावे की चोरी की घटनाएँ पहले भी होती रही हैं और उनका समाधान निष्पक्ष जांच, प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई में निहित है। हर ऐसी घटना को सीधे किसी केंद्रीय मंत्री की जिम्मेदारी बताकर इस्तीफे की मांग करना राजनीतिक दृष्टि से आकर्षक भले लगे, लेकिन व्यावहारिक समाधान नहीं है। यदि भविष्य में किसी मठ, मंदिर, मस्जिद या चर्च में भी ऐसी घटना हो, तो क्या हर बार संबंधित मंत्री से इस्तीफा मांगना उचित होगा? ऐसे प्रश्न राजनीतिक गंभीरता और जवाबदेही दोनों की कसौटी पर परखे जाने चाहिए। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारियां समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। सरकार को विपक्ष के सवालों का जवाब देने से नहीं बचना चाहिए, वहीं विपक्ष को भी हंगामे की राजनीति छोड़कर तथ्यों और तर्कों के आधार पर सरकार को घेरना चाहिए। संसद की गरिमा तभी बनी रहेगी, जब वहां शोर नहीं, बल्कि संवाद होगा; आरोप नहीं, बल्कि प्रमाण होंगे; और व्यवधान नहीं, बल्कि विचार-विमर्श होगा। जनता अपने प्रतिनिधियों से केवल राजनीतिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि प्रभावी कानून, जवाबदेह शासन और ठोस समाधान की अपेक्षा रखती है। इसलिए समय की मांग है कि संसद में हंगामे की संस्कृति समाप्त हो और सार्थक बहस की परंपरा को फिर से मजबूत बनाया जाए। यही स्वस्थ लोकतंत्र, मजबूत संसद और राष्ट्रहित का सबसे विश्वसनीय मार्ग है।

एक ऐसी दुनिया जहाँ सब उपलब्ध हैं, पर कोई उपस्थित नहीं

आरके जैन

सभ्यता का सबसे गहरा घाव किसी युद्ध, महामारी या आर्थिक संकट ने नहीं, उस चमकती स्क्रीन ने दिया है जिसे हमने सुविधा समझकर जीवन का केंद्र बना लिया। इतिहास में पहली बार संवाद के साधन सबसे अधिक हैं, पर संवाद सबसे कम है। आवाजें हैं, पर महत्व नहीं। हर चेहरा ऑनलाइन है, पर हर मन ऑफलाइन हो रहा है। रिश्ते, दफ्तर, लोकतंत्र और अंतर्मन तक 'म्यूट' होने लगे हैं। उँगलियाँ सक्रिय हैं, पर संवेदनाएँ निष्क्रिय। उत्तर तुरंत मिल रहे हैं, लेकिन किसी को समझने में पहले से अधिक समय लग रहा है। यह तकनीक की विजय नहीं, मानवीय उपस्थिति के मौन विस्थापन की कथा है। जिसने दुनिया को जोड़ने का दावा किया, उसी ने मनुष्य को उसके सबसे निकट बैठे व्यक्ति से सबसे अधिक दूर कर दिया। यही हमारे समय का सबसे मौन, व्यापक और सबसे कम समझा गया सामाजिक पतन है।

परिवारों का विघटन अब खामोशी में हो रहा है। घर दीवारों से नहीं, स्क्रीन से संचालित हैं। एक ही छत के नीचे लोग अलग-अलग डिजिटल दुनियाओं में जी रहे हैं। भारत में औसत व्यक्ति प्रतिदिन सात घंटे से अधिक स्क्रीन पर बिताता है। माता-पिता पाँच घंटे से अधिक और बच्चे चार घंटे से अधिक समय स्मार्टफोन पर बिताते हैं।

अध्ययनों में दो-तिहाई माता-पिता और आधे से अधिक बच्चों ने माना कि मोबाइल ने रिश्तों की ऊष्मा घटा दी है। भोजन की मेज, जो कभी संवाद का केंद्र थी, अब रील्स का मंच है। बच्चे बोलना चाहते हैं, पर माता-पिता स्क्रीन पर हैं; माता-पिता संवाद चाहते हैं, तब बच्चे स्क्रॉल करते हैं। सामने बैठे व्यक्ति की उपेक्षा कर मोबाइल में डूबे रहने की आदत—'फुबिंग'—सामान्य हो रही है। रिश्ते अचानक नहीं टूटते; वे पहले सुनना, फिर महसूस करना छोड़ते हैं। अंततः केवल औपचारिक संपर्क बचता है। घर अब भी हैं, पर आत्मीयता साइलेंट मोड में है। कार्यस्थलों की सबसे बड़ी दूरी अब किलोमीटरों में नहीं, मनुष्यों के बीच मापी जाती है। कार्यालयों की नई वास्तुकला ईंट-पत्थर नहीं, बैंडविड्थ से बनती है। वर्क फ्रॉम होम ने काम घर तक पहुँचाया, पर अदृश्य दूरियाँ खड़ी कर दीं। कमरे पास, मन दूर। शोध बताते हैं कि दूरस्थ कर्मचारी अधिक अकेलापन और मानसिक तनाव महसूस करते हैं। डिजिटल बैठकों में कैमरे बंद, माइक्रोफोन म्यूट; उपस्थिति दर्ज, सहभागिता नहीं। कर्मचारी का मूल्य विचारों से अधिक ऑनलाइन सक्रियता से आँका जाता है। प्रमोशन चेहरों से नहीं, स्क्रीन पर दर्ज गतिविधियों से जुड़ने लगा है। कभी दफ्तर बातचीत से चलते थे, आज वह काम के बीच बची है। तकनीक ने गति बढ़ाई, पर सहयोग का ताप घटा दिया। कार्यस्थल संवाद नहीं, डिजिटल प्रक्रियाओं के केंद्र हैं।

किसी लोकतंत्र का पतन तब नहीं शुरू होता, जब लोग बोलना छोड़ देते हैं; वह तब शुरू होता है, जब वे सुनना छोड़ देते हैं। जनचर्चा की चौपाल अब एल्गोरिदम के दरबार में बदल चुकी है। कभी राजनीति जनसभाओं, बहसों और प्रत्यक्ष संवाद से चलती थी; आज स्क्रीन पर सिमट गई है। सोशल मीडिया पर राजनीतिक सामग्री का उपभोग बढ़ रहा है, पर विचार की गहराई घट रही है।

युवा समाचार रील्स में देखते हैं, नारे शॉर्ट्स में सुनते हैं और आक्रोश इमोजी से जताते हैं। संवाद की जगह प्रतिक्रिया ने ले ली है—लाइक, शेयर, एंग्री फेस। सत्ता जनता की आँखों में कम, ट्रेंडिंग सूची में अधिक झाँकती है। जनता सड़क पर कम, फीड में अधिक दिखती है। कुछ सेकंड के विमर्श में जटिल प्रश्न मनोरंजन बन जाते हैं। लोकतंत्र की आवाज़ म्यूट होती है, तो केवल चुनाव नहीं, नागरिकता भी कमजोर पड़ती है। मनुष्य की सबसे लंबी दूरी अब स्वयं से है।

महाशक्तियों की कूटनीतिक मेज से पाकिस्तान हमेशा के लिए आउट

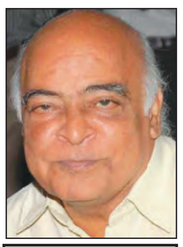

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बेहद संवेदनशील शांति वार्ता की मेज से पाकिस्तान को एक झटके में दूध में से मक्खी की तरह निकालकर बाहर फेंक दिया है। 'वार्ता ऑन, पाकिस्तान आउट' का यह सीधा, दोटूक और अपमानजनक संदेश न केवल प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की जोड़ी के मुंह पर एक करारा अंतरराष्ट्रीय तमाचा है, बल्कि यह पाकिस्तान की उस परजीवी विदेश नीति की भी खुली अंत्येष्टि है जो हमेशा दूसरों के विवादों में बिचौलिया और दलाल बनकर अपनी तिजोरी भरने की आदी रही है। कूटनीतिक हलकों में खुद को 'पीस मेकर' यानी शांतिदूत के रूप में स्थापित करने का जो खोखला और हास्यास्पद स्वांग इस्लामाबाद रच रहा था, डोनाल्ड ट्रंप के एक एकल बयान ने उस समूचे ढोंग की धज्जियां उड़ा दी हैं। शहबाज शरीफ और जनरल आसिम मुनीर की यह जोड़ी वैश्विक मंच पर खुद को एक महान रणनीतिक खिलाड़ी साबित करने के चक्कर में किस कदर औंधे मुंह गिरी है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पाकिस्तानी मीडिया और वहां के बिकाऊ रणनीतिकार तो इस कथित मध्यस्थता के लिए मुनीर और शहबाज को नोबेल शांति पुरस्कार तक दिलाने के ख्याली पुलाव पका रहे थे। लेकिन ट्रंप ने कूटनीति के क्रूर यथार्थ से पाकिस्तान का सामना करवाते हुए उसे उसकी असली औकात और हैसियत याद दिला दी है।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों का एक बेहद सीधा और अपरिवर्तनीय कूटनीतिक नियम है कि साख हमेशा अपनी आंतरिक ताकत, आर्थिक संप्रभुता और राष्ट्रीय चरित्र से कमाई जाती है; इसे दुनिया के सामने कटोरा लेकर भीख मांगकर या बयानों की बैसाखियों के सहारे कभी हासिल नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान की आज की सबसे बड़ी त्रासदी यही है कि वह एक ऐसी बदहाल, खोखली और दिवालिया अर्थव्यवस्था बन चुका है जो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के टुकड़ों, चीनी कर्जों और सऊदी अरब की खैरात के सहारे वेंटिलेटर पर अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। जब आपके देश के भीतर आटा, बिजली और पेट्रोल के लिए दंगे हो रहे हों, जब आपकी अवाम दाने-दाने को मोहताज हो, और जब आपकी पूरी हुकूमत केवल विदेशी कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए नए कर्जे तलाशने के उद्देश्य से दुनिया भर के चक्कर काट रही हो, तब आप वैश्विक मंच पर दो परमाणु शक्तियों और महाशक्तियों के बीच सुलह कराने का हास्यास्पद नाटक कैसे कर सकते हैं? शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर की जोड़ी दरअसल पाकिस्तान की आंतरिक बदहाली, बेकाबू महंगाई, राजनीतिक अस्थिरता और जनता के भयंकर आक्रोश से ध्यान भटकाने के लिए इस कथित वैश्विक मध्यस्थता का एक फर्जी गुब्बारा फुला रही थी। डोनाल्ड ट्रंप ने इस गुब्बारे में सुई चुभोकर इसके चिथड़े-चिथड़े कर दिए हैं, और पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान के कूटनीतिक दिवालियापन को पूरी तरह नंगा कर दिया है।

इस पूरे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि पाकिस्तान के उस चिरपरिचित 'डबल गेम' और धोखेबाजी के डीएनए को उजागर करती है, जिससे पूरी दुनिया अब पूरी तरह वाकिफ और आजिज आ चुकी है। पिछले कुछ महीनों से जब अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व में तनाव अपने चरम पर था, तब इस्लामाबाद से यह बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे कि पाकिस्तान दोनों पक्षों को एक मेज पर लाने की कूटनीतिक क्षमता रखता है। पाकिस्तानी जनरलों और हुक्मरानों को लग रहा था कि वे एक तरफ ईरान को अपनी सीमा और धार्मिक संबंधों की दुहाई देकर साथ लेंगे, और दूसरी तरफ अमेरिका के सामने संकटमोचक और 'फ्रंटलाइन स्टेट' बनने का ढोंग रचकर वाशिंगटन से एक बहुत बड़ा वित्तीय और सैन्य पैकेज ऐंठ लेंगे। पाकिस्तान का इतिहास हमेशा से आतंकवाद और कूटनीति दोनों मोर्चों पर दोहरी चालें चलने का रहा है। एक तरफ वह अमेरिका से डॉलर लेता था, तो दूसरी तरफ ओसामा बिन लादेन जैसे खूंखार आतंकियों को अपनी सैन्य छावनियों के बगल में पनाह देता था। कूटनीति की मेज पर भी वह यही घिनौना खेल खेल रहा था। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के शीर्ष रणनीतिकारों और सेवानिवृत्त जनरल जैक कीन जैसे दिग्गजों ने बहुत पहले ही वाशिंगटन को आगाह कर दिया था कि पाकिस्तान मध्यस्थता के नाम पर एक निष्पक्ष दूत की भूमिका निभाने के बजाय अंदरूनी तौर पर ईरान के हितों की वकालत कर रहा है और अमेरिकी खुफिया जानकारियों को लीक करने का जोखिम पैदा कर रहा है। ट्रंप प्रशासन ने इस धोखेबाजी को समय रहते भांप लिया और पाकिस्तान की पीठ में छुरा घोंपने की इस पुरानी आदत का कड़ा जवाब देते हुए उसे वार्ता के कमरे से धक्के मारकर बाहर निकाल दिया।

डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस से जारी अपने बयान में बेहद क्रूर और साफ शब्दों में कहा कि ईरान के अनुरोध पर दोनों देशों के बीच बातचीत का सिलसिला दोबारा पूरी तत्परता से शुरू हो चुका है, लेकिन इस बेहद महत्वपूर्ण प्रक्रिया को अंजाम तक पहुंचाने में उन्होंने केवल खाड़ी के जिम्मेदार और आर्थिक रूप से सुदृढ़ देशों—सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर की भूमिका को सराहा और उन्हें ही इस वार्ता का वास्तविक आधार स्तंभ माना। इस पूरी फेहरिस्त से पाकिस्तान का नाम पूरी तरह गायब होना कोई अनजानी भूल या कूटनीतिक चूक नहीं है, बल्कि यह पाकिस्तान का एक सोचा-समझा, रणनीतिक और बेहद अपमानजनक कूटनीतिक बहिष्कार है। इससे भी बड़ी और ऐतिहासिक फजीहत पाकिस्तान की तब हुई जब ट्रंप ने यह साफ कर दिया कि यदि दोनों देशों के बीच कोई ऐतिहासिक समझौता या संघर्षविराम होता है, तो उसका आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह इस्लामाबाद या पाकिस्तान की धरती पर आयोजित करने का सवाल ही पैदा नहीं होता; यह भव्य कार्यक्रम यूरोप के किसी प्रतिष्ठित और विश्वसनीय शहर में आयोजित किया जाएगा। इस एक फैसले ने पाकिस्तान को उस वैश्विक मंच पर पूरी तरह अछूत और हाशिए पर धकेल दिया, जहां वह मुख्य नायक बनने का स्वांग रच रहा था और कूटनीतिक माइलेज लेने की फिराक में था।

सवाल यह उठता है कि आखिर महाशक्ति अमेरिका और वैश्विक बिरादरी अब पाकिस्तान की छाया से भी परहेज क्यों कर रहे हैं? इसका कारण यह है कि वैश्विक राजनीति अब केवल यथार्थवाद और आर्थिक साख के सिद्धांतों पर चलती है। आज सऊदी अरब, यूएई और कतर जैसे देश केवल तेल संपन्न देश नहीं हैं, बल्कि उनके पास ठोस कूटनीतिक विश्वसनीयता, स्थिर सरकारें, मजबूत नेतृत्व और अरबों डॉलर का निवेश प्रभाव है, जिसके बल पर वे वैश्विक फैसलों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके विपरीत, पाकिस्तान की साख एक अंतरराष्ट्रीय भिखारी और आतंकवाद की नर्सरी से ज्यादा कुछ नहीं रह गई है। एक ऐसा देश जहां आज भी टीटीपी (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) और बलूच विद्रोही चीनी इंजीनियरों और पाकिस्तानी फौजियों को उनके बैरकों में घुसकर मार रहे हैं, जहां आंतरिक सुरक्षा पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, वह देश दुनिया को सुरक्षा और शांति की गारंटी कैसे दे सकता है? पाकिस्तानी फौज के मुखिया जनरल आसिम मुनीर, जो देश के भीतर अपनी अलोकप्रियता को छिपाने के लिए और न्यायपालिका से लेकर चुनाव तक की संस्थाओं को अपने बूटों तले रौंदने के लिए कुख्यात हैं, उन्हें लग रहा था कि वे इस वैश्विक संकट के मसीहा बनकर अपनी गिरती साख को बचा लेंगे।

पदकों से आगे: खेल महाशक्ति बनने की असली परीक्षा

कुमार कृष्णन

किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसकी अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति या वैज्ञानिक उपलब्धियों से नहीं बनती। खेल भी उसके आत्मविश्वास, अनुशासन, संस्थागत क्षमता और भविष्य की आकांक्षाओं का आईना होते हैं। जब कोई खिलाड़ी ओलंपिक के मंच पर तिरंगा लहराता है, तो वह केवल एक पदक नहीं जीतता; वह करोड़ों भारतीयों के सपनों, संघर्षों और संभावनाओं को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करता है। यही कारण है कि खेलों में मिली हर सफलता राष्ट्रीय गौरव का उत्सव बन जाती है। लेकिन हर पदक एक सवाल भी छोड़ जाता है—क्या यह जीत मजबूत खेल व्यवस्था का परिणाम है, या किसी असाधारण खिलाड़ी के व्यक्तिगत संघर्ष की कहानी?

पिछले एक दशक में भारत में खेलों को लेकर राष्ट्रीय सोच बदली है। कभी खेलों को पढ़ाई के विकल्प के रूप में देखा जाता था, आज उन्हें सम्मानजनक करियर, रोजगार और वैश्विक पहचान के माध्यम के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। छोटे शहरों और ग्रामीण भारत से निकलकर अनेक खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। यह परिवर्तन अपने आप नहीं आया। इसके पीछे सरकारी योजनाएँ, निजी निवेश, कॉरपोरेट सहयोग, मीडिया की बढ़ती रुचि और खिलाड़ियों की अदम्य इच्छाशक्ति—सभी की भूमिका रही है।

इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार का यह दावा सामने आया है कि वर्ष 2014 के बाद अपनाई गई खेल नीतियों ने भारत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। हाल में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी कहा कि नई नीतियों, आधुनिक प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को दी गई सुविधाओं के कारण भारत ने ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। पहली दृष्टि में यह दावा पूरी तरह निराधार नहीं लगता। खेलो इंडिया, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस), खेल अवसंरचना का विस्तार और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण जैसी पहलें निश्चित रूप से भारतीय खेलों के लिए महत्वपूर्ण रही हैं।

इस दौर में नीरज चोपड़ा ने एथलेटिक्स में इतिहास रचा, पी. वी. सिंधु ने बैडमिंटन में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई, मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में नई मिसाल कायम की, लवलीना बोरगोहैन ने मुक्केबाजी में देश का नाम रोशन किया और भारतीय हॉकी टीम ने दशकों बाद ओलंपिक पदक जीतकर नई उम्मीद जगाई। पैरा खिलाड़ियों ने भी विश्व मंच पर अभूतपूर्व प्रदर्शन कर यह साबित किया कि अवसर मिलने पर भारतीय प्रतिभा किसी से कम नहीं।

लेकिन किसी भी लोकतंत्र में उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ-साथ उनका विवेकपूर्ण मूल्यांकन करना भी उतना ही आवश्यक होता है। खेल नीति की सफलता केवल कुछ चमकदार उपलब्धियों से तय नहीं होती। असली कसौटी यह होती है कि क्या देश ने ऐसी संस्थागत व्यवस्था विकसित की है, जो लगातार विश्वस्तरीय खिलाड़ी तैयार कर सके। क्या खेल अब भी कुछ प्रतिभाशाली व्यक्तियों की असाधारण मेहनत पर टिके हैं, या वे एक मजबूत और टिकाऊ खेल पारिस्थितिकी तंत्र का परिणाम बन चुके हैं?

यहीं से चर्चा का दूसरा पक्ष शुरू होता है। यदि भारत वास्तव में खेल महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो केवल पदकों की संख्या गिनना पर्याप्त नहीं होगा। यह भी देखना होगा कि कितने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिल रहा है, कितने विद्यालयों में खेल शिक्षा प्रभावी है, कितने जिलों में आधुनिक खेल सुविधाएँ उपलब्ध हैं, खिलाड़ियों तक संसाधन कितनी समानता से पहुँच रहे हैं और खेल प्रशासन कितना पारदर्शी एवं जवाबदेह है क्योंकि खेलों की वास्तविक ताकत पदक तालिका में नहीं, बल्कि उस व्यवस्था में दिखाई देती है जो हर वर्ष नई प्रतिभाओं को जन्म देती है।

भारत आज दुनिया का सबसे युवा देशों में से एक है। यह जनसांख्यिकीय शक्ति खेलों के क्षेत्र में भी हमारी सबसे बड़ी पूँजी हो सकती है लेकिन प्रतिभा अपने आप पदक नहीं बनती। उसे खोजने, सँवारने और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के लिए दीर्घकालिक नीति, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, पर्याप्त निवेश और जवाबदेह संस्थाओं की आवश्यकता होती है। जिन देशों ने खेलों में स्थायी सफलता हासिल की है, उन्होंने खिलाड़ियों से पहले व्यवस्था को मजबूत किया है।

यही कारण है कि भारत की खेल यात्रा को केवल उत्सव या आलोचना के दो छोरों पर रखकर नहीं देखा जा सकता। पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन उतना ही सच यह भी है कि अभी कई महत्वपूर्ण चुनौतियाँ शेष हैं। खेलों की असली परीक्षा पदक जीतने में नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने में है जहाँ किसी खिलाड़ी की सफलता अपवाद नहीं, बल्कि स्वाभाविक परिणाम बन जाए। भारत के सामने आज यही सबसे बड़ा प्रश्न है—क्या हम पदकों से आगे बढ़कर एक सशक्त खेल संस्कृति का निर्माण कर पा रहे हैं, या अभी भी हमारी सबसे बड़ी जीत कुछ असाधारण खिलाड़ियों के असाधारण संघर्ष पर ही टिकी हुई है?

यदि केवल पदकों की संख्या को ही किसी खेल नीति की सफलता मान लिया जाए, तो तस्वीर अधूरी रह जाएगी। खेलों में किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति किसी एक प्रतियोगिता के परिणामों से नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से तय होती है, जो लगातार नई प्रतिभाएँ तैयार करती है। यही कारण है कि ओलंपिक को खेलों की सबसे कठिन और सबसे विश्वसनीय परीक्षा माना जाता है।

भारत के हालिया प्रदर्शन पर नज़र डालें तो तस्वीर उम्मीद भी जगाती है और सावधान भी करती है। 2016 के रियो ओलंपिक में भारत दो पदकों तक सीमित रहा। टोक्यो ओलंपिक में यह संख्या बढ़कर सात हुई और इसे स्वतंत्र भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना गया। नीरज चोपड़ा का स्वर्ण पदक भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बना। लेकिन पेरिस ओलंपिक में पदकों की संख्या फिर घटकर छह रह गई और पदक तालिका में भारत की स्थिति भी पीछे चली गई। यह उतार-चढ़ाव बताता है कि भारत आगे बढ़ा अवश्य है, किंतु अभी उस निरंतरता तक नहीं पहुँचा है, जो किसी खेल महाशक्ति की पहचान होती है।

राष्ट्रमंडल खेलों के परिणाम भी इसी संतुलित दृष्टि से देखे जाने चाहिए। भारत ने वर्षों से वहाँ उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है, लेकिन यह भी याद रखना होगा कि इस प्रतियोगिता में अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी और कई अन्य बड़ी खेल शक्तियाँ भाग नहीं लेतीं। इसलिए राष्ट्रमंडल खेलों की उपलब्धियाँ महत्वपूर्ण अवश्य हैं, पर उन्हें ओलंपिक जैसी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का विकल्प नहीं माना जा सकता। किसी भी खेल नीति की अंतिम परीक्षा वहीं होती है, जहाँ दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी आमने-सामने होते हैं।

ट्यूशन और कोचिंग इंडस्ट्री दो लाख करोड़ रुपए के पार पहुंची

स्नेहा सिंह

29.26,.यह आंकड़ा भारत में इस समय स्कूलों और कालेजों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों का है। वैश्विक स्तर पर लगभग 170 करोड़ विद्यार्थी स्कूल-कालेजों में अध्ययन कर रहे हैं और उनमें सबसे अधिक विद्यार्थी भारत में हैं। 25-26 करोड़ विद्यार्थियों के साथ चीन दूसरे स्थान पर आता है।

इन 170 करोड़ विद्यार्थियों में से 43-45 प्रतिशत विद्यार्थी निजी ट्यूशन लेते हैं। इस हिसाब से दुनिया में लगभग 75 करोड़ विद्यार्थी निजी ट्यूशन क्लासों की फीस भरते हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है, इसलिए ट्यूशन और कोचिंग का बाजार भी लगातार विस्तार कर रहा है।

दुनिया का ट्यूशन-कोचिंग बाजार 72 अरब डालर से अधिक हो चुका है, यानी लगभग सात ट्रिलियन रुपए के बराबर। इस बाजार में 60-65 प्रतिशत हिस्सेदारी एशिया-प्रशांत क्षेत्र की है। भारत, चीन, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों में निजी ट्यूशन सामान्य बात है।

दक्षिण कोरिया और चीन में विश्वविद्यालयों की प्रवेश परीक्षाओं का बहुत महत्व है। चीन में गाओकाओ (Gaokao) परीक्षा हमारी नीट और जेईई जैसी प्रवेश परीक्षा है। यह दुनिया की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा मानी जाती है, जिसमें एक साथ सवा करोड़ से अधिक विद्यार्थी शामिल होते हैं। इस परीक्षा की तैयारी के लिए करोड़ों विद्यार्थी निजी कोचिंग लेते हैं।

दक्षिण कोरिया में सुनेउंग (Suneung) प्रवेश परीक्षा होती है और उसके आधार पर पूरी ट्यूशन इंडस्ट्री अरबों डालर का कारोबार करती है। लेकिन इन सबके बीच भारत की ट्यूशन इंडस्ट्री पूरी दुनिया में पहले स्थान पर है।

देश का शिक्षा बजट- 1,39,289 करोड़ रुपए, देश की ट्यूशन-कोचिंग इंडस्ट्री- 2,00,000 करोड़ रुपए केंद्र सरकार शिक्षा पर जितना बजट खर्च नहीं करती, उससे अधिक राशि देश के माता-पिता अपने बच्चों की ट्यूशन और कोचिंग पर खर्च करते हैं।

औसतन भारत में जितने विद्यार्थी ट्यूशन जाते हैं, उतने किसी अन्य देश में नहीं जाते। दुनिया में ट्यूशन लेने वाले विद्यार्थियों का औसत 45 प्रतिशत है, जबकि भारत में 74 प्रतिशत विद्यार्थी निजी ट्यूशन लेते हैं। एक अनुमान के अनुसार आज देश के 22 करोड़ विद्यार्थी किसी न किसी ट्यूशन क्लास में जाते हैं। देश में 7 करोड़ विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग लेते हैं और इसी कारण देशभर के छोटे-बड़े कोचिंग सेंटर करोड़ों रुपए की कमाई करते हैं।

एक अन्य अध्ययन के अनुसार भारत का लगभग हर विद्यार्थी प्राथमिक विद्यालय से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं या कालेज की डिग्री तक की यात्रा में किसी न किसी चरण पर ट्यूशन की फीस अवश्य भरता है।

भारत दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ ट्यूशन-कोचिंग बाजार है। लगभग दो लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुका यह इंडस्ट्री 2030 तक तीन लाख करोड़ और 2033 तक पांच लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है।

भारत में जेईई, नीट जैसी प्रवेश परीक्षाओं के अलावा यूपीएससी, जीपीएससी, विभिन्न राज्य स्तरीय सरकारी भर्तियां, रेलवे, पुलिस, एसएससी और विभिन्न विभागों की क्लर्क भर्ती जैसी परीक्षाओं के लिए हजारों-लाखों रुपए की कोचिंग फीस चुकाई जाती है।

भारत में स्कूल बोर्ड की ट्यूशन, प्रवेश परीक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग एक विशाल उद्योग बन चुकी है।

81 प्रतिशत विद्यार्थी स्कूल से अधिक ट्यूशन पर भरोसा करते हैं। कैम्ब्रिज इंटरनेशनल ग्लोबल एजुकेशन रिपोर्ट के तहत किए गए एक सर्वे में पाया गया कि भारत के 81 प्रतिशत विद्यार्थी अंग्रेजी, गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान स्कूल के बजाय ट्यूशन क्लास में सीखना पसंद करते हैं। देश के 77 प्रतिशत विद्यार्थी कंप्यूटर शिक्षा के लिए भी स्कूल के बजाय छोटे-बड़े निजी संस्थानों को प्राथमिकता देते हैं।

सरकारी सर्वे सीएमएस में 52 हजार परिवारों से प्रश्न पूछे गए। अध्ययन के अनुसार शहरों में प्राथमिक शिक्षा से ही 30 प्रतिशत बच्चों को ट्यूशन भेजा जाने लगता है। गांवों में भी 25 प्रतिशत विद्यार्थी प्राथमिक स्तर से ही ट्यूशन पर निर्भर हो जाते हैं।

सरकारी या निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के 42 प्रतिशत अभिभावकों को स्कूलों में मिलने वाली शिक्षा पर्याप्त नहीं लगती। उनका मानना है कि यदि प्राथमिक स्तर से ही ट्यूशन न दिलाई जाए तो बच्चे पीछे रह जाएंगे। शिक्षा का खर्च लगातार बढ़ रहा है ट्यूशन के बिना काम नहीं चलता, इसलिए बच्चों की शिक्षा का खर्च भी लगातार बढ़ रहा है। महानगरों में फीस, ट्यूशन, आने-जाने का खर्च और पढ़ाई की सामग्री मिलाकर एक विद्यार्थी पर प्रति माह 10 से 12 हजार रुपए खर्च होते हैं। छोटे शहरों में यह औसत 6 हजार रुपये है, जबकि गांवों में भी अब 3 से 5 हजार रुपए प्रतिमाह का खर्च होने लगा है।

महानगरों में प्राथमिक कक्षा की ट्यूशन का औसत खर्च 4,000 रुपए प्रति माह है। छोटे शहरों में 2,500 रुपए और गांवों में भी 1,000 से 1,500 रुपए प्रतिमाह खर्च किए बिना बच्चों को ट्यूशन भेजना संभव नहीं रह गया है।

भारत में मध्यम वर्गीय परिवार अपनी आय का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा केवल ट्यूशन पर खर्च करता है। शिक्षा मौलिक अधिकार है, फिर भी ट्यूशन अनिवार्य क्यों?

दीवार पर लटकी पीतल की घंटी

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

कसबे के पुराने सरकारी अस्पताल के मुख्य द्वार के ठीक बगल में ईंटों की उधड़ती सफेदी वाली दीवार पर पीतल की एक भारी-भरकम घंटी लटकी हुई थी। उसकी चमक वक्त की गर्द और जंग के नीचे लगभग खो चुकी थी पर उस पर उकेरी गई आकृतियाँ आज भी किसी बीते दौर की गवाही देती थीं। अस्पताल के बरामदे में लकड़ी के लंबे बेंचों पर हर सुबह गाँव-देहात से आए मरीजों का जमावड़ा लग जाता था जहाँ पर्ची कटाने से लेकर डॉक्टर साहब के कमरे में घुसने तक एक अजीब सी बेताबी फैली रहती थी।

उसी भीड़ के एक कोने में अपने हाथों में बाँस की एक पुरानी लाठी थामे हरदेव काका रोज आकर बैठते थे। सफेद धोती-कुर्ते में हरदेव काका की आँखें हमेशा उस दीवार पर लटकी पीतल की घंटी पर ही टिकी रहती थीं। लोग आते, अपनी तकलीफों का रोना रोते, दवाइयाँ लेकर चले जाते पर हरदेव काका बिना किसी हड़बड़ी के बस उसी घंटी को ताकते रहते थे। जब भी कोई नया डॉक्टर या अस्पताल का नया कर्मचारी वहाँ आता तो वह काका के इस तरह रोज एकटक घंटी को घूरने का रहस्य समझने की कोशिश करता था। अस्पताल का पुराना चपरासी मंगतू जब भी झाड़ू लेकर उधर से गुजरता तो काका उसे बड़े सहेज कर आवाज लगाते और पूछते क्यों रे मंगतू आज बड़े डॉक्टर साहब ने उस घंटी को बजवाने का कोई हुक्म दिया क्या? मंगतू बस मुस्कुराकर अपना सिर हिला देता और अपने काम में लग जाता था।

मंगतू की इस खामोशी के पीछे एक गहरा कौतूहल छिपा हुआ था जिसे अस्पताल का हर पुराना मुलाजिम अच्छी तरह जानता था। अस्पताल में आए दिन नए डॉक्टर बदलते रहते थे पर पीतल की वह घंटी अपनी जगह से टस से मस नहीं होती थी। एक दिन दोपहर के समय जब ओपीडी की भीड़ कम हो रही तो अस्पताल के नए आए युवा डॉक्टर विवेक अपने कमरे से बाहर निकले। उन्होंने कई दिनों से इस बुजुर्ग को सिर्फ उस पुरानी घंटी को देखते हुए पाया था इसलिए उनसे रहा नहीं गया। डॉक्टर विवेक धीरे से हरदेव काका के पास बेंच पर आकर बैठ गए और बहुत ही आत्मीयता से बोले काका आप रोज सुबह से दोपहर तक यहाँ आकर बैठते हैं पर मैंने कभी आपको किसी डॉक्टर को अपनी बीमारी दिखाते नहीं देखा, आखिर इस दीवार पर लटकी पुरानी घंटी में ऐसा क्या है जो आपकी नजरें इससे हटती ही नहीं हैं?

हरदेव काका ने अपने कांपते हाथों से अपनी लाठी पर ग्रिप मजबूत की और अपने चेहरे की झुर्रियों को सिकोड़ते हुए एक हल्की सी कड़वी मुस्कान के साथ कहा डॉक्टर साहब यह घंटी कोई मामूली पीतल का ढाँचा नहीं है, यह तो इस पूरे इलाके के जीवन और उम्मीद का सबसे बड़ा पैमाना है।

डॉक्टर विवेक ने अचरज से घंटी की तरफ देखा जो धूप की एक पतली किरण में थोड़ी पीली चमक रही थी।काका की इस बात ने डॉक्टर विवेक के अंदर की उत्सुकता को और बढ़ा दिया। उन्होंने पूछा काका मैं समझा नहीं, एक पुरानी घंटी किसी अस्पताल में मरीज की उम्मीद कैसे हो सकती है, यहाँ तो लोग डॉक्टर के पर्चे और दवाइयों के भरोसे आते हैं?

रात में बढ़ती ओवरथिंकिंग से ऐसे पाएं राहत

दिनभर की भागदौड़ के बाद जब रात में हम आराम करने के लिए बिस्तर पर जाते हैं, तो कई लोगों का दिमाग अचानक तेजी से चलने लगता है। बीते हुए पल, भविष्य की चिंता, ऑफिस का काम, रिश्तों की उलझन या छोटी-छोटी बातें भी बार-बार दिमाग में घूमने लगती हैं। इस वजह से नींद आने में देरी होती है और कई लोग घंटों करवटें बदलते रहते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो यह नींद और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर असर डाल सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि रात में ओवरथिंकिंग क्यों होती है और इससे बचने के लिए क्या उपाय अपनाए जा सकते हैं।

रात में ओवरथिंकिंग क्यों होती है?

दिनभर का तनाव रात में सामने आता है

दिनभर दिमाग काम, पढ़ाई, परिवार और अन्य जिम्मेदारियों में व्यस्त रहता है। ऐसे में कई विचार और भावनाएं दब जाती हैं। जब रात में शांति होती

है और बाहरी गतिविधियां कम हो जाती हैं, तो दिमाग उन अधूरे कामों, चिंताओं और यादों को प्रोसेस करने लगता है। यही कारण है कि कई लोगों को रात में ज्यादा सोचने की आदत हो जाती है।

तनाव और चिंता बढ़ जाती है

अगर कोई व्यक्ति पहले से तनाव, चिंता या किसी मानसिक दबाव से गुजर रहा है, तो रात के समय ये भावनाएं अधिक महसूस हो सकती हैं। दिमाग बार-बार एक ही स्थिति के बारे में सोचता रहता है और संभावित नतीजों की कल्पना करने लगता है। इससे ओवरथिंकिंग का चक्र शुरू हो जाता है और नींद प्रभावित होती है।

मोबाइल और स्क्रीन का ज्यादा इस्तेमाल

सोने से पहले लंबे समय तक मोबाइल, लैपटॉप या टीवी का इस्तेमाल करने से दिमाग को आराम नहीं मिल पाता। स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को प्रभावित कर सकती है, जो अच्छी नींद के लिए जरूरी होता है। इससे दिमाग ज्यादा सक्रिय रहता है और विचारों की गति बढ़ सकती है।

अनियमित नींद की आदत

अगर रोजाना सोने और उठने का समय अलग-अलग है या देर रात तक जागने की आदत है, तो शरीर की जैविक घड़ी प्रभावित हो सकती है। इससे नींद आने में देरी होती है और व्यक्ति लंबे समय तक जागकर अलग-अलग बातों के बारे में सोचता रहता है।

थकान के बावजूद दिमाग का सक्रिय रहना

शरीर भले ही थका हुआ हो, लेकिन मानसिक तनाव या भावनात्मक दबाव के कारण दिमाग सक्रिय रह सकता है। इस स्थिति में व्यक्ति आराम करना चाहता है, लेकिन लगातार आने वाले विचार उसे सोने नहीं देते।

ओवरथिंकिंग कम करने के उपाय

रोज एक ही समय पर सोने और उठने की कोशिश करें

सोने से कम से कम 1 घंटे पहले मोबाइल और अन्य स्क्रीन से दूरी बनाएं

हल्की किताब पढ़ें या रिलैक्सिंग म्यूजिक सुनें

गहरी सांस लेने या मेडिटेशन जैसी रिलैक्सेशन तकनीकों का अभ्यास करें

अगर कोई बात परेशान कर रही है, तो उसे डायरी में लिखने की आदत डालें

यदि ओवरथिंकिंग लंबे समय तक बनी रहे और नींद या दैनिक जीवन पर असर डालने लगे, तो मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लें

किडनी को उम्रभर स्वस्थ रखना है तो अपनाएं ये टिप्स

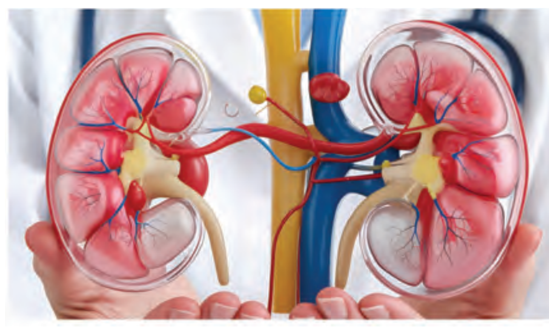

शरीर को स्वस्थ रखने की बात आती है तो ज्यादातर लोग दिल, फेफड़ों और वजन पर ज्यादा ध्यान देते हैं, लेकिन किडनी की सेहत अक्सर नजरअंदाज हो जाती है, जबकि किडनी शरीर के सबसे जरूरी अंगों में से एक है, जो बिना रुके हर दिन अपना काम करती रहती है। यह खून को साफ करने, शरीर में मौजूद बेकार पदार्थों को बाहर निकालने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाती है। किडनी में परेशानी धीरे-धीरे बढ़ती है और शुरुआती दौर में कई बार इसके लक्षण साफ नजर नहीं आते, लेकिन कुछ सामान्य आदतों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाकर किडनी को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है। किडनी की सेहत के लिए सबसे जरूरी आदतों में से एक है शरीर में पानी की सही मात्रा बनाए रखना। पानी की कमी होने पर किडनी को खून से अपशिष्ट पदार्थों को निकालने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

पर्याप्त पानी पीने से पेशाब के जरिए शरीर से अनावश्यक तत्व निकलते रहते हैं और किडनी पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ता। हालांकि हर व्यक्ति की पानी की जरूरत अलग हो सकती है, क्योंकि यह उम्र, मौसम, काम की प्रकृति और शरीर की स्थिति पर निर्भर करती है। गर्मी में ज्यादा पसीना निकलने वाले लोगों को ज्यादा पानी की जरूरत हो सकती है, जबकि कुछ बीमारियों में डॉक्टर पानी की मात्रा सीमित करने की सलाह भी देते हैं। किडनी को सुरक्षित रखने के लिए ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखना भी बेहद जरूरी है। लंबे समय तक बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर किडनी की महीन रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे उनकी काम करने की क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हाई ब्लड प्रेशर और किडनी की बीमारी का संबंध दोनों तरफ से होता है। खराब किडनी भी ब्लड प्रेशर बढ़ा सकती है और बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए समय-समय पर अपना ब्लड प्रेशर जांचना और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

खाने की आदतों का सीधा असर किडनी पर पड़ता है। ज्यादा नमक वाला भोजन, पैकेट वाले खाद्य पदार्थ, ज्यादा तला हुआ खाना और अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ा सकते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर और किडनी दोनों पर दबाव बढ़ता है, इसलिए विशेषज्ञ संतुलित आहार लेने की सलाह देते हैं, जिसमें ताजी सब्जियां, फल, साबुत अनाज और जरूरत के अनुसार प्रोटीन शामिल हो। स्वस्थ भोजन सिर्फ किडनी को ही नहीं, बल्कि पूरे शरीर के मेटाबॉलिज्म को बेहतर रखने में मदद करता है।

शारीरिक गतिविधि को अपनी दिनचर्या में शामिल करना भी किडनी के लिए फायदेमंद माना जाता है। नियमित हल्की एक्सरसाइज जैसे तेज चलना, योग, साइकिल चलाना या तैराकी शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाती है और वजन को नियंत्रित रखने में मदद करती है। मोटापा, डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं किडनी की बीमारी का खतरा बढ़ा सकती हैं, इसलिए सक्रिय जीवनशैली अपनाना एक तरह से किडनी की सुरक्षा करना है।

चेहरे की गंदगी और ऑयली स्किन से छुटकारा पाने के लिए मुल्तानी मिट्टी में मिलाएं ये चीजें

आज के समय में बाजार में चेहरे पर निखार लगाने के लिए तरह-तरह के महंगे प्रोडक्ट मौजूद हैं, लेकिन केमिकल युक्त होने के चलते लोग इन प्रोडक्ट्स पर भरोसा करने में हिचकिचाते है। ऐसे में वे प्राकृतिक चीजों की ओर लौट रहे है। इन्हीं प्राकृतिक चीजों में मुल्तानी मिट्टी का नाम सबसे ऊपर आता है। आज भी घरों में इसका इस्तेमाल त्वचा की सफाई और देखभाल के लिए किया जाता रहा है। मुल्तानी मिट्टी को त्वचा के लिए इसलिए खास माना जाता है क्योंकि यह चेहरे पर जमा अतिरिक्त तेल, धूल और गंदगी को हटाने में मदद करती है। मुलतानी मिट्टी में मौजूद प्राकृतिक तत्व त्वचा को साफ रखने और फ्रेश महसूस कराने में मददगार होते हैं। हालांकि, सभी की त्वचा अलग होती है, इसलिए मुल्तानी मिट्टी में

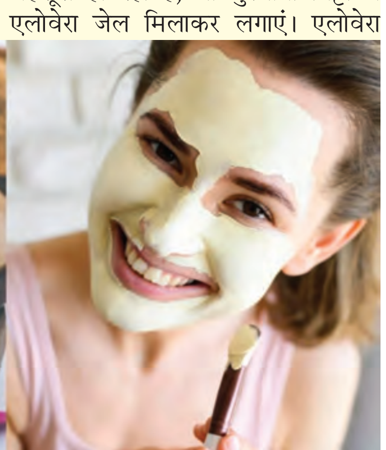

कुछ ऐसी प्राकृतिक चीजें मिलाई जा सकती हैं, जो अलग-अलग स्किन टाइप के हिसाब से बेहतर असर दे सकें।

ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल का मिश्रण फायदेमंद है। जिन लोगों के चेहरे पर ज्यादा तेल आता है, उनके लिए यह पैक त्वचा को साफ करने में मदद करता है। गुलाब जल त्वचा को ठंडक देने और ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। मुल्तानी मिट्टी के साथ इसे मिलाकर लगाने से चेहरे पर जमा अतिरिक्त तेल कम महसूस होता है और त्वचा ज्यादा साफ नजर आती है। इसे कुछ समय तक चेहरे पर लगाने के बाद पानी से धो लें। लेकिन बता दें कि इसका ज्यादा इस्तेमाल करने से त्वचा में रूखापन आ सकता है।

अगर त्वचा रूखी या बेजान नजर आती है तो मुल्तानी मिट्टी में दही मिलाकर लगाए। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की ऊपरी परत पर मौजूद मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है, जिससे चेहरा मुलायम महसूस होता है। वहीं, मुल्तानी मिट्टी त्वचा से गंदगी साफ करने में मदद करती है। दोनों का मिश्रण त्वचा को तरोताजा करता है। सेंसेटिव त्वचा वाले लोगों को इसे पहले थोड़ी मात्रा में लगाकर देखना चाहिए।

सामान्य त्वचा वालों के लिए मुल्तानी मिट्टी में शहद मिलाना फायदेमंद होता है। शहद में प्राकृतिक नमी बनाए रखने वाले गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा को सूखने से बचाने में मदद करते हैं। कई लोगों को मुल्तानी मिट्टी लगाने के बाद त्वचा में खिंचाव महसूस होता है, ऐसे में शहद मिलाने से त्वचा को अतिरिक्त नमी मिलती है। यह मिश्रण चेहरे को ज्यादा मुलायम और फ्रेश दिखाने में मदद करता है।

धूप के कारण अगर त्वचा पर जलन महसूस हो रही है, तो मुल्तानी मिट्टी में एलोवेरा जेल मिलाकर लगाएं। एलोवेरा त्वचा को ठंडक देने के लिए जाना जाता है, और इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व त्वचा को शांत करने में मदद करते हैं। मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का मिश्रण त्वचा को राहत देने और चेहरे को तरोताजा महसूस कराने में मददगार होता है।

चेहरे की रंगत को निखारने के लिए कुछ लोग मुल्तानी मिट्टी में हल्दी मिलाकर भी इस्तेमाल करते हैं। हल्दी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा की देखभाल में मदद करते हैं। वहीं, मुल्तानी मिट्टी चेहरे से अतिरिक्त तेल और अशुद्धियां हटाने में मददगार होती है। लेकिन हल्दी की मात्रा हमेशा कम रखनी चाहिए, क्योंकि ज्यादा हल्दी कुछ लोगों की त्वचा पर जलन या पीलेपन का कारण बन सकती है।

त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार, प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करते समय भी सावधानी जरूरी है। हर किसी की त्वचा एक जैसी नहीं होती, इसलिए कोई भी नया फेस पैक लगाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है। अगर त्वचा पर जलन, खुजली या लाल निशान दिखाई दें तो इसका इस्तेमाल बंद कर दें।

ऐसे रहेगा वजन कंट्रोल व रहेंगे लंबे समय तक स्वस्थ

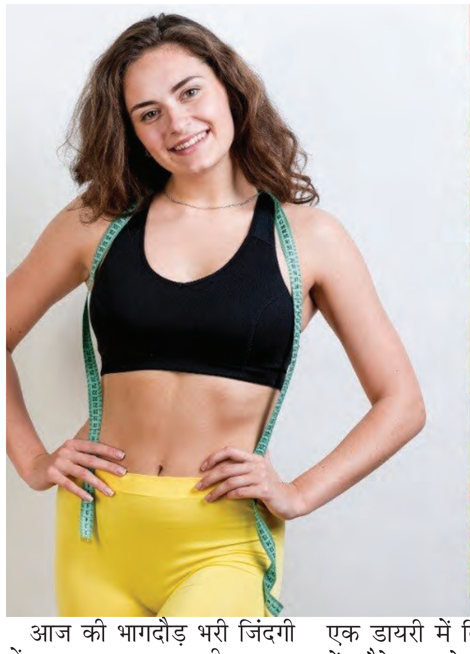

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ता वजन एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। मोटापा सिर्फ शरीर का आकार नहीं बढ़ाता, बल्कि यह कई गंभीर बीमारियों को भी न्योता देता है। टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारी और स्ट्रोक जैसी समस्याओं का खतरा मोटापे के साथ काफी बढ़ जाता है। अक्सर लोग वजन घटाने के लिए खाना कम कर देते हैं या फिर कार्बोहाइड्रेट जैसी चीजें पूरी तरह छोड़ देते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि किसी एक चीज को पूरी तरह छोड़ना सही तरीका नहीं है। शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इसलिए कोशिश करें कि आपकी थाली में फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, दूध और प्रोटीन से भरपूर चीजें संतुलित मात्रा में शामिल हों। हर समय कैलोरी गिनना जरूरी नहीं है, लेकिन यह जानना फायदेमंद हो सकता है कि आपके शरीर को रोज कितनी कैलोरी की जरूरत है। यह आपकी उम्र, लंबाई, वजन, लिंग और रोजाना की शारीरिक गतिविधि पर निर्भर करता है। अगर आप जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेते हैं और उतनी ऊर्जा खर्च नहीं करते, तो वजन बढ़ना तय है।

अगर आपको लगता है कि आप जरूरत से ज्यादा खा रहे हैं, तो एक आसान तरीका अपनाइए। रोज क्या खाया, क्या पिया और लगभग कितनी मात्रा में लिया, इसे एक डायरी में लिखना शुरू कर दें। पैकेट वाले खाद्य पदार्थों के न्यूट्रिशन लेबल जरूर पढ़ें और सर्विंग साइज पर भी ध्यान दें। कई बार हमें लगता है कि हमने थोड़ा खाया है, लेकिन वास्तव में कैलोरी काफी ज्यादा ले चुके होते हैं।

हालांकि स्वस्थ रहने के लिए सिर्फ डाइट ही नहीं, नियमित शारीरिक गतिविधि भी उतनी ही जरूरी है। वयस्कों को सप्ताह में कम से कम 150 मिनट मध्यम तीव्रता वाली एक्सरसाइज करनी चाहिए। यानी रोज करीब 30 मिनट तेज चाल से चलना, साइकिल चलाना या हल्की दौड़ जैसी गतिविधियां काफी फायदेमंद होती हैं। इसके अलावा सप्ताह में कम से कम दो दिन मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाली एक्सरसाइज भी करनी चाहिए।

बच्चों और किशोरों के लिए रोज कम से कम 60 मिनट की शारीरिक गतिविधि जरूरी मानी जाती है। वहीं, 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को संतुलन बनाए रखने वाली एक्सरसाइज, जैसे एक पैर पर खड़े होने का अभ्यास, भी करना चाहिए ताकि गिरने का खतरा कम हो।

गर्भवती और प्रसव के बाद की स्वस्थ महिलाओं को भी सप्ताह में कम से कम 150 मिनट हल्की या मध्यम तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। हालांकि, किसी भी नई एक्सरसाइज की शुरुआत डॉक्टर की सलाह से ही करनी चाहिए।

लेकिन केवल एक्सरसाइज करने से ही वजन नहीं घटता। अगर आप जिम में एक घंटा बिताते हैं लेकिन दिनभर जरूरत से ज्यादा कैलोरी खाते हैं, तो वजन बढ़ सकता है। इसलिए खानपान और शारीरिक गतिविधि के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी है।

अक्सर लोग नींद को नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि पर्याप्त नींद भी वजन नियंत्रित रखने में अहम भूमिका निभाती है। कम नींद लेने से शरीर के हार्मोन प्रभावित होते हैं, जिससे भूख ज्यादा लग सकती है और वजन बढ़ने का खतरा रहता है। इसलिए रोज 7 से 9 घंटे की अच्छी नींद लेने की कोशिश करें।

उम्र बढ़ने के साथ शरीर में मांसपेशियां कम और चर्बी ज्यादा होने लगती है। इससे मेटाबॉलिज्म धीमा पड़ जाता है और वजन तेजी से बढ़ सकता है। यही वजह है कि बढ़ती उम्र में खानपान और एक्सरसाइज पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है।

कुछ बीमारियां, जैसे कुशिंग सिंड्रोम और पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस), भी वजन बढ़ने का कारण बन सकती हैं। इसके अलावा स्टेरॉयड और कुछ एंटीडिप्रेसेंट दवाएं भी वजन बढ़ा सकती हैं। अगर बिना किसी वजह के वजन तेजी से बढ़ रहा है, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

ऑफिस में घंटों बैठते हैं? रोज करें पादहस्तासन तनाव और अकड़न से मिलेगी राहत

ऑफिस में लंबे समय तक डेस्क पर बैठे रहने से कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्या शरीर को जकड़ने लगती हैं। ऐसी स्थिति में रोजाना समयानुसार, नियमित आहार और योगासन शरीर को इन समस्याओं से

निजात दिलाने में मददगार है, योग के इन्हीं आसनों में पादहस्तासन श्रेष्ठ बताया गया है, जिसके अभ्यास से शरीर को धीरे-धीरे आराम मिलने लगता है। पादहस्तासन एक ऐसा योगासन है जो तीन शब्दों से मिलकर बना है, पाद + हस्त + आसन। इस आसन में पांव (पाद) को हाथों (हस्त) से पकडते हैं इसलिए इसे पादहस्तासन या हस्त पादासन कहते हैं। आधुनिक जीवनशैली में हम जहां ज्यादातर समय मोबाइल या कंप्यूटर के सामने झुके रहते हैं, ऐसे में यह आसन रीढ़ को राहत देता है और पूरे शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है।

केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस आसन को लेकर सुझाव दिए हैं। उनके अनुसार, इस आसन के नियमिस अभ्यास से तनाव, अकड़न, खराब पाचन और कम ऊर्जा जैसी समस्याएं शरीर में धीरे-धीरे जमा होती रहती हैं। इनसे छुटकारा पाने के लिए पादहस्तासन एक ऐसा आसान है, जिसके नियमित अभ्यास से शरीर का लचीलापन बढ़ता है, पाचन तंत्र मजबूत होता है, मन शांत रहता है और आगे की ओर गहरे खिंचाव से शारीरिक तनाव दूर होता है।

इस आसन को करने से सिर की तरफ खून का प्रवाह बढ़ता है, जिससे दिमाग और आंखों को फायदा होता है। साथ ही, यह मन को शांत करता है और तनाव को कम करने में मदद करता है।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले खड़े होकर दोनों पैरों को जोड़ें, सांस छोड़ते हुए कमर से आगे की ओर झुकें और हाथों को पैरों के पास जमीन पर रखने की कोशिश करें। शुरुआती दिनों में घुटनों को थोड़ा मोड़ सकते हैं। कुछ सेकंड रुककर धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में लौटें। रोजाना 3 से 5 बार इस आसन का अभ्यास किया जा सकता है।

शुरुआती अभ्यासकर्ता इस आसन को करने के लिए किसी विशेषज्ञ की सलाह पर ही करें और योगासन करते समय हमेशा अपनी क्षमता पर ध्यान दें। जबरदस्ती या जरूरत से ज्यादा खिंचाव शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके साथ ही गंभीर बीमारी और हालिया हुई सर्जरी और गर्भवती महिलाओं को इसको करने से पहले योग विशेषज्ञ से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

ट्रेन में एक यात्री अधिकतम कितना सामान लेकर जा सकता है?

भारतीय रेलवे से सफर करते समय यात्रियों के मन में अक्सर यह सवाल जरूर आता है कि वे अपने साथ ट्रेन में अधिक से अधिक कितना सामान मुफ्त में ले जा सकते हैं। अक्सर लोग बिना नियमों की जानकारी के बहुत सारा भारी सामान अपने साथ लेकर यात्रा करते हैं, जिससे न केवल खुद उन्हें बल्कि सह-यात्रियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

रेलवे के नियमों के अनुसार हर क्लास के हिसाब से सामान की एक तय सीमा होती है। आइए इस लेख में जानते हैं कि ट्रेन में किस क्लास के यात्री के लिए सामान ले जाने के क्या नियम बनाए गए हैं।

अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार सामान ले जाने की तय सीमा

भारतीय रेलवे के नियमों के मुताबिक, सफर करने वाली अलग-अलग क्लास के आधार पर

मुफ्त सामान ले जाने की वजन सीमा तय की गई है।

एसी फर्स्ट क्लास में एक यात्री अधिकतम 70 किलोग्राम, एसी टू-टियर में 50 किलोग्राम, एसी थ्री-टियर और चेयर कार में 40 किलोग्राम तक का सामान बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के आसानी से साथ ले जा सकता है।

स्लीपर और जनरल क्लास के यात्रियों के लिए सामान का वजन

अगर आप स्लीपर क्लास में सफर कर रहे हैं, तो आप अपने साथ अधिकतम 40 किलोग्राम तक का सामान मुफ्त में ले जा सकते हैं।

वहीं, सामान्य डिब्बे में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह वजन सीमा अधिकतम 35 किलोग्राम निर्धारित की गई है, ताकि बोगी में ज्यादा भीड़ न हो।

सामान का आकार और लगेज वैन में बुकिंग का नियम

आप अपने साथ जो भी सूटकेस या बैग ले जा रहे हैं, उसका आकार एक तय सीमा से ज्यादा बड़ा नहीं होना चाहिए ताकि वह सीट के नीचे आसानी से आ सके।

अगर आपके पास तय सीमा से अधिक भारी या बड़ा सामान है, तो आपको ट्रेन के रवाना होने से पहले स्टेशन के लगेज ऑफिस में जाकर उसका पार्सल बुक कराना अनिवार्य होता है।

नियम तोड़ने पर लगने वाला जुर्माना और अतिरिक्त शुल्क

अगर कोई यात्री तय मुफ्त सीमा से ज्यादा वजन का सामान बिना बुक कराए अपने साथ डिब्बे में लेकर यात्रा करता पकड़ा जाता है, तो रेलवे उससे दंडात्मक शुल्क वसूलाता है।

इसलिए हमेशा तय सीमा के अंदर ही सामान ले जाएं या अतिरिक्त सामान को लगेज काउंटर पर वैध तरीके से बुक कराएं ताकि सफर सुरक्षित रहे।

मॉडलिंग क्या होती है, ये भी नहीं जानती थीं तनुश्री चक्रवर्ती, फिर बनीं बंगाली सिनेमा की पहचान

फिल्मों की दुनिया में कई सितारों का सफर किसी प्लानिंग के तहत शुरू नहीं होता। कुछ लोग अचानक मिले मौके को अपनी मेहनत से बड़ी पहचान में बदल देते हैं। बंगाली सिनेमा की अभिनेत्री तनुश्री चक्रवर्ती की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। आज वह अपनी खूबसूरती, अभिनय और अलग अंदाज के लिए जानी जाती हैं, लेकिन कम लोग ही जानते हैं कि जब उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा था, तब उन्हें इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। एक मामूली शुरुआत से तनुश्री ने धीरे-धीरे विज्ञापनों, फिल्मों और फिर राजनीति तक का सफर तय किया। तनुश्री चक्रवर्ती का जन्म 6 अगस्त 1984 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में हुआ था। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई कोलकाता से की। इसके बाद उन्होंने कोलकाता यूनिवर्सिटी से जुड़े बसंती देवी कॉलेज से पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा, लेकिन शुरुआत में उन्हें यह पता था कि मॉडलिंग क्या होती है।

तनुश्री ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उन्होंने मॉडलिंग शुरू की, तब उन्हें नहीं पता था कि मॉडलिंग में काम कैसे होता है और इस क्षेत्र की असली दुनिया कैसी है। धीरे-धीरे उन्होंने इस काम को समझा और कई विज्ञापनों में नजर आने लगीं। उनका एक बांग्लादेशी मसाला ब्रांड का विज्ञापन काफी लोकप्रिय हुआ, जिसने उन्हें अलग पहचान दिलाई। यही छोटा सा कदम आगे चलकर उनके फिल्मी करियर की शुरुआत बना।

मॉडलिंग के बाद तनुश्री ने बंगाली फिल्मों में कदम रखा। साल 2010 में फिल्म 'बोंधु एसो तुमी' से उन्होंने अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद साल 2011 में आई फिल्म 'उरो चिट्ठी' ने उन्हें दर्शकों के बीच पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और बंगाली सिनेमा की कई चर्चित फिल्मों में काम किया।

साल 2012 में आई 'बेडरूम' उनके करियर की अहम फिल्मों में से एक रही। इसके बाद उन्होंने 'ओबिशोप्टो नाइटी', 'विंडो कनेक्शन्स', 'बुनो हांस' और 'खाद' जैसी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। उनकी एक्टिंग को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों ने काफी पसंद किया। उन्होंने सिर्फ ग्लैमरस भूमिकाएं ही नहीं कीं, बल्कि अलग तरह के किरदारों के जरिए अपनी अभिनय क्षमता भी दिखाई।

तनुश्री चक्रवर्ती ने फिल्मों के साथ-साथ टीवी की दुनिया में भी काम किया। वह जी बांग्ला के लोकप्रिय शो 'दीदी नंबर. 1' में नजर आईं और बाद में कई टीवी प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं। उन्होंने ब्यूटी और लाइफस्टाइल शो 'संपूर्णा' की होस्टिंग भी की। इसके अलावा उन्होंने कोलकाता में अपने रेस्टोरेंट बिजनेस की शुरुआत भी की।

साल 2021 में तनुश्री ने राजनीति में भी कदम रखा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ज्वाइन की और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में श्यामपुर सीट से चुनाव लड़ा। हालांकि, वह चुनाव नहीं जीत पाईं। बाद में उन्होंने राजनीति से दूरी बनाते हुए अपने फिल्मी करियर पर ध्यान देने का फैसला किया।

शालिनी पांडे ने उठायी मुंबई के रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने के खिलाफ आवाज़

मुंबई अभिनेत्री शालिनी पांडे ने मुंबई के रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को कथित तौर पर हटाए जाने के मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद की है। सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने लोगों से इस मामले में आगे आने और संबंधित याचिका का समर्थन करने की अपील की है।

शालिनी ने अपनी पोस्ट में बताया है कि सैकड़ों कुत्ते कई वर्षों से रेलवे स्टेशनों के आसपास इंसानों के साथ शांतिपूर्वक रह रहे हैं और अब उनके बसेरे छिनने का खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने इस स्थिति को जानवरों के प्रति क्रूरता बताते हुए लोगों से याचिका पर हस्ताक्षर करने और उनके समर्थन में आवाज उठाने का आग्रह किया है।

अपनी पोस्ट में अभिनेत्री ने एक पशु कल्याण पहल से जुड़े संगठन को टैग करते हुए लोगों को याचिका तक पहुंचने का रास्ता भी बताया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल इस मुद्दे को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और पशु कल्याण को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए किया है।

गौरतलब है कि शालिनी पांडे का यह कदम शहरी क्षेत्रों में इंसानों और जानवरों के बीच जिम्मेदार और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए उनके प्रति भावनात्मक रवैया अपनाने की याद भी दिला रहा है। फिलहाल उनके इस संदेश का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना और बेघर होने के खतरे का सामना कर रहे इन आवारा कुत्तों के संरक्षण के लिए आगे आने के लिए प्रेरित करना है। इस अपील के साथ शालिनी पांडे ने एक बार फिर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग पशु कल्याण से जुड़े एक महत्वपूर्ण मुद्दे को उजागर करने और अपने प्रशंसकों से इस नेक पहल में अपनी आवाज जोड़ने का आग्रह किया है।

'गजनी' फेम अभिनेता प्रदीप रावत का 74 वर्ष की आयु में निधन, सेलेब्स ने किया याद

फिल्म 'गजनी' फेम अभिनेता प्रदीप रावत का 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बुधवार दोपहर एक्टर का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। अभिनेता यशपाल शर्मा समेत जेनेलिया देशमुख ने भी उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से श्रद्धांजलि दी।

यशपाल शर्मा ने जताया दुख

अभिनेता यशपाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर यह दुखद खबर साझा की थी। यशपाल शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट साझा कर लिखा है, 'प्रदीप रावत, हमारे गजनी। 'लगान' के देवा को विनम्र श्रद्धांजलि'। बता दें कि फिल्म 'लगान' में प्रदीप रावत ने देवा सिंह सोढी का किरदार निभाया था।

जेनेलिया ने याद किया प्रदीप का किरदार

एक्ट्रेस जेनेलिया देशमुख ने प्रदीप रावत को सोशल मीडिया के जरिए याद किया। उन्होंने लिखा, ' फिल्म 'सई' में आपके अभिनय के लिए हम आपको हमेशा याद करेंगे। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने फिल्म से प्रदीप की फोटो को शेयर किया। बताते चलें इस फिल्म में जेनेलिया ने मुख्य किरदार निभाया था।

अभिनेता ठाकुर अनूप सिंह ने किया प्रदीप को याद

मराठी फिल्म 'धर्मरक्षक महावीर छत्रपति संभाजी महाराज' के अभिनेता ठाकुर अनूप सिंह ने भी दिवंगत प्रदीप रावत के याद कर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया। एक्टर ने लिखा, 'एक महान कलाकार के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है। 1990 में बचपन में आपको अश्वत्थामा का किरदार निभाते देखने से लेकर, गजनी के रूप देखने तक, और फिल्म अचारी अमेरिका यात्रा में आपके बेटे या धर्मरक्षक छ. संभाजी महाराज में आपके दुश्मन का किरदार निभाने तक, कैमरे के पीछे आप हमेशा मेरे लिए मार्गदर्शक और जीवन की चुनौतियों से लड़ने की प्रेरणा रहे हैं। जो लोग आपको जानते हैं, वे जानते हैं कि आपका सफर कितना लंबा रहा है, और मैं हमेशा आपसे जुड़ी यादों और सीखों को संजो कर रखूंगा।'

अजय देवगन और तनिषा मुखर्जी ने काजोल के जन्मदिन पर शेयर किए फनी मूमेंट्स

अभिनेत्री काजोल देवगन बुधवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनके परिवार के सदस्यों अजय देवगन और बहन तनिषा मुखर्जी ने सोशल मीडिया के जरिए जन्मदिन की बधाई दी। अभिनेता अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर काजोल के साथ वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में काजोल के हंसी वाले मूमेंट शामिल हैं। अभिनेता ने इस वीडियो के जरिए काजोल के लिए लिखा, पता चला कि मेरे सबसे अच्छे जोक्स को इतने सालों से वही ऑडियंस मिली है। हैप्पी बर्थडे, काजोल। अभिनेत्री काजोल की छोटी बहन तनिषा मुखर्जी ने भी जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम पर काजोल के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों फनी मूमेंट्स शेयर करती दिख रही हैं। तनिषा ने अपनी बहन के लिए लिखा, मेरी प्यारी कैडी (काजोल), तुम जिंदगी भर हंसती रहो। जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं मेरी प्यारी बहन। ढेर सारा प्यार।

अभिनेत्री की बात करें, तो कला उन्हें विरासत में मिली थी। दरअसल, अभिनेत्री की मां तनुजा बीते जमाने जानी-मानी अभिनेत्री थीं और पिता शोमू मुखर्जी एक जाने-माने फिल्म निर्माता और निर्देशक थे।

1992 से फिल्म 'बेखुदी' से करियर की शुरुआत करने के बाद, अभिनेत्री को 1993 की थ्रिलर फिल्म 'बाजीगर' से पहचान

मिली थी। उन्होंने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', और 'कभी खुशी कभी गम' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया। उन्हें छह बार फिल्मफेयर पुरस्कार और 2011 में पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है।

साल 1995 में फिल्म 'हलचल' के सेट पर काजोल और अजय देवगन की प्रेम कहानी की शुरुआत हुई। पहले दोस्ती और फिर प्यार परवान चढ़ा और लगभग चार साल डेटिंग के बाद, दोनों ने 24 फरवरी 1999 को मुंबई में अजय देवगन के आवास पर बहुत ही सादगी और निजी तरीके से शादी कर ली। आज उनके दो बच्चे, बेटी न्यासा और बेटा युग हैं।

शादी के कुछ सालों के बाद ब्रेक लेने के बाद, अभिनेत्री ने 2006 में फिल्म 'फना' से शानदार वापसी की और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। 2010 में, 'माई नेम इज खान' में बेहतरीन अभिनय किया। 2023 में, वेब सीरीज 'द ट्रायल' के जरिए डिजिटल स्ट्रीमिंग की दुनिया में कदम रखा।

कभी सूर्या से तीन गुना ज्यादा पैसे कमाती थीं ज्योतिका अभिनेता की कौन सी बात ने जीता दिल

ज्योतिका और सूर्या ने पहली बार एक फिल्म 'पूवेल्लम केतुप्पर' में साथ अभिनय किया। इस फिल्म के सेट पर ही दोनों की पहली मुलाकात हुई। इसी फिल्म के सेट पर दोनों के बीच दोस्ती हुई। धीरे-धीरे इनकी दोस्ती गहरी होती चली गई। आगे चलकर फिल्म 'काखा काखा' के निर्देशक को ज्योतिका ने सूर्या का नाम सुझाया। इस तरह इस फिल्म में दोनों ने साथ एक्टिंग की। फिल्म 'काखा काखा' के दौरान दोनों ने डेटिंग भी शुरू की।

कुछ साल तक डेट करने के बाद सूर्या और ज्योतिका ने 11 सितंबर 2006 को शादी कर ली। इस पावर कपल के दो बच्चे हैं, एक बेटा और एक बेटी। ज्योतिका ने करियर के मुश्किल वक्त में सूर्या का साथ दिया और हौसला बढ़ाया है। हाल ही में अपने

करियर और शादी-शुदा जीवन को लेकर ज्योतिका ने कई बातें साझा की हैं।

फीस में आए बदलाव पर क्या बोलीं ज्योतिका?

हालिया बातचीत में ज्योतिका कहती हैं, 'करियर के शुरुआती दौर में एक वक्त ऐसा था, जब मुझे सूर्या से तीन गुना ज्यादा पैसे मिलते थे।' फिर वह आगे हंसते हुए कहती हैं, 'अब 30 गुना कम पैसे मिलते हैं।' इस बात पर साथ बैठे अभिनेता और उनके पति सूर्या की हंसी छूट गई।

ज्योतिका को सूर्या की कौन सी खूबी पसंद आती है?

आगे अपने इंटरव्यू में ज्योतिका बताती हैं कि उन्हें सूर्या की कौन सी बात सबसे ज्यादा पंसद है। वह कहती हैं, 'आपको अपने साथ रहने वाली महिला की भावनाओं को समझना होगा। अगर वह खाना नहीं बनाना चाहती, तो न बनाए। ऐसी बातें तो हमने सुनी ही हैं, है ना? मैं यहां फेमिनिस्ट बनने की कोशिश नहीं कर रही हूं। लेकिन घर में हम दोनों बराबर हैं।'

वह आगे कहती हैं, 'यह बात किसी पुरुष के मन में गहराई से बसी सच्ची भावना से ही आती है। सूर्या में यह खूबी है। अगर मैं कभी खाना बनाती हूं तो वह किचेन में आकर मेरे साथ खाना बनाते हैं। हम हर काम साथ मिलकर करते हैं।' ज्योतिका ने यह भी बताया कि इसी तरह कई कामों में सूर्या उनकी मदद करते हैं।

शादी से पहले बच्चा गोद लेना चाहती हैं आम्रपाली दुबे, बचपन की ख्वाहिश का किया जिक्र

एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और एक्टर निरहुआ दोनों ही इन दिनों रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में दिखाई दे रहे हैं। इसी शो के दौरान एक्ट्रेस ने मां बनने की इच्छा जताई। आम्रपाली जब अपनी इस इच्छा का इजहार कर रही थीं तब वहां एक्टर निरहुआ भी मौजूद थे। जानें क्यों शादी के पहले मां बनना चाहती हैं एक्ट्रेस

आम्रपाली दुबे ने बताई अपनी इच्छा

हाल ही में भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' के एपिसोड में निरहुआ के साथ थीं। इसी दौरान उन्होंने अपनी जल्द से जल्द मां बनने की इच्छा जताई। उन्होंने निरहुआ से बताया कि वह एक बेटी गोद लेना चाहती हैं। यह सुन कर निरहुआ कुछ हैरान से हो गए। उन्होंने एक्ट्रेस से पूछा कि उनके मन में यह बात कहां से आई। इसपर आम्रपाली ने कहा कि वह हमेशा से यह चाहती थीं।

मुझे एहसास हुआ मैं यही चाहती हूं

आम्रपाली दुबे ने निरहुआ को अपनी बात समझाते हुए कहा, 'ये एक दिन की बात नहीं है। मैं बहुत पहले से चाहती हूं। मेरी फैमिली में कजिन्स के जितने भी बच्चे हैं उन्हें देखकर मुझे मां बनने की फीलिंग आती है। मैं बच्चों के सारे काम कर सकती हूं।' 'पहले मुझे लगता था ये सिर्फ फीलिंग्स है। लेकिन फिर एहसास हुआ कि मैं ऐसा चाहती हूं। मेरे अंदर जो ममता है, उसे कोई बच्चा डिजर्व करता है।'

निरहुआ ने कहा आसान नहीं होगा निर्णय

आम्रपाली की पूरी बात सुनने के बाद निरहुआ ने उन्हें कहा, एक बात सोच लेना ये आसान नहीं होगा। हम लोगों के भी बच्चे हैं। हम लोग काम पर इसलिए फोकस कर पाते हैं, क्योंकि हमारे बच्चों को संभालने के लिए घर में कोई है। तुम एक भोजपुरी एक्ट्रेस हो सफल हो। काम के साथ बच्चे पर ध्यान कैसे रखोगी।' इसपर एक्ट्रेस ने कहा कि बच्चे के आने के बाद वह चुनिंदा काम ही लेंगी। इसके साथ ही वह अपने परिवार की मदद वह बच्चे की परवरिश में परिवार का सहयोग लेंगी।

निकिता रावल ने उठाए रणबीर के 'राम' बनने पर सवाल बीफ बयान पर बोलीं- 'लोगों की भावनाओं के साथ खेला है'

अभिनेता रणबीर कपूर, नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' में राम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म दिवाली 2026 पर रिलीज होने जा रही है पर इससे पहले ही रणबीर का नाम चर्चा में हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स रणबीर को उनके एक पुराने बयान पर ट्रोल कर रहे हैं। वहीं अभिनेत्री निकिता रावल ने भी भगवान राम जैसे आदर्श व्यक्तित्व के रोल में रणबीर कपूर की कास्टिंग को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

एक्ट्रेस ने कहा- बॉयकॉट होना चाहिए

एक्ट्रेस निकिता रावल ने मामले पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि फिल्म 'रामायण' में राम के किरदार के लिए अभिनेता रणबीर कपूर सही विकल्प नहीं हैं क्योंकि उन्होंने एक पुराने इंटरव्यू में बीफ खाने की बात स्वीकारी थी।

एक इंटरव्यू में निकिता बोलीं, 'उन्होंने लाखों लोगों की भावनाओं

के साथ खेला है। सीधा बोल रहे हैं कि मैं बीफ खाता हूं। फिर वही श्री राम का किरदार निभा रहे हैं। वो क्या मैसेज देंगे, मुझे लगता है कि उनका बॉयकॉट होना चाहिए।' मैं ये #boycottranbirkapoor चलाती रहूंगी।'

'अपने पुराने बयान पर मांफी मांगें'

अपनी बातचीत को आगे बढ़ाते हुए निकिता ने कहा, 'अगर रणबीर को लगता है कि उनसे गलती हुई है। इस किरदार को निभाने के पहले उन्होंने लोगों को बीफ वाले बयान से जो दुख पहुंचाया है उसके लिए मांफी मांगें। कह दें कि गलती हुई है। हम सभी में माफ कर देने की भावना है। यह भारत है, यहां लोगों को माफ कर दिया जाता है।'

क्या कहा था रणबीर ने?

बता दें कि अभिनेता रणबीर कपूर ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें बीफ खाना पसंद है। उनका यह वीडियो बीते कई वर्षों से वायरल है। मगर एक्टर के राम का किरदार निभाने के बाद एक बार फिर इस बयान का विरोध किया जाने लगा। फिलहाल रणबीर ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। उनकी तरफ से मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

'रामायण' के बारे में

फिल्म 'रामायण' मेगा बजट फिल्म है, जिसे करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत के साथ बनाया जा रहा है। रणबीर कपूर इसमें भगवान राम की भूमिका अदा कर रहे हैं, वहीं साई पल्लवी को माता सीता के रोल में देखा जाएगा।

यश रावण का किरदार निभाते दिखेंगे और सनी देओल प्रभु हनुमान की भूमिका में होंगे।

फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, कुणाल कपूर, लारा दत्ता, अरुण गोविल और शीबा चड्ढा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। दो हिस्सों में रिलीज होने वाली इस फिल्म का पहला भाग इस साल दिवाली पर रिलीज होगा।

मल्लिका शेरावत के साथ नजर आए तेज प्रताप यादव

बिहार की राजनीति में अपने अलग अंदाज और बेबाक बयानों के लिए पहचाने जाने वाले जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव इन दिनों मनोरंजन जगत में अपनी मौजूदगी को लेकर लगातार चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' के जरिए लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा और अब एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर उन्होंने फिर सुर्खियां बटोर ली हैं। इस वीडियो में तेज प्रताप बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत के साथ नजर आ रहे हैं। दोनों को एक साथ देखकर इंटरनेट पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

दरअसल, तेज प्रताप यादव ने अपने आधिकारिक एक्स टाइमलाइन पर यह वीडियो साझा किया है। वीडियो में वह अभिनेत्री मल्लिका शेरावत के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं। दोनों के बीच बातचीत होती नजर आ रही है। वीडियो में तेज प्रताप अपने मोबाइल फोन में मल्लिका शेरावत को कुछ दिखा रहे हैं, वहीं

मल्लिका भी पूरे ध्यान से मोबाइल की ओर देखती हैं और बीच-बीच में तेज प्रताप से बातचीत करती दिखाई देती हैं।

इस वीडियो को और खास बनाने के लिए इसके बैकग्राउंड में फिल्म 'धुरंधर' का रोमांटिक गाना 'गहरा हुआ' लगाया गया है। गाने के साथ तैयार किया गया यह छोटा वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है।

तेज प्रताप यादव ने वीडियो के साथ यह जानकारी साझा नहीं की है कि उनकी और मल्लिका शेरावत की यह मुलाकात कब और किस मौके पर हुई, लेकिन उन्होंने कैप्शन के जरिए कुछ दिलचस्प सा संकेत जरूर दिया है।

उन्होंने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, "जल्द ही कुछ रोमांचक आने वाला है।"

वीडियो के सामने आने के बाद कई लोग इसे किसी शूटिंग या कार्यक्रम के दौरान हुई मुलाकात मान रहे हैं, जबकि कुछ लोग इसे 'भोजपुरी बवाल' से जोड़कर भी देख रहे हैं।

दरअसल, तेज प्रताप यादव ने रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में हिस्सा लिया है। शो के एक एपिसोड में उन्होंने भोजपुरी फिल्म उद्योग पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्मों में पहले अच्छी और पारिवारिक कहानियां देखने को मिलती थीं, लेकिन अब उनमें अश्लीलता बढ़ गई है। उन्होंने इच्छा जताई थी कि अगर उन्हें कभी मौका मिला तो वह भोजपुरी सिनेमा को उसकी पुरानी पहचान दिलाने की कोशिश करेंगे।

'भोजपुरी बवाल' में तेज प्रताप यादव के साथ भोजपुरी सिनेमा के कई बड़े सितारे भी नजर आ रहे हैं। इनमें पवन सिंह, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं।

तेजस्वी यादव नहीं चाहते तो क्या जीत जाते पीके

क्या जन सुराज को मिला आरजेडी का साइलेंट सपोर्ट?

पटना, 5 अगस्त (एजेंसियां)। क्या बांकीपुर उपचुनाव यदि तेजस्वी यादव नहीं चाहते तो क्या प्रशांत किशोर जीत जाते? इस सवाल के पीछे की मंशा को समझना होगा। प्रशांत किशोर बांकीपुर उपचुनाव भारी बहुमत से जीत गए हैं। लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान प्रशांत किशोर का लालू परिवार पर हमले से बचना और तेजस्वी यादव का जान- बूझकर प्रचार में लेट एंट्री मारना। क्या ये सब एक प्लानिंग के तहत किया गया? क्या बीजेपी को हराने के लिए तेजस्वी यादव ने पीके की मदद करने की पहले ही ठान ली थी। यदि ऐसा है, तो ये किसी चमत्कार से कम नहीं। क्योंकि खुद लालू प्रसाद यादव ऐसा मानते हैं कि बिहार में किसी अन्य युवा नेता की बढ़ोतरी से तेजस्वी की राह में रोड़ा आएगा।

अब जब तेजस्वी यादव ने यदि सच में ऐसी मदद की है, तो ये बहुत बड़ी बात है। वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी कहते हैं कि प्रशांत किशोर की जीत के बाद बिहार में नया राजनीतिक समीकरण बनेगा। क्या ये बात

प्रशांत किशोर और तेजस्वी यादव

सच होने जा रही है? राजनीतिक मामलों के जानकार और वरिष्ठ पत्रकार पुष्प मित्र कहते हैं कि एक-सवा महीने पहले की बात है। बिहार के एक सीनियर कांग्रेसी नेता से मिलने उनके घर गया था। बात प्रशांत किशोर के चुनाव लड़ने की होने लगी। मैंने तब कहा था कि लगता है पीके चुनाव में उतरने से कतरा रहे हैं।

पुष्प मित्र बताते हैं कि उन्होंने इस बात पर पीके को मैसेज कर दिया और तभी पीके का फोन आ गया। पीके ने उस वक्त उस नेता से कहा था कि आप तेजस्वी से कहिये कि मुकाबला सीधे रहने दें। विपक्ष का वोट बंट जाएगा तो दिक्कत होगी। तब उन्होंने कहा, हम लोग तो हंड्रेड परसेंट आपके साथ हैं। तेजस्वी से भी बात करेंगे। यानी कांग्रेस नेता ने कहा कि वे लोग उनके साथ हैं। तेजस्वी से इस मामले में बातचीत की जाएगी। उनकी तेजस्वी से बात हुई या नहीं, मगर तेजस्वी और राजद ने बांकीपुर में ऐसा चुनाव लड़ा, जैसे औपचारिकता कर रहे हों।

पुष्प मित्र का कहना है कि मेरा अभी भी मानना है कि अगर तेजस्वी जमकर चुनाव लड़ते तो बीजेपी जीतती और पीके तीसरे नंबर पर होते। विपक्ष का 60 से 70 परसेंट वोट अगर प्रशांत किशोर को मिला है तो इसमें तेजस्वी का बड़ा योगदान है। इसलिए, जो लोग आज तेजस्वी को ट्रोल कर रहे हैं, मैं उनसे सहमत नहीं हूं। बीजेपी को हराने के नाम पर उसने एक तरह से पीके का साथ दिया है। इसलिए पीके भी पूरे चुनाव में राजद और तेजस्वी पर कम से कम हमलावर रहे। यह और बात है कि जन सुराज आगे बढ़ेगा तो राजद का स्पेस लेगा। लेकिन फिलहाल तो तेजस्वी ने उनकी मदद ही की है।

वहीं इस मामले पर बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता और पूर्व पत्रकार असित नाथ तिवारी कहते हैं कि प्रशांत किशोर की जीत न तो एतिहासिक है और ना ही इस जीत का कोई भविष्य है। ये परिस्थितिजन्य जीत है। कुछ ऐसी स्थितियां बनीं कि वो जीत गए। इस चुनाव ने ये संकेत दिया कि लोग बदलाव चाहते हैं और बदलाव के लिए कांग्रेस का चुनाव चाहते हैं।

अब हेमंत सोरेन की मुश्किल बढ़ाएगी कॉकरोच जनता पार्टी

सीजेपी चीफ अभिजीत दीपके का झारखंड आने का ऐलान

रांची, 5 अगस्त (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बुधवार को कहा कि वह झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा और अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में झारखंड जाएंगे। जाहिर है कि दीपके के इस ऐलान से सीएम हेमंत सोरेन सरकार की मुश्किल बढ़ सकती है। इसकी वजह ये है कि जेपीएससी को लेकर परीक्षार्थियों का गुस्सा झारखंड से खत्म नहीं हो रहा। दीपके ने अपने गृह नगर छत्रपति संभाजीनगर में सीजेपी की कोर टीम की बैठक से पहले संवाददाताओं से कहा कि फिलहाल उनका युवा आंदोलन दबाव बनाने वाले समूह के रूप में काम करेगा क्योंकि इस समय भारत को इसकी जरूरत है। उन्होंने कहा कि बैठक में, मीडिया और न्यायपालिका जैसी संस्थाओं पर लोगों के घटते भरोसे पर चर्चा की जाएगी।

पीडीए के पीडी का मतलब 'पीड़ित पंडित'

कृष्ण-सुदामा का जिक्र कर अखिलेश ने भाजपा को घेरा, दिया बड़ा संदेश

लखनऊ, 5 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पूरी तरह से चुनावी मोड में आ गए हैं। यूपी चुनाव 2027 को लेकर वे अभी से ही तमाम समीकरणों को साधने में जुटे हैं। इस क्रम में उन्होंने पीडीए राजनीति पर बड़ा दावा कर दिया है। उन्होंने कृष्ण और सुदामा की दोस्ती का जिक्र करते हुए ब्राह्मण समाज के प्रति मन में हमेशा सम्मान का भाव देने की बात कही। अखिलेश यादव ने अब पीडीए के पी का मतलब पीड़ित पंडित बताया है। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले अखिलेश यादव ने पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक को साधते हुए पीडीए पॉलिटिक्स को धार दी थी। लोकसभा चुनाव में उन्हें भाजपा को इस राजनीति से बैकफुट पर धकेलने में कामयाबी मिली। अब पीडीए पॉलिटिक्स में वे पिछड़ा के साथ-साथ पंडित समाज को जोड़ते दिख रहे हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमलावर रुख अपनाते हुए कहा कि जो लोग पीडीए की

बात करते हैं और इसकी नई-नई परिभाषा बनाते हैं, वे लोग पीडीए का असली अर्थ नहीं जानते। दूसरी-दूसरी परिभाषा बनाने वाले लोग जान लें कि पीडीए में पीडी जो है, वह पंडित का शॉर्ट फॉर्म है। अखिलेश यादव ने कहा कि आप जितनी पीड़ा दोगे, उतना ही पीडीए और मजबूत दिखाई देगा। अखिलेश यादव इस बयान के जरिए प्रदेश के ब्राह्मण वोट बैंक को साधते दिखे हैं।

जनेश्वर मिश्र की जयंती के मौके पर अखिलेश यादव ने ब्राह्मण समाज को साधने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने भगवान कृष्ण और सुदामा की दोस्ती का जिक्र किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कहा कि भगवान कृष्ण और सुदामा की दोस्ती आज की नहीं है। यह हजारों-हजार साल पुरानी है। आज भी जब देश-दुनिया में दोस्ती का जिक्र होता है तो कृष्ण-सुदामा का जिक्र जरूर किया जाता है। सपा अध्यक्ष ने ब्राह्मण समाज को साधते हुए समाजवादी पार्टी में ब्राह्मणों की अहमियत और सम्मान का जिक्र किया।

अखिलेश ने कहा कि दोस्ती हम लोग ऐसे भी करते हैं, किसी की परवाह नहीं करते। जिन्होंने महाभारत पढ़ी होगी, उन्हें जानकारी होगी। समाजवादी पार्टी ने कृष्ण-सुदामा की दोस्ती को आधार बनाते हुए ब्राह्मण समाज को हमेशा सम्मान दिया है।

अखिलेश यादव की नजर प्रदेश के ब्राह्मण वोट बैंक पर है। ब्राह्मणों की सरकार से कथित नाराजगी का मुद्दा एक बार समाजवादी पार्टी और विपक्षी दल छेड़ते दिख रहे हैं।

पिछले दिनों संसद भवन परिसर में पप्पू यादव के राम मंदिर दान चोरी ड्रामा मामले में बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी सांसदों का नाम सामने आया।

रांची में जंतर-मंतर जैसा धरना 7 प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर

एक ने पानी तक छोड़ा था, वांगचुक की अपील पर पिया, 7 अगस्त को विधानसभा घेरेंगे

रांची, 5 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ जंतर-मंतर जैसा आंदोलन चल रहा है। 7 से ज्यादा प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर हैं। इनमें छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने 2 अगस्त से अन्न-जल छोड़ रखा था। बुधवार को सोनम वांगचुक ने देवेंद्र से वीडियो कॉल पर बात की। उनकी अपील पर देवेंद्र ने पानी पिया, लेकिन कहा कि उनका अनशन जारी रहेगा।

वहीं एसडीएम कुमार रजत और एडीएम धनंजय कुमार प्रदर्शनकारी उम्मीदवारों से मिलने के लिए मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री की ओर से प्रदर्शनकारियों के 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिए बुलाया। प्रदर्शनकारी उम्मीदवारों ने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ कोई भी बातचीत सिर्फ छात्रों के बीच ही होगी। प्रदर्शनकारी उम्मीदवारों ने प्रस्ताव पर विचार-विमर्श करने के लिए 2 घंटे का समय मांगा है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी समेत कई भाजपा के विधायक जयपाल सिंह मुंडा भी स्टेडियम पहुंचे। यहां उन्होंने अनशन पर बैठे छात्रों से मुलाकात कर बातचीत की। उन्होंने कहा कि एग्जाम में भारी गड़बड़ी हुई है। जेपीएससी ने नौकरी बेचा है। मैंने आज सर्वदलीय बैठक में भी साफ कहा है कि एग्जाम रद्द करें। हम झारखंड के युवाओं के साथ हैं। ये मांग पूरे झारखंड की है।

छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 7 अगस्त को झारखंड विधानसभा का घेराव करेंगे। ये प्रदर्शन रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 12 दिन से चल रहा है।

छात्र जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल समेत दूसरी भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच, दोषियों पर कार्रवाई और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं।

कैराना से हिंदुओं को भगाने का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

शामली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। शामली में बुधवार दोपहर दिनदहाड़े हुई मुठभेड़ में एक लाख का इनामी बदमाश मोहम्मद फुरकान मारा गया। उसने पुलिस को देखते ही कार्बाइन और पिस्टल से करीब 5 राउंड ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। मुठभेड़ में एक सिपाही के पेट में गोली लगी है। इसके बाद पुलिस टीम ने खुद को बचाते हुए जवाब दिया। इस दौरान फुरकान को गोली लगी और वह गिर गया। फुरकान और सिपाही को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बदमाश को मृत घोषित कर दिया। जबकि सिपाही को मेरठ रेफर कर दिया गया। फुरकान 4 साल से फरार चल रहा था। 12 साल पहले उसने शामली के ही कैराना में बीच बाजार व्यापारी नेता विनोद सिंघल की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उस पर लूट-हत्या, रंगदारी के 30 केस दर्ज हैं। फुरकान (50) मुकीम काला गैंग का एक्टिव बदमाश था।

हाउस टैक्स बढ़ोतरी के खिलाफ व्यापारियों का ऐलान-ए-जंग

आज से अनिश्चितकालीन धरना

गाजियाबाद, 5 अगस्त (एजेंसियां)। नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स में की गई बढ़ोतरी के विरोध में गाजियाबाद के व्यापारियों ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। व्यापारियों की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 6 अगस्त से नवयुग मार्केट में शांतिपूर्ण अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। व्यापारियों का कहना है कि जब तक बढ़ा हुआ हाउस टैक्स वापस नहीं लिया जाता या राहत देने वाला कोई ठोस निर्णय नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस आंदोलन को गाजियाबाद आरडब्ल्यूए फेडरेशन ने भी अपना समर्थन दिया है।

बैठक में तय किया गया कि 6 अगस्त से प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक नवयुग मार्केट में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। व्यापारियों का कहना है कि नगर निगम द्वारा बढ़ाया गया हाउस टैक्स पूरी तरह अव्यावहारिक है और इससे

व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों पर भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है।

व्यापारियों ने मांग की कि हाउस टैक्स में की गई बढ़ोतरी तत्काल वापस ली जाए और कर निर्धारण की पूरी प्रक्रिया की दोबारा समीक्षा कर लोगों को राहत दी जाए।

बैठक में गाजियाबाद आरडब्ल्यूए फेडरेशन के चेयरमैन आर.के. गर्ग अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि बढ़ा हुआ हाउस टैक्स केवल व्यापारियों का नहीं, बल्कि पूरे शहर के नागरिकों का मुद्दा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आरडब्ल्यूए फेडरेशन इस जनहित की लड़ाई में व्यापारियों के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा।

आर.के. गर्ग ने यह भी घोषणा की कि व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ जल्द ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर हाउस टैक्स वृद्धि और शहर की अन्य जनसमस्याओं को उठाया जाएगा। बैठक के संयोजक एवं सर्राफा एसोसिएशन के संरक्षक राज किशोर गुप्ता ने कहा कि 6 अगस्त से शुरू होने वाला धरना तब तक जारी रहेगा, जब तक नगर निगम बढ़े हुए हाउस टैक्स को वापस नहीं लेता या इस संबंध में कोई सकारात्मक निर्णय नहीं करता। उन्होंने शहर के सभी व्यापारी संगठनों और नागरिकों से आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि यह केवल व्यापारियों का नहीं, बल्कि पूरे गाजियाबाद के लोगों के हितों से जुड़ा मुद्दा है।

बैठक में आरडब्ल्यूए फेडरेशन के चेयरमैन आर.के. गर्ग के अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतीश शर्मा, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता अभिषेक गर्ग, प्रीतम लाल, सुभाष गुप्ता, सुभाष छावड़ा, मनवीर नागर, रजनीश बंसल, मुनेन्द्र आर्य, हरवीर गांधी, आर.के. आर्या, राज किशोर गुप्ता, गौरव बंसल, सुनील चाचा और राजू छावड़ा समेत बड़ी संख्या में व्यापारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पत्नी का था अफेयर पति ने की प्रेमी की हत्या

कुंडिया सिंकू हत्याकांड का खुलासा तीन आरोपी गिरफ्तार, डंडे बरामद

चाईबासा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुमारडुंगी थाना क्षेत्र के पातरहातु गांव में 53 वर्षीय कुंडिया सिंकू की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किए गए तीन लकड़ी के डंडे भी बरामद किए हैं। आरोपियों में मंगल हेम्ब्रम उर्फ मंगल सिंह हेम्ब्रम (38), कुशन हेम्ब्रम (45) और गणेश हेम्ब्रम (29) शामिल हैं। एसडीपीओ जगन्नाथपुर रफायल मुर्मू ने बताया कि कुंडिया सिंकू का आरोपी कुशन हेम्ब्रम की पत्नी के साथ लव अफेयर था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था।

रंजिश बढ़ने पर तीनों आरोपियों ने मिलकर कुंडिया सिंकू की डंडे से पीटकर उसकी हत्या कर दी। मृतक की पत्नी मनीती कुई के आवेदन पर कुमारडुंगी थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। एसडीपीओ ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की जांच पूरी कर ली गई है।

सीएसएमसीएल घोटाला, अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत

सुनवाई पूरी होने तक छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा, अधिकारियों को देंगे अपना पता-फोन नंबर

रायपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। शराब घोटाले से जुड़े छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड घोटाला (सीएसएमसीएल) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कारोबारी अनवर ढेबर को अंतरिम जमानत दे दी है। हालांकि, कोर्ट ने जमानत के साथ सख्त शर्त भी लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि ट्रायल के दौरान अनवर ढेबर छत्तीसगढ़ से बाहर रहेंगे। इसके साथ ही उन्हें अपने रहने का पता और मोबाइल नंबर संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराना होगा। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने की है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि ट्रायल के दौरान जब भी अदालत बुलाएगी, अनवर ढेबर को पेश होना होगा। सुनवाई के दौरान अनवर ढेबर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने पक्ष रखा, जबकि छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी ने पैरवी की।

इस सुनवाई के दौरान सरकार के पक्ष के वकील ने कोर्ट से कहा कि यदि अनवर ढेबर छत्तीसगढ़ में रहते हैं तो गवाहों को प्रभावित करने की आशंका है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार करते हुए जमानत की शर्त के रूप में उन्हें राज्य से बाहर रहने का निर्देश दिया। साथ ही अधिकारियों को अपना वर्तमान पता और संपर्क नंबर देने के लिए भी कहा गया है।

इससे पहले 13 मई को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अनवर ढेबर की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि पहली नजर में रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री से राज्य सरकार के निगम में गहराई तक फैले एक संगठित भ्रष्टाचार तंत्र का संकेत मिलता है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि सार्वजनिक धन से जुड़े आर्थिक अपराध सामान्य अपराधों की तुलना में अधिक गंभीर होते हैं। ऐसे मामलों में बड़े पैमाने पर जनता के पैसे के नुकसान और सुनियोजित साजिश की आशंका रहती है, जिसका असर व्यापक स्तर पर पड़ता है।

नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी कामयाबी

तीन इनामी नक्सली गिरफ्तार, एके-47 राइफल-एक पिस्टल, कई कारतूस बरामद

सरायकेला, 5 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच सरायकेला-खरसावां जिले से एक बड़ी सफलता की खबर सामने आ रही है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, जिला पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने विशेष अभियान चलाकर तीन इनामी नक्सलियों को गिरफ्तार किया है।

हालांकि, इस कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि अभी तक पुलिस की ओर से नहीं की गई है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए नक्सलियों में 15 लाख रुपए का इनामी मदन महतो, 5 लाख रुपए का इनामी रवि सरदार तथा उसकी पत्नी दो लाख रुपए की इनामी मीणा शामिल हैं। बताया जा रहा है कि तीनों प्रतिबंधित

नक्सली संगठन से जुड़े हुए थे और लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की वांछित सूची में शामिल थे। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को इन नक्सलियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त रूप से योजनाबद्ध तरीके से अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। अभियान के दौरान कांड्रा थाना क्षेत्र के उदयपुर से रवि सरदार को गिरफ्तार किया गया, जबकि चांडिल थाना क्षेत्र के कांदरबेड़ा से मदन महतो और मीणा को हिरासत में लिया गया। पूरे ऑपरेशन को अत्यंत गोपनीय रखा गया ताकि कार्रवाई से पहले किसी भी प्रकार की सूचना न लीक हो सके।

छत्तीसगढ़ में बीईएमएल लगाएगी भारी मशीन बनाने का प्लांट

कैबिनेट बैठक के फैसले, पीडब्ल्यूडी के काम होंगे ऑनलाइन, 500 करोड़ के एआई मिशन को मंजूरी

रायपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। मंत्रालय महानदी भवन में आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। मीटिंग में डिजिटल तकनीक, उद्योग, सड़क, वित्त और बिजली से जुड़े कई अहम फैसलों को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट बैठक में 500 करोड़ रुपए के एआई मिशन, बीईएमएल के भारी मशीन निर्माण संयंत्र, गांवों की सड़क योजना में बदलाव, सरकारी योजनाओं की नई भुगतान व्यवस्था और बिजली कंपनी के लिए 200 करोड़ रुपए के बॉन्ड समेत 7 अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। सरकार का कहना है कि इन फैसलों से निवेश बढ़ेगा, रोजगार के नए अवसर बनेंगे और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता के साथ तेजी आएगी।

कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

(एआई) मिशन को मंजूरी दे दी है। यह मिशन अगले 5 साल तक चलाया जाएगा, जिस पर 500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसका उद्देश्य सुशासन को मजबूत करना, नई तकनीक को बढ़ावा देना और युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना है। मिशन के तहत राज्य में 100 एआई डेटा लैब स्थापित की जाएंगी। साथ ही 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाए जाएंगे, जहां एआई से जुड़ा शोध और प्रशिक्षण दिया जाएगा। सरकार 300 से अधिक एआई स्टार्टअप को सहायता देगी, ताकि राज्य में नए तकनीकी कारोबार को बढ़ावा मिल सके।

इसके अलावा 6 लाख छात्रों और 1.5 लाख सरकारी कर्मचारियों को एआई की ट्रेनिंग दी जाएगी। सरकारी सेवाओं को अधिक तेज और आसान बनाने के लिए 50 से ज्यादा एआई आधारित सेवाएं भी विकसित की जाएंगी। कैबिनेट ने भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) को रियायती दर पर जमीन आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में पहली बार भारी मशीन (हेवी अर्थ मूविंग इक्विपमेंट) बनाने का प्लांट स्थापित किया जाएगा।

इस प्लांट के शुरू होने से राज्य में पहली बार भारी मशीन निर्माण उद्योग की शुरुआत होगी। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। मशीन निर्माण से जुड़े एमएसएमई उद्योगों को कारोबार और सप्लाई के नए मौके मिलेंगे, जिससे स्थानीय उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा।

हाथी के दांत लेकर झारखंड से आया था तस्कर

वन विभाग की टीम ने तीन को किया गिरफ्तार, मिली थी खुफिया जानकारी

बलरामपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में वन विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन वन्यजीव तस्करों को गिरफ्तार किया है। टीम ने हाथी के दांत की तस्करी के आरोप में तीनों को गिरफ्तार किया है। तीन तस्करों की गिरफ्तारी की जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी है।

मामले की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो मध्य क्षेत्र भोपाल, राज्य उड़न दस्ता दल रायपुर तथा बलरामपुर वनमंडल के संयुक्त दल को सोमवार को हाथी दांत की तस्करी करने की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद वन्य जीव अपराध ब्यूरो और वन विभाग के दल ने जिला मुख्यालय रामानुजगंज के एक धर्मशाला में छापा मारा और तीन लोगों को पकड़ा।

इनमें झारखंड के पलामू जिले के निवासी संतोष कुमार विश्वकर्मा, रामानुजगंज निवासी अजय कुमार गुप्ता और सतेन्द्र कुमार रजक शामिल हैं। बाद में पूछताछ करने और तलाशी लेने पर तीन हाथी दांत बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि तीनों आरोपियों को स्थानीय अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि संतोष कुमार विश्वकर्मा हाथी के दांत झारखंड से बेचने के लिए बलरामपुर लेकर आया था। हालांकि, ये दांत किस हाथी से प्राप्त किए गए हैं इनका खुलासा नहीं हुआ है। वन विभाग की टीम यह पता लगाने में जुटी हुई है। वन विभाग अब यह भी जांच कर रहा है कि इस तस्करी गिरोह से और कौन-कौन लोग जुड़े हैं। आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सपा सांसद बर्क ने भीड़ को उकसाया था

संभल, 5 अगस्त (एजेंसियां)। संभल में 24 नवंबर, 2024 को हुई हिंसा पहले से तय साजिश का नतीजा थी। न्यायिक आयोग ने अपनी जांच रिपोर्ट में यह बात कही। हिंसा के पीछे संभल सांसद जिया-उर-रहमान बर्क, संभल विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल, जामा मस्जिद इंतेजामिया कमेटी के अध्यक्ष जफर अली, सचिव मशहूद अली फारुकी, उपाध्यक्ष लुकमान खान, अधिवक्ता कासिम जमाल समेत इंतेजामिया समिति के अन्य सदस्यों की भूमिका सामने आई है।

आयोग ने कहा कि कोर्ट के आदेश पर हो रहे सर्वे को रोकने और राजनीतिक वर्चस्व बनाए रखने के उद्देश्य से भीड़ को भड़काया गया था। आयोग ने 199 गवाहों के बयान, फोरेंसिक रिपोर्ट, वीडियो, दस्तावेज और पुलिस रिकॉर्ड के आधार पर जांच रिपोर्ट तैयार की।

सेंसेक्स 152 अंक चढ़कर 78,581 पर बंद : निफ्टी 10 अंक चढ़ा

रियल्टी-ऑटो और मेटल शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 05 अगस्त को तेजी रही। सेंसेक्स 152 अंक चढ़कर 78,581 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 10 अंक की तेजी रही, यह 24,624 के स्तर पर बंद हुआ। रियल्टी-ऑटो और मेटल शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी हुई है। एशियाई बाजारों में भी तेजी रही।

कल भारतीय शेयर बाजार में गिरावट रही थी

आज यानी 04 अगस्त को सेंसेक्स 210 अंक गिरकर 78,428 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 159 अंक की गिरावट रही, यह 24,614 के स्तर पर बंद हुआ।

5 महीने में दाल 8, तेल 6 रुपये महंगा हुआ

दूध-चीनी समेत राशन की 99% चीजों के दाम बढ़े

मुंबई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। 28 फरवरी से 3 अगस्त तक, यानी पिछले 5 महीनों में आम आदमी के खाने-पीने का खर्च तेजी से बढ़ा है। 28 फरवरी वही दिन है, जब अमेरिका-ईरान-इजराइल में जंग शुरू हुई थी। उपभोक्ता मामले विभाग के प्राइस मॉनिटरिंग सिस्टम के मुताबिक इन 5 महीनों में 16 मुख्य खाद्य वस्तुओं में से 15 के दाम बढ़े हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा तेजी दालों और तेल में रही। इसके अलावा चना दाल 4.65 प्रति किलो, अरहर दाल 5.96, उड़द 5.71, चीनी 2.25, मूंग दाल 4.55 प्रति किलो और दूध 3, सरसों तेल 7.56 प्रति लीटर महंगा हुआ। चावल के दाम 1.57 और नमक के 0.85 प्रति किलो बढ़े, जबकि आटे की कीमतों में 0.22 की मामूली बढ़ोतरी हुई है।

चीनी के दाम बढ़ने के पीछे एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने की लगातार ऊंची मांग और चीनी उत्पादन में अपेक्षाकृत कमी को प्रमुख कारण माना जा रहा है। वहीं, गेहूं के पर्याप्त सरकारी भंडार और बाजार में बेहतर उपलब्धता से इसके दाम दबाव में रहे, जिससे आटे की कीमत भी लगभग स्थिर बनी रही।

अगस्त से त्योहारी सीजन बढ़ाएगा दाम

विशेषज्ञों का कहना है कि दालों की कीमतों में तेजी की सबसे बड़ी वजह इस बार कमजोर और असमान मानसून है। जुलाई के अंत तक खरीफ दालों का रकबा पिछले साल से करीब 7% कम रहा, जिससे उत्पादन घटने और आयात बढ़ने की आशंका से बाजार में कीमतें चढ़ीं। अब अगस्त से शुरू हो रहे रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेशोत्सव, नवरात्र और दीपावली जैसे त्योहारों के दौरान दाल और खाद्य तेलों की मांग बढ़ने की संभावना है। अगर वैश्विक स्तर पर कीमतों और आयात लागत में नरमी नहीं आती है, तो इन दोनों कैटेगरी की कीमतों पर आगे भी दबाव बने रहने की आशंका दिख रही है।

बड़ी वजह-ईरान जंग, कमजोर मानसून और दुनिया में बढ़े दाम

इंफोमेरिक रेटिंग में चीफ इकोनॉमिस्ट डॉ. मनोरंजन शर्मा के मुताबिक दालों और खाद्य तेलों की कीमतों पर अभी दबाव बना हुआ है। कमजोर मानसून के कारण खरीफ बुवाई का रकबा घटने से दालों के उत्पादन को लेकर चिंता बढ़ी है। वहीं, खाद्य तेलों में भारत की आयात निर्भरता, अंतरराष्ट्रीय बाजार में पाम और सोया तेल की कीमतों में तेजी, पश्चिम एशिया में जियो पॉलिटिकल टेंशन के कारण आयात की लागत बढ़ गई है।

गाड़ी का बीमा नहीं तो पेट्रोल-डीजल न मिले

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश-नई कारों का बीमा 4 और बाइक के लिए 6 साल का हो

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जिस गाड़ी का थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस नहीं है, तो उसे पेट्रोल-डीजल ना दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को यह पायलट प्रोजेक्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। इसके तहत बीमा न होने पर पेट्रोल पंपों पर गाड़ियों को फ्यूल देने से मना कर दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने इसके साथ ही नई गाड़ियों के लिए अनिवार्य थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस की समय सीमा भी बढ़ा दी है। आइए सवाल-जवाब में समझते हैं कि कोर्ट का निर्देश क्या है, यह कैसे लागू होगा और इसका आम जनता पर क्या असर पड़ेगा। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने केंद्र सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने का निर्देश दिया है। इसके तहत पेट्रोल पंपों को गाड़ियों के वैलिड थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस से जोड़ा जाएगा।

अगर किसी गाड़ी का बीमा वैलिड नहीं पाया जाता है, तो पेट्रोल पंप पर उसे पेट्रोल या डीजल देने से मना कर दिया जाएगा। जब तक गाड़ी मालिक बीमा नहीं करा लेता, तब तक गाड़ी को ईंधन नहीं मिलेगा। कोर्ट के सामने पेश आंकड़ों के मुताबिक, देश की सड़कों पर चलने वाली गाड़ियों में से लगभग 56% गाड़ियों का कोई बीमा ही नहीं है। स्टैंडिंग कमेटी ऑन फाइनेंस (2024-25) की रिपोर्ट के अनुसार, जब इन वाहनों से सड़क हादसे होते हैं, तो पीड़ितों या उनके परिवारों को उचित और समय पर मुआवजा नहीं मिल पाता। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार, पायलट प्रोजेक्ट पर इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय मिलकर काम करेंगे। पेट्रोल पंपों और मुख्य सड़कों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन कैमरे लगाए जाएंगे। ये कैमरे गाड़ी के नंबर प्लेट को इंश्योरेंस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (आईआईबी) और केंद्र सरकार के वाहन (वीएएचएएन) पोर्टल के डेटा से ऑटोमैटिक कनेक्ट करके बीमा स्टेटस चेक करेंगे। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय ने इस व्यवस्था पर सहमति दी है। कोर्ट ने नई गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन के समय खरीदे जाने वाले अनिवार्य थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस की जरूरी समयसीमा को 1 साल के लिए बढ़ा दिया है।

नई कार: अब 3 साल के बजाय 4 साल का थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस लेना जरूरी होगा।

नई बाइक/स्कूटी: अब 5 साल के बजाय 6 साल का थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस लेना जरूरी होगा। 2018 में कारों के लिए 3 साल और बाइक्स के लिए 5 साल का नियम लागू किया गया था, लेकिन 8 साल बीतने के बाद भी करोड़ों गाड़ियां बिना बीमा के चल रही हैं।

इसीलिए यह समयसीमा बढ़ाई गई है। वर्तमान में राज्यों की पुलिस के पास मौके पर तुरंत इंश्योरेंस चेक करने का कोई एक समान सिस्टम नहीं है। इसलिए कोर्ट ने निर्देश दिया है कि राज्य पुलिस को हैंडहेल्ड डिवाइसेज या मोबाइल एप्स दिए जाएं। ये डिवाइसेज वाहन पोर्टल और इंश्योरेंस इंफॉर्मेशन ब्यूरो (आईआईबी) के डेटाबेस से सीधे जुड़े होंगे। इससे पुलिस तुरंत गाड़ियों का रियल-टाइम बीमा स्टेटस चेक कर सकेगी और चालान (ई-चालान) काट सकेगी।

सात कंपनियों के साथ भारत दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव के बीच एशिया-प्रशांत क्षेत्र की छोटी-मझोले आकार की कंपनियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। फोर्ब्स एशिया की प्रतिष्ठित बेस्ट अंडर-ए बिलियन सूची का 25वां संस्करण जारी कर दिया गया है। इस सूची में पिछले वर्षों की तरह चीन पहले नंबर पर है, जिसकी 28 कंपनियां शामिल हैं। भारत 27 कंपनियों के साथ दूसरे स्थान पर है। एक करोड़ डॉलर से 1 अरब डॉलर के बीच बिक्री वाले सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध इन 200 कंपनियों ने वित्तीय मानदंडों पर खरा उतरते हुए इस सूची में जगह बनाई है। सूची में उन व्यवसायों का दबदबा है, जो तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी क्षेत्र और वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) बूम के साथ कदमताल कर रहें। सॉफ्टवेयर कंपनियों के साथ सेमीकंडक्टर के लिए प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक घटकों और उपकरणों के आपूर्तिकर्ता इसमें शामिल कुल योग्य कंपनियों का 25 फीसदी हिस्सा हैं। इसके अलावा अन्य फर्में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती मांग के अनुरूप विशेष उपकरण और सेवाएं प्रदान कर रही हैं। खास बात है कि पिछले वर्ष (2024) भारत की 30 कंपनियां सूची में थीं। 2023 में 30 कंपनियों ने जगह बनाई थी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948**, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -**2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय 05-56
सूर्यास्त. 18-48
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष गुरुवार **06 August 2026**
तिथि - अष्टमी **18-53** तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - भरणी **20-13** तक उप कृत्तिका
योग - गण्ड **15-00** तक उप वृद्धि
करण - बालव **07-51** तक उप कौलव

शुभ श्रावण मास

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य	कर्क	मे	कर्क----	04-30	बजे
चंद्र	मेष	मे	सिंह----	06-46	बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या---	08-52	बजे
बुध	मिथुन	मे	तुला-----	10-58	बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक---	13-08	बजे
शुक्र	सिंह	मे	धनु-----	15-22	बजे
शनि	मीन	मे	मकर----	17-28	बजे
राहु	कुंभ	मे	कुंभ----	19-18	बजे
केतु	सिंह	मे	मीन----	20-56	बजे
			मेष-----	22-32	बजे
			वृष-----	00-18	बजे
			मिथुन---	02-18	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-58 से 15-34 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर **Ph. 9247132654**

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	05-56 - 07-34	शुभ	अमृत	18-48 - 20-10	शुभ
रोग	07-34 - 09-10	अशुभ	चंचल	20-10 - 21-34	शुभ
उत्पात	09-10 - 10-46	अशुभ	रोग	20-34 - 22-58	अशुभ
चंचल	10-46 - 12-22	शुभ	काल	22-58 - 00-22	अशुभ
लाभ	12-22 - 13-58	शुभ	लाभ	00-22 - 01-46	शुभ
अमृत	13-58 - 15-34	शुभ	उत्पात	01-46 - 03-10	अशुभ
काल	15-34 - 17-10	अशुभ	शुभ.	03-10 - 04-34	शुभ
शुभ	17-10 - 18-48	शुभ	अमृत	04-34 - 05-56	शुभ

2 दिन में 4,000 महंगा हो गया सोना, चांदी में 10,500 की तेजी

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है। इसका असर सोने और चांदी की कीमत पर देखने को मिल रहा है। एमसीएक्स पर सोने और चांदी की कीमत में आज लगातार दूसरे दिन तेजी आई है। इस दौरान सोने की कीमत में 4,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है जबकि चांदी की कीमत 10,500 रुपये प्रति किलोग्राम उछली है। सोने और चांदी की फिजिकल कीमत में भी आज तेजी आई है। एमसीएक्स पर अक्टूबर 2026 की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,44,299 रुपये पर बंद हुआ था।

एयर इंडिया को मिला नया नेतृत्व, टेवोल्डे गेबरमारियम बने सीईओ और एमडी

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। एयर इंडिया के निदेशक मंडल ने बुधवार को टेवोल्डे गेबरमारियम को एयरलाइन का नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त करने की घोषणा की। वह कैंपबेल विल्सन का स्थान लेंगे। कंपनी ने कहा कि यह नेतृत्व परिवर्तन एयर इंडिया के विश्वस्तरीय वैश्विक एयरलाइन बनने की परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण चरण है। कंपनी के अनुसार, नए सीईओ के चयन के लिए निदेशक मंडल ने एक विशेष समिति की निगरानी में व्यापक वैश्विक खोज प्रक्रिया अपनाई।

अगले 2 महीने सस्ता लोन नहीं, ईएमआई भी नहीं घटेगी

दुनिया में उथल-पुथल से महंगाई बढ़ी; ब्याज दर 5.25% पर बरकरार : आरबीआई

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आप घर, गाड़ी या पर्सनल जरूरत के लिए सस्ते लोन का इंतजार कर रहे हैं, तो फिलहाल ये उम्मीद पूरी नहीं हो सकेगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि आरबीआई ने ब्याज दर को 5.25% पर बरकरार रखा है। इसके मायने हैं कि नए लोन की तरह मौजूदा लोन और ईएमआई भी सस्ती नहीं होंगी। आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी, यानी एमपीसी की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 5 अगस्त को बताया कि दुनियाभर में जारी उठापटक की वजह से महंगाई बढ़ी है। इसके चलते फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

आरबीआई का यह फैसला अपनी बचत के पैसे बैंक में रखने वालों के लिए राहतभरा है, क्योंकि एफडी पर मिलने वाला ब्याज फिलहाल कम नहीं होगा। हालांकि, सभी बैंक आरबीआई के बताए मुताबिक ब्याज दरें एक जैसी नहीं रखते, वे अपनी लागत और बाजार को देखकर इसमें थोड़ा बदलाव कर सकते हैं। रेपो

रेट वह ब्याज दर है, जिस पर आरबीआई बैंकों को कम समय के लिए कर्ज देता है। इसी दर के आधार पर बैंक अपने लोन की ब्याज दर तय करते हैं। आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी, यानी एमपीसी हर तीन महीने में इसकी समीक्षा करती है।

अगर रेपो रेट बढ़ता है, तो बैंकों के लिए कर्ज महंगा हो सकता है। इससे होम, कार और पर्सनल लोन की ब्याज दर और ईएमआई बढ़ सकती है। वहीं, रेपो रेट घटने पर लोन सस्ते होने और ईएमआई कम होने की संभावना रहती है। हालांकि, इसका असर उन लोन पर ज्यादा पड़ता है, जिनकी ब्याज दर रेपो रेट से जुड़ी होती है। आरबीआई के मुताबिक दुनिया में अभी हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हैं। कई देशों में तनाव बना हुआ है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव हो रहा है। इसका असर सामान ढोने की लागत और रोजमर्रा की चीजों की कीमतों पर पड़ सकता है। ऐसे में अगर आरबीआई अभी ब्याज दर घटा देता, तो बाजार में पैसा बढ़ जाता और महंगाई और बढ़ने का खतरा रहता। इसी वजह से आरबीआई ने फिलहाल रेपो रेट 5.25% पर ही रखा।

पश्चिम एशिया में तनाव: इससे कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए तेल महंगा होने पर पेट्रोल-डीजल और माल ढुलाई की लागत बढ़ सकती है। अमेरिका की टैरिफ नीति: अमेरिका की आयात शुल्क (टैरिफ) नीति में बदलाव और वैश्विक व्यापार को लेकर अनिश्चितता का असर दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

यूपीआई लेनदेन पर केंद्र की नई तैयारी

डिजिटल भुगतान पर लग सकता है मर्चेंट शुल्क

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने संसद में एक विधेयक पेश किया है, जो सरकार को इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यमों पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क लगाने का अधिकार देगा। अब इस बात की आशंका बढ़ गई है कि छह साल बाद बड़े यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लग सकता है। इससे पहले सरकार ने जनवरी, 2020 में यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड लेनदेन पर एमडीआर को शून्य कर दिया था।

क्या हो रहे हैं बदलाव?

सरकार ने भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 की धारा 10ए में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। वर्तमान कानून बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं (पीएसपी) को यूपीआई एवं रुपे डेबिट कार्ड सहित अधिसूचित भुगतान माध्यमों पर शुल्क लगाने से रोकता है। यह संशोधन इस पूर्ण वैधानिक छूट को हटा देगा। इसके बजाय, यह केंद्र सरकार को समय-समय पर यह अधिसूचित करने का अधिकार देगा कि कौन से इलेक्ट्रॉनिक भुगतान पर शून्य एमडीआर रहेगा और किन पर मर्चेंट शुल्क लगाया जा सकता है।

क्या है एमडीआर

एमडीआर वह शुल्क है, जो व्यापारियों की ओर से डिजिटल लेनदेन को प्रोसेस करने के लिए बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं को दिया जाता है। भारत में क्रेडिट कार्ड पर करीब 1.5 फीसदी और डेबिट कार्ड पर 0.9 फीसदी तक एमडीआर लगता है। यूपीआई लेनदेन वर्तमान में व्यापारियों के लिए मुफ्त है।

क्यों लाया गया संशोधन

यूपीआई ने जुलाई में 29.9 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 23.6 अरब लेनदेन को प्रोसेस किया। फोनपे और गूगल पे यूपीआई के माध्यम से होने वाले भुगतानों में दबदबा रखते हैं। उद्योग से जुड़े अधिकारियों का लंबे समय से तर्क रहा है कि डिजिटल भुगतानों में वृद्धि को बनाए रखना कठिन हो गया है, क्योंकि भुगतान कंपनियों को यूपीआई लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं मिलता है। इससे पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश की उनकी क्षमता सीमित हो गई है। सूत्रों के अनुसार, सरकार दो व्यापक विकल्पों पर विचार कर रही है। एक निश्चित सीमा से अधिक के लेनदेन पर एमडीआर लगाना या व्यापारी के वार्षिक टर्नओवर के आधार पर शुल्क वसूलना। एक प्रस्ताव में सिर्फ बड़े व्यापारियों पर शुल्क लागू करने की बात कही गई है, जबकि उपभोक्ताओं और छोटे व्यवसायों के लिए यूपीआई भुगतान मुफ्त रखा जाएगा।

20,000 मुफ्त टिकट दे रही इंडिगो

नई दिल्ली, 5 अगस्त (एजेंसियां)। हवाई यात्रा करने वालों को लिए अच्छी खबर है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो 20वीं सालगिरह के मौके पर एक खास ऑफर लेकर आई है। इसके तहत कंपनी ग्राहकों को 20,000 मुफ्त घरेलू फ्लाइट टिकट जीतने का मौका दे रही है। हैप्पी इंडिगो डे कैंपेन में एयरलाइन चुने हुए ग्राहकों को उनके किराए का पैसा रिफंड करेगी। यह रिफंड प्रति पीएनआर 10,000 रुपये तक होगा। यह उन घरेलू बुकिंग्स पर लागू होगा जो 4 अगस्त से 6 अगस्त, 2026 के बीच की गई हों।

यह ऑफर सिर्फ इंडिगो के डायरेक्ट चैनलों जैसे वेबसाइट, मोबाइल ऐप और एआई वर्चुअल असिस्टेंट '6एसकाई' के जरिए की गई बुकिंग्स पर ही मिलेगा। यह ऑफर इंडिगो की 20वीं वर्षगांठ के मौके पर लाया गया है। इंडिगो ने 4 अगस्त, 2006 को गुवाहाटी होते हुए दिल्ली और इंफाल के बीच अपनी पहली फ्लाइट के साथ उड़ान भरना शुरू किया था। आज कंपनी के पास 430 से ज्यादा विमानों का बेड़ा है और यह रोजाना लगभग 2,200 फ्लाइट ऑपरेट करती है।

धर्मपुरी-कृष्णागिरी में बनेगा आम औद्योगिक कॉरिडोर

सरकार ने बनाया पांच प्रसंस्करण पार्क का प्रस्ताव

चेन्नई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने धर्मपुरी और कृष्णागिरि जिलों को राज्य के आम औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है, जिसके तहत 'वेत्री तमिलगम विजन' दस्तावेज के हिस्से के रूप में पांच एकीकृत आम प्रसंस्करण पार्क प्रस्तावित किए गए हैं। पश्चिमी तमिलनाडु की कृषि और खाद्य प्रसंस्करण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल में, आम के उत्पादन के दो प्रमुख जिलों में आम की खेती, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, भंडारण और निर्यात के लिए एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र की परिकल्पना की गई है।

विजन दस्तावेज के अनुसार, पांचों प्रसंस्करण पार्कों में कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं और आम के गूदे के निर्माण की इकाइयां स्थापित की जाएंगी। प्रत्यक्ष निर्यात को सुगम बनाने के लिए बुनियादी ढांचा भी विकसित किया जाएगा, जिससे उत्पादकों और प्रसंस्करणकर्ताओं को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक बेहतर पहुंच प्राप्त हो सकेगी। एक आम मूल्यवर्धन केंद्र का भी प्रस्ताव है। कृष्णागिरी में उत्पादित आमों को निर्यात के लिए सीधे चेन्नई और बेंगलुरु के हवाई अड्डों तक पहुँचाने में सक्षम बनाने के लिए माल परिवहन सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। कृष्णागिरी और धर्मपुरी में मिलाकर लगभग 51,000 हेक्टेयर भूमि पर आम की खेती होती है। अकेले कृष्णागिरी में ही 24 आम के गूदे के प्रसंस्करण उद्योग हैं, जो इस क्षेत्र को तमिलनाडु में आम उत्पादन और प्रसंस्करण के महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक बनाते हैं। आम किसान संघ के अध्यक्ष केएम सौंदराजन ने प्रस्तावों का स्वागत किया और कहा कि इनके प्रभावी कार्यान्वयन से किसानों को काफी लाभ मिल सकता है। उन्होंने कहा कि उत्पादकों ने पहले प्रत्येक ब्लॉक में एक आम गूदा प्रसंस्करण इकाई की मांग की थी, लेकिन दोनों जिलों में पांच एकीकृत पार्कों का प्रस्ताव फिर भी उत्साहजनक है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपकी रचनात्मकता निखरती है, और आपका अंतर्ज्ञान कार्यस्थल की गतिशीलता के प्रति आपकी समझ को निखारता है। तार्किक सोच आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करती है, जिससे आपको निरंतर प्रगति करने में मदद मिलती है। जैसे-जैसे परिस्थितियाँ बदलती हैं, आपका लचीलापन आपको सहज रूप से अनुकूलन करने में मदद करता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आप अपने पेशेवर व्यवहार में आत्मविश्वास और संतुलन लाते हैं, अपनी उपस्थिति से सम्मान अर्जित करते हैं। अंतर्ज्ञान आपको पंक्तियों के बीच की बात समझने और सहकर्मियों के सूक्ष्म संकेतों पर प्रतिक्रिया देने में मदद करता है। आपके कलात्मक कौशल रचनात्मक कार्यों में एक अनूठा स्पर्श जोड़ते हैं।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपका आत्मविश्वास और आकर्षण कार्यस्थल की गतिशीलता को बढ़ाता है, जबकि अनुशासन आपको उत्पादक बनाए रखता है। भावनात्मक तीव्रता उत्पन्न हो सकती है, इसलिए बातचीत में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करें। व्यवहारिक संचार सहकर्मियों के साथ सामंजस्य को बढ़ावा देता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप ऊर्जावान हैं और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, जो आपकी प्रगति को बढ़ावा देते हैं। ईमानदारी से चिंतन करने से आपकी रणनीतियाँ और भी बेहतर होती हैं। दृढ़ता की भावना से आप जल्दी निर्णय ले सकते हैं, इसलिए बातचीत में विचारशील रहें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप भावनात्मक रूप से जुड़े हुए महसूस करेंगे, जिससे आपके काम में गहराई और संवेदनशीलता आएगी। नए, रचनात्मक विचार आसानी से आ सकते हैं, जिससे आपको चीजों को व्यापक दृष्टिकोण से देखने में मदद मिलेगी। आपका तेज दिमाग और बढ़ी हुई जागरूकता आपको जल्दी सीखने वाला बनाती है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपकी रचनात्मक ऊर्जा मजबूत है, जो आपको काम और पढ़ाई में चमकने में मदद करती है। कलात्मक प्रतिभाएँ उजागर होती हैं, जिससे यह दृश्यात्मक रूप से आकर्षक कार्यों के लिए एक अच्छा समय है। दूसरों के साथ अप्रत्याशित तनाव के लिए तैयार रहें, लेकिन शांत रहें - जल्दी सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपका स्वाभाविक करिश्मा आपके विचारों की ओर ध्यान आकर्षित करता है, जिससे आपको नेतृत्व करने का आत्मविश्वास मिलता है। अंतर्ज्ञान आपको पंक्तियों के बीच की समझ हासिल करने में मदद करता है, जिससे साथियों और मार्गदर्शकों के साथ सहज सहयोग संभव होता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपको अपने पेशेवर संबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि भावनात्मक अंतर्दृष्टि मजबूत टीमवर्क का समर्थन करती है। नए विचार आसानी से आते हैं, और सीधा, ऊर्जावान संचार उत्पादकता को बढ़ाता है। जब आपका जुनून चरम पर होता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
जब आप ध्यान और अनुशासन लागू करते हैं तो आपका काम और अध्ययन लगातार आगे बढ़ता है। आत्मविश्वास आपके नेतृत्व गुणों का समर्थन करता है, जबकि एक व्यावहारिक मानसिकता आपको जमीन पर रखती है। आपकी कल्पना तेज है, जो आपको सूक्ष्म विवरणों को समझने और गहराई से संवाद करने में मदद करती है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता और साहित्य में लगे हुए लोग आज अपने कैरियर में बड़ी सफलता का आनंद ले सकते हैं और आपको अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। आज का दिन शैक्षिक संस्थानों और निर्माण के कारोबार में निवेश के लिए उपयुक्त है। सामान्य रूप से आपको पिछले कुछ दिनों के तनाव को पीछे छोड़ कर एक शांत दिन का आनंद मिलेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
भावनात्मक अंतर्दृष्टि और जिज्ञासा के मिश्रण से आपके करियर और पढ़ाई को फ़ायदा हो सकता है। आप पहल करने और अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे। हालाँकि, तीव्र भावनाएँ मूड स्विंग या रिश्तों में बदलाव ला सकती हैं। पूरे दिन अपनी ऊर्जा को उत्पादक रूप से प्रवाहित करने के लिए संतुलित और केंद्रित रहें।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने अन्न-जल-इलाज त्यागे छात्र नेता की ली सुध

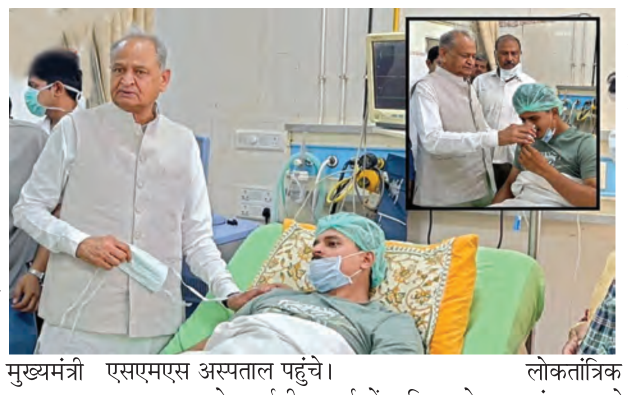

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने और राजस्थानी भाषा विभाग की स्थापना की मांग को लेकर पिछले 15 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे छात्र नेता शुभम रेवाड़ के आंदोलन में बुधवार को बड़ा राजनीतिक मोड़ आया। जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के आईसीयू में गंभीर हालत में भर्ती छात्र नेता की सुध लेने राज्य सरकार का कोई नुमाइंदा तो नहीं पहुंचा, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुद अस्पताल पहुंचे।

गहलोत ने अस्पताल के आईसीयू में जाकर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे शुभम रेवाड़ का हाल-चाल जाना और उनके स्वास्थ्य पर गहरी चिंता व्यक्त की। पिछले 48 घंटों से अन्न-जल और मेडिकल ट्रीटमेंट पूरी तरह त्याग चुके छात्र नेता ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत के आग्रह और मान-मनोवल के बाद पानी पीने पर सहमति जताई, जिसके बाद गहलोत ने खुद अपने हाथों से शुभम को पानी पिलाया।

राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से शुरू हुआ यह आंदोलन अब राजधानी जयपुर का सबसे संवेदनशील, राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा बन चुका है। अनशन के 15वें दिन जब शुभम रेवाड़ की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई थी, तब पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, आदर्श नगर विधायक रफीक खान के साथ अचानक एसएमएस अस्पताल पहुंचे।

अस्पताल के आईसीयू वार्ड में दाखिल होकर गहलोत ने सबसे पहले डॉक्टरों से शुभम रेवाड़ के वाइटल्स और हेल्थ पैरामीटर्स की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अनशनकारी छात्र नेता से बातचीत की और कहा कि मांगें अपनी जगह हैं, लेकिन छात्रशक्ति का जीवन सबसे ज्यादा कीमती है। गहलोत के काफी समझाने और आग्रह करने के बाद शुभम ने पिछले 48 घंटे से जारी जल त्याग का कठोर निर्णय वापस लिया। इसके बाद गहलोत ने खुद ग्लास से शुभम रेवाड़ को पानी पिलाकर उनका जल अनशन समाप्त कराया, हालांकि छात्र नेता का अन्न त्याग और मांगों को लेकर सत्याग्रह अभी भी जारी है।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए भजनलाल शर्मा सरकार के रवैये पर तीखे सवाल खड़े किए थे।

अशोक गहलोत ने लिखा, छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर छात्र नेता श्री शुभम रेवाड़ का एसएमएस अस्पताल में 15 दिन से अनशन जारी है और अब तो उन्होंने पानी पीना भी छोड़ दिया है। भाजपा सरकार ने न उनका अनशन समाप्त करवाने की कोशिश की, न उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया। उन्होंने आगे लिखा कि राजस्थान के लाखों छात्र-छात्राएं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत छात्रसंघ चुनाव की मांग कर रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार बिना किसी ठोस वजह के हठधर्मिता पर अड़ी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के हालिया अदालती फैसलों का हवाला देते हुए राजस्थान सरकार की नीयत पर सवाल उठाए। गहलोत ने कहा कि मध्य प्रदेश में हाई कोर्ट के आदेश के बाद सितंबर 2026 तक राज्य के सभी 15 सरकारी विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव आयोजित कराए जाने की तैयारी है।

गहलोत ने कहा, आखिर राजस्थान की भाजपा सरकार को छात्र राजनीति और युवाओं से क्या डर है? जब पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में सितंबर 2026 तक सभी विश्वविद्यालयों में चुनाव कराने का रास्ता साफ हो चुका है, तो राजस्थान सरकार वहां से सीख क्यों नहीं लेती? सरकार को तुरंत छात्रसंघ चुनाव कराने की आधिकारिक घोषणा करनी चाहिए।

मूक-बधिर छात्रों के धरने पर भड़की कांग्रेस

पायलट-डोटासरा ने साधा निशाना

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर स्थित राजकीय सेठ आनंदीलाल पोद्दार सीनियर सेकेंडरी स्कूल फॉर द डेफ से भावुक करने वाला मामला सामने आया है, जहां मूक-बधिर छात्र अपनी छह मांगों को लेकर स्कूल के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान छात्रों ने हाथों के इशारों और तख्तियों के जरिए अपनी समस्याएं प्रशासन तक पहुंचाईं। इस मामले को लेकर कांग्रेस नेता सचिन पायलट और गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार पर जमकर निशाना साधा।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने मामले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जयपुर में संचालित राजकीय सेठ आनंदीलाल पोद्दार मूक-बधिर विद्यालय मूक-बधिर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सकारात्मक माहौल प्रदान करने के लिए अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है। लेकिन सरकार की अनदेखी के कारण यदि इन विद्यार्थियों को अपनी मांगों के संदर्भ में मजबूरन सड़क पर उतरना पड़े, तो यह बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

आगे सचिन पायलट ने कहा कि विद्यालय के जर्जर भवन, प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी सहित अन्य समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर छात्र धरने पर बैठने के लिए मजबूर हैं। आजादी से पहले स्थापित इस विद्यालय का गौरवशाली इतिहास और विशेष महत्व रहा है, लेकिन इसकी बदहाल स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। सरकार को इस मामले का संज्ञान लेकर उचित समाधान निकालना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने चिंता जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अगर जो बच्चे सुन नहीं सकते और बोल नहीं सकते, उन्हें भी न्याय के लिए सड़क पर बैठना पड़े, तो समझिए कि मूक-बधिर बच्चे नहीं हैं, बल्कि प्रदेश की संवेदनहीन भाजपा सरकार है, जिसका प्रशासन बहरा और व्यवस्था पूरी तरह गूंगी हो चुकी है। यह राजस्थान की जनता का दुर्भाग्य है कि मूक-बधिर बच्चों को भी अपने अधिकारों के लिए सड़क पर धरने पर बैठना पड़ रहा है। आखिर भाजपा सरकार ने शिक्षा व्यवस्था का क्या हाल कर दिया है?

डोटासरा ने कहा कि जयपुर के राजकीय सेठ आनंदीलाल पोद्दार सीनियर सेकेंडरी स्कूल फॉर द डेफ के छात्र-छात्राएं हॉस्टल की बदहाली, खराब शिक्षण व्यवस्था और गंभीर उत्पीड़न के आरोपों को लेकर सड़क पर बैठे हैं। सरकार के लिए इससे बड़ी विफलता और शर्मनाक बात क्या हो सकती है? सरकार जवाब दे कि क्या उसकी जिम्मेदारी सिर्फ प्रचार और झूठी बयानबाजी करना है, या प्रदेश के दिव्यांग बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा सुनिश्चित करना भी है? हमारी मांग है कि सरकार तत्काल जांच कराए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई करे। बच्चों की सुरक्षा और सम्मान पर कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एसीबी के हत्थे चढ़ी 'घूसखोर' ग्राम विकास अधिकारी

पीएम आवास योजना की अंतिम किस्त के बदले ले रही थी 4,500 रिश्वत

बाड़मेर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की बाड़मेर टीम ने धोरीमन्ना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी ने जूनाखेड़ा पंचायत की ग्राम विकास अधिकारी सपना गुर्जर को 4,500 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। कार्रवाई के बाद हड़कंप का माहौल देखने को मिला।

मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवादी ने बाड़मेर एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया था कि उसे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत मकान की अंतिम किस्त की राशि जारी करवानी थी। अंतिम किस्त का भुगतान स्वीकृत करने के एवज में जूनाखेड़ा ग्राम विकास अधिकारी सपना गुर्जर ने 5,000 रुपये की रिश्वत राशि की मांग की थी। परिवादी ने तुरंत एसीबी की शरण ली।

शिकायत मिलने के बाद बाड़मेर एसीबी के पुलिस निरीक्षक देवाराम के नेतृत्व में शिकायत का गोपनीय सत्यापन करवाया गया। सत्यापन के दौरान परिवादी से 4,500 रुपये रिश्वत लेने की सहमति बनी। तय रणनीति के तहत जैसे ही परिवादी ने घूस राशि के 4,500 रुपये सौंपे, एसीबी टीम ने घेराबंदी कर वीडीओ सपना गुर्जर को दबोच लिया।

एसीबी टीम ने आरोपी महिला अधिकारी के पास से रिश्वत की राशि बरामद कर ली है। आरोपी वीडीओ के अन्य ठिकानों और रिकॉर्ड्स की भी जांच की जा रही है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

एसीबी अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी किसी भी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है, तो तुरंत एसीबी के हेल्पलाइन नंबर या नजदीकी चौकी में शिकायत दर्ज कराएं।

'लोग क्या कहेंगे', राजस्थान में क्यों उठी 'चतुर्थ श्रेणी' कर्मचारी के नाम बदलने की मांग? सरकार से कर डाली यह डिमांड

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी विभागों में करीब डेढ लाख से ज्यादा पद चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के हैं। ये कर्मचारी सरकारी कार्यालयों में रखरखाव का काम करते हैं। हाल ही सरकार ने करीब 53 हजार पदों पर नई भर्ती की। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं कक्षा पास है लेकिन सरकारी नौकरी पाने के लिए उच्च शिक्षित अभ्यर्थियों ने भी इस भर्ती में हिस्सा लिया। स्नातक, स्नातकोत्तर, नेट, जीआरएफ और पीएचडी के साथ बीसीए और बीटेक डिग्री होल्डर अभ्यर्थी भी चतुर्थ श्रेणी भर्ती में शामिल हुए।

उच्च शिक्षित अभ्यर्थी जो प्रशासनिक सेवाओं की तैयार कर रहे थे। वे भी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती में शामिल हुए। इसकी वजह है कि हर हालत में सरकारी नौकरी पाना। हजारों चयनित अभ्यर्थी ऐसे हैं जो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर अपना चयन होना किसी को बता नहीं रहे। उन्हें लगता कि लोग उनकी हंसी उड़ाएंगे। कहेंगे कि चला था अफसर बनने, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बन गया।

राजस्थान शासन सचिवालय सहायक कर्मचारी संघ ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का पदनाम बदलने की मांग उठाई है। संघ की ओर से कार्मिक विभाग के शासन सचिव को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में आग्रह किया गया है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का पदनाम सहायक कर्मचारी किया जाए।

संघ के प्रदेशाध्यक्ष नरपत सिंह का कहना है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पदनाम एक प्रकार से आजाद भारत में गुलामी और दासता के प्रतीक के रूप में महसूस किया जाता है। जब कार्यालय के समस्त कार्यों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यालय में 'सहायक' की भूमिका निर्वहन कर रहा है, तो पदनाम भी 'कार्यालय सहायक' किया जाना उचित होगा। जिससे उन्हें पदनाम के रूप में सम्मान भी मिल सके। उन्होंने कहा कि इस पदनाम परिवर्तन से सरकार को किसी प्रकार का आर्थिक भार भी नहीं आयेगा।

संघ की ओर से कार्मिक विभाग को भेजे गए पत्र में लिखा है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण पद है। जिसके द्वारा कार्यालय के रखरखाव के साथ साथ कार्यालय में उपस्थित होने वाले अधिकारियों के आथित्य और कार्यालय में अवस्थित सरकारी दस्तावेजों / पत्रावलियों और पत्रों के रखरखाव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का संपादन बहुत ही शालीनता से करता है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के बिना कार्यालय अपने आप में अधूरा हो जाता है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एक प्रकार से कार्यालय की महत्वपूर्ण धुरी होता है। ऐसे में उनका सम्मान जरूरी है।

कोरोना काल में आंदोलन के मामले में विधायक रविंद्र सिंह भाटी दोषमुक्त, कोर्ट ने सुनाया फैसला

उदयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले की शिव विधानसभा सीट से विधायक रविंद्र सिंह भाटी को उदयपुर की एक अदालत से बड़ी राहत मिली है। कोरोना महामारी के दौर में नियम तोड़कर धरना प्रदर्शन करने से जुड़े एक पुराने मामले में उदयपुर कोर्ट ने अपना अंतिम फैसला सुनाते हुए विधायक भाटी को सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया। यह पूरा विवाद उस समय का है, जब रविंद्र सिंह भाटी जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के छात्र संघ अध्यक्ष थे। उस दौरान पूरा देश कोरोना वैश्विक महामारी और सख्त लॉकडाउन की पाबंदियों से जूझ रहा था। महामारी के कारण कई परिवारों के सामने गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया था। इस विपरीत परिस्थिति में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों पर फीस जमा करने का दबाव बनाया जा रहा था। छात्रों के आर्थिक हित में विधायक भाटी ने इस फीस वसूली का खुलकर विरोध किया और विश्वविद्यालय परिसर में एक बड़े आंदोलन का नेतृत्व किया। भाटी के इस तेवर को देखते हुए तत्कालीन प्रशासन ने उन्हें छात्रसंघ अध्यक्ष पद से निलंबित कर दिया था। निलंबन के बाद विरोध की आग और भड़क गई तथा प्रदेश भर में जगह-जगह प्रदर्शन शुरू हो गए। इस आंदोलन ने पूरे राजस्थान का ध्यान अपनी ओर खींच लिया था।

चर्चित एसडीएम थप्पड़कांड के मुख्य आरोपी नरेश मीणा की सशर्त जमानत रद्द

टोंक, 5 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के चर्चित एसडीएम थप्पड़कांड को लेकर नया अपडेट सामने आया है। देवली-उनियारा उपचुनाव के दौरान एसडीएम को थप्पड़ मारने के मामले में निर्दलीय प्रत्याशी रहे नरेश मीणा की सशर्त जमानत रद्द होने के बाद अब उन्हें फिर से जेल जाना पड़ेगा। कोर्ट के आदेश के बाद अब नरेश मीणा गुरुवार को नगरफोर्ट थाने में सरेंडर करेंगे, जिसके बाद पुलिस उन्हें कोर्ट में पेश करेगी। वहीं, पुलिस की ओर से नरेश मीणा की संपत्ति का रिकॉर्ड भी जुटाया जा रहा है। नरेश मीणा सुबह 9 बजे जयपुर से रवाना होकर करीब 11 बजे नगरफोर्ट पहुंचेंगे और थाने में आत्मसमर्पण करेंगे। समर्थकों द्वारा उनके कार्यक्रम की रूपरेखा भी जारी की गई है। बता दें कि नरेश मीणा को हाईकोर्ट से सशर्त जमानत मिली थी, लेकिन झालावाड़ में प्रदर्शन के दौरान उनकी दोबारा गिरफ्तारी को जमानत शर्तों का उल्लंघन माना। इसके बाद नगरफोर्ट पुलिस ने एससी/एसटी कोर्ट में जमानत निरस्त करने की अर्जी लगाई, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए उनकी जमानत रद्द की थी। कोर्ट के निर्देश पर पुलिस नरेश मीणा की चल-अचल संपत्तियों का ब्यौरा भी एकत्र कर रही है। इस संबंध में 20 जून को बारां जिले की ग्राम पंचायत नयागांव उर्फ नानवता के सरपंच को पत्र भेजकर संपत्ति का विवरण मांगा था, जिसे कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा। नगरफोर्ट थाना प्रभारी राजेंद्र ताड़ा की ओर से नरेश मीणा की चल अचल संपत्ति के रिकॉर्ड के लिए ग्राम पंचायत नयागांव उर्फ नानवता के प्रशासक को भेजे गए लेटर में कहा गया था कि टोंक कोर्ट की ओर से आरोपी नरेश पुत्र कल्याण सिंह मीणा निवासी नयागांव उर्फ नानवता थाना मोठपुर जिला बांरा का चल अचल सम्पत्ति का रिकॉर्ड मांगा गया है।

ईरान-अमेरिका युद्ध का झांसा, सस्ते सोने के नाम पर लाखों की ठगी, कोर्ट के दखल के बाद केस

सिरोही, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के आबूरोड में 20 लाख रुपये की हाई-प्रोफाइल ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने ईरान-अमेरिका युद्ध का हवाला देते हुए 60 लाख रुपये का सोना मात्र 20 लाख रुपये में उपलब्ध कराने का झांसा देकर एक युवक से लाखों रुपये ठग लिए। मामले में कोर्ट के इस्तगासे पर सदर थाना पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुदरला निवासी प्रवीण सिंह राजपूत की पुरानी पहचान पाली जिले के बीजापुर निवासी जोराराम से थी। 16 मार्च 2026 को जोराराम ने प्रवीण सिंह को आबूरोड के सदर थाना क्षेत्र स्थित होटल कैडलवुड बुलाया, जहां उसकी मुलाकात मुंबई के पालम निवासी चुन्नीलाल से करवाई गई।

आरोपियों ने ईरान-अमेरिका युद्ध का हवाला देते हुए दावा किया कि मुंबई में करीब 60 लाख रुपये कीमत का सोना मात्र 20 लाख रुपये में मिल सकता है। भरोसा जीतने के लिए उन्होंने सोने का सैंपल भी दिखाया और जल्द सौदा करने का दबाव बनाया।

आरोपियों की बातों में आकर पीड़ित ने उसी दिन 8 लाख रुपये नकद दे दिए। इसके बाद 23 मार्च से 18 मई 2026 के बीच अलग-अलग किस्तों में 12 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। इस तरह आरोपियों ने कुल 20 लाख रुपये प्राप्त कर लिए।

रकम लेने के बावजूद आरोपियों ने सोना नहीं दिया। साथ ही लगातार बहाने बनाकर पीड़ित को टालते रहे। बाद में दोनों ने अपने फोन बंद कर लिए और संपर्क भी तोड़ दिया। काफी प्रयासों के बाद भी जब न तो सोना मिला और न ही रुपये वापस हुए, तब पीड़ित को अपने साथ ठगी होने का एहसास हुआ।

इसके बाद पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली। कोर्ट के इस्तगासे पर सदर थाना पुलिस ने आरोपियों जोराराम और चुन्नीलाल के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी है और पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी में यह भी सामने आया है कि आरोपी पहले भी इसी तरह सस्ते सोने का लालच देकर लोगों से ठगी कर चुके हैं।

हफ्ता नहीं दिया तो आधी रात को लगा दी आग

दोनों बसें जलकर राख

जोधपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। जोधपुर शहर में देर रात दो अलग-अलग स्थानों पर खड़ी निजी बसों में आग लगने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। कायलाना रोड पर संबोधि धाम के पास और चौपासनी स्कूल के निकट खड़ी दो बसें देखते ही देखते आग की लपटों में घिर गईं। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दोनों बसें बुरी तरह जल चुकी थीं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास भी किया, लेकिन आग तेजी से फैलने के कारण सफलता नहीं मिल सकी। बाद में दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। घटना के बाद दोनों स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए।

पंचायत-निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस में 'कलह', 3 वरिष्ठ नेताओं ने दिया इस्तीफा

कोटा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी पंचायत और निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस में गुटबाजी खुलकर सामने आई है। कोटा शहर कांग्रेस की नई कार्यकारिणी के 3 और पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। महासचिव बलविंदर सिंह बिल्लू और सचिव धर्मा गौचर व राजू पहाड़िया ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को अपना इस्तीफा भेज दिया है। बता दें कि इससे पहले सचिव मन्नू मेघवाल ने इस्तीफा दिया था। नगर निगम चुनाव से पहले कोटा शहर कांग्रेस की नई कार्यकारिणी का ऐलान हुआ था। नई टीम में जिलाध्यक्ष राखी गौतम समेत 32 कार्यकर्ताओं को शामिल किया था। नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद ही इस्तीफा देने का सिलसिला शुरू हो गया। सचिव मन्नू मेघवाल के बाद अब महासचिव बलविंदर सिंह बिल्लू, सचिव धर्मा गौचर और सचिव राजू पहाड़िया ने इस्तीफा दे दिया। इन नेताओं ने आरोप लगाया कि नई कार्यकारिणी में चापलूसी करने वालों को ही अच्छे पद सौंपे गए। महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले बलविंदर सिंह बिल्लू ने कहा कि पिछली कार्यकारिणी में वे उपाध्यक्ष थे। लेकिन, नई कार्यकारिणी में पद घटाकर महासचिव बनाया गया। लंबे समय तक निष्ठापूर्वक काम करने के बाद भी मेरे साथ ऐसा करना ठीक नहीं है। यह स्थिति मेरे आत्मसम्मान के विपरीत है, इसलिए इस्तीफा दे रहा हूं। वहीं, धर्मा गौचर और राजू पहाड़िया ने भी पद घटाने पर नाराजगी जताई। बलविंदर सिंह बिल्लू कोटा उत्तर के पूर्व विधायक के नजदीकी हैं। पूर्व विधायक भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे, तब बिल्लू भी कांग्रेस में आए थे। बता दें कि प्रदेश कांग्रेस के संगठन महासचिव ललित तूनवाल ने प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के अनुमोदन के बाद 31 जुलाई को कांग्रेस कमेटी कोटा शहर की नई कार्यकारिणी की घोषणा की थी। नई टीम में युवाओं के साथ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को भी मौका दिया है। इसमें 40 की आयु के 6 कार्यकर्ताओं मौका मिला, जबकि 40 से 50 तक के 12 कार्यकर्ता और 50 से ऊपर के 14 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को शामिल किया था।

'पार्टी कब है' व्हाट्सएप ग्रुप पर बनाते थे लूट का प्लान

3 बदमाशों को पुलिस ने 7 कि.मी तक पीछा करके किया गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले में पुलिस ने बस पर पथराव करने और यात्रियों को धमकाने के मामले में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी एक व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए वारदात की योजना बनाते थे। पुलिस को आरोपियों के मोबाइल से 'पार्टी कब है' नाम का व्हाट्सएप ग्रुप मिला, जिसमें शराब पार्टी के लिए राहगीरों और गुजरने वाले वाहनों से अवैध वसूली करने की योजना बनाई जाती थी। मामला आनंदपुरी थाना क्षेत्र के बरकोटा घाटी का है। पुलिस के अनुसार बांसवाड़ा से अहमदाबाद जा रही एक निजी यात्री बस को कुछ युवकों ने रोकने की कोशिश की थी। आरोपियों ने बस पर पथराव किया और चालक व यात्रियों को धमकाकर मौके से फरार हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशन में टीम गठित कर तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस ने दबिश देकर बरकोटा निवासी रोहित (28) को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, उसके साथी मानशंकर और प्रकाश मोटरसाइकिल से भागने लगे। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों का करीब 7 किलोमीटर तक पीछा किया। भागते हुए दोनों आरोपी अनास नदी के बैकवॉटर में कूद गए। पुलिस ने उन्हें बाहर आने के लिए काफी समझाया, लेकिन वे बाहर नहीं आए। इसके बाद कांस्टेबल गुणवीरसिंह ने हिम्मत दिखाते हुए पानी में छलांग लगाई और दोनों आरोपियों को पकड़कर बाहर निकाला।

सरकारी आवास में लहूलुहान मिले थाना प्रभारी

गोली लगने की आशंका से हड़कंप; जांच में जुटी पुलिस

भीलवाड़ा, 5 अगस्त (एजेंसियां)। शहर के सदर थाना प्रभारी लोकपाल सिंह अपने सरकारी आवास में गंभीर रूप से लहूलुहान मिलने से पुलिस महकमे में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और जवानों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में उन्हें महात्मा गांधी चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। प्रारंभिक जानकारी में गोली लगने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घटना ने पूरे पुलिस विभाग को सकते में डाल दिया है और इसके कारणों को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। थाना प्रभारी लोकपाल सिंह अपने सरकारी क्वार्टर में गंभीर अवस्था में मिले। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों की टीम उनका उपचार कर रही है, जबकि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लगातार उनके स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही जिले के आला अधिकारी महात्मा गांधी चिकित्सालय पहुंचे। अधिकारियों ने चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने के साथ ही पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी। पुलिस की अलग-अलग टीमें सरकारी आवास का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने में लगी है।

कई जिलों में बारिश का अलर्ट; भारी वर्षा की चेतावनी

जयपुर, 5 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून एक बार फिर उत्तर-पूर्वी हिस्सों में सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने बुधवार (5 अगस्त) को प्रदेश के 17 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। भरतपुर, बीकानेर और जयपुर संभाग के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, 7 और 8 अगस्त को कोटा और भरतपुर संभाग के कुछ जिलों में कहीं-कहीं भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी राजस्थान के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन के प्रभाव से अगले कुछ दिनों तक उत्तर-पूर्वी जिलों में बारिश की गतिविधियां बनी रहेंगी। इसके चलते भरतपुर, अलवर, करौली, दौसा, जयपुर, सीकर, झुंझुनूं, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में रुक-रुक कर बारिश होने के आसार हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान करौली, भरतपुर, अलवर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, श्रीगंगानगर और सीकर समेत कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 66 मिमी बारिश डीग के रारह क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई। भरतपुर, धौलपुर, करौली, अलवर और हनुमानगढ़ के कई इलाकों में दो इंच तक बारिश होने से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। बारिश का असर तापमान पर भी साफ दिखाई दिया। श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, दौसा, पिलानी और अलवर में अधिकतम तापमान में करीब 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, पश्चिमी और दक्षिणी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां कमजोर रहने से तापमान में हल्की बढ़ोतरी हुई।

22-ए भूमि मामलों में किसी पात्र व्यक्ति के साथ नहीं होगा अन्याय : पोंगुलेटी

एक इंच भूमि भी नई प्रतिबंधित सूची में शामिल नहीं की गई

सभी जिलाधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि राज्य में 22-ए प्रतिबंधित सूची में शामिल भूमि के मामलों में किसी भी गरीब या वास्तविक भू-अधिकार धारक के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार पात्र लोगों के अधिकारों की रक्षा करने के साथ-साथ सरकारी भूमि की सुरक्षा के उद्देश्य से कार्य कर रही है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद जानबूझकर एक इंच भूमि भी 22-ए की प्रतिबंधित सूची में शामिल नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि विवाद रहित निजी भूमि को प्रतिबंधित सूची में शामिल किए जाने का प्रचार पूरी तरह निराधार और भ्रामक है। बुधवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में अपने कार्यालय में मंत्री ने 22-ए प्रतिबंधित भूमि से जुड़े मामलों, विभिन्न माध्यमों में प्रकाशित समाचारों, जनता की शिकायतों, उच्च न्यायालय के निर्देशों तथा सरकारी नीति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री के विशेष सचिव शेषाद्रि, राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव डी.एस. लोकेश कुमार, स्टाम्प एवं पंजीकरण महानिरीक्षक राजीव गांधी हनुमंतु, हैदराबाद, रंगारेड्डी और संगारेड्डी के जिलाधिकारी, मेडचल-मलकाजगिरि के अतिरिक्त जिलाधिकारी तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री ने कहा कि भले ही यह बैठक क्योर (सीयूआरई) क्षेत्र के जिलों से संबंधित थी, लेकिन इसमें दिए गए निर्देश राज्य के सभी जिलाधिकारियों, राजस्व अधिकारियों तथा स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग के अधिकारियों पर समान रूप से लागू होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मुख्यमंत्री की सोच और सरकार की नीति के अनुरूप कार्य करें। पात्र व्यक्तियों को न्याय दिलाना और सरकारी भूमि की सुरक्षा करना, दोनों सरकार की समान प्राथमिकताएं हैं।

22-ए सूची में शामिल भूमि की समग्र जांच कर नियमों के अनुरूप पात्र भूमि की पहचान की जाए तथा प्रत्येक मामले का निर्णय उपलब्ध अभिलेखों, तथ्यों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर लिया जाए। मंत्री ने निर्देश दिया कि 22-ए से संबंधित सभी आवेदन और शिकायतों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण किया जाए। तहसीलदार, राजस्व मंडल अधिकारी, उप जिलाधिकारी और जिलाधिकारी स्तर पर लंबित किसी भी आवेदन को बिना विलंब के जांच कर पात्र लोगों को न्याय दिया जाए। उन्होंने जन शिकायत कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 45 दिनों की समय सीमा के भीतर 22-ए से जुड़े सभी विवादों का निपटारा करने तथा न्यायालय के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि सरकारी भूमि की सुरक्षा सरकार की पहली जिम्मेदारी है। सरकारी भूमि पर अवैध लेन-देन, अवैध पंजीकरण और अतिक्रमण रोकने के लिए अधिकारी पूरी सतर्कता बरतें। उन्होंने कहा कि 22-ए सूची में शामिल भूमि पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार जिलाधिकारियों के पास है और वे जनता के अधिकारों तथा सरकारी हितों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए पारदर्शी ढंग से निर्णय लें।

पाक्सो कोर्ट ने नाबालिग से रेप मामले में 20 साल की सज़ा सुनाई

मेडक, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िला फास्ट-ट्रैक पाक्सो कोर्ट ने बुधवार को नाबालिग के साथ रेप के मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराया और उसे 20 साल की जेल की सज़ा सुनाई, साथ ही 20,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। दोषी, अख्तर (22), जो नरसिंगी पुलिस स्टेशन इलाके में पान की दुकान चलाता था, ने 15 साल की लड़की का अपहरण किया था और उसका यौन शोषण किया था। अप्रैल 2024 में पीड़िता के माता-पिता द्वारा मामला दर्ज कराए जाने के बाद, पुलिस ने अख्तर को गिरफ़्तार किया और उसे पाक्सो कोर्ट के सामने पेश किया। जज आरएम सुभावली ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद बुधवार को फ़ैसला सुनाया। कोर्ट ने सरकार को पीड़िता को मुआवज़े के तौर पर 1 लाख रुपये देने का भी निर्देश दिया। एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने आरोपी को सज़ा दिलाने में पुलिसकर्मियों और सरकारी वकीलों की कोशिशों की सराहना की।

रेवंत ने केंद्र से चार महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं को तत्काल मंजूरी देने की अपील की

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से पालमुरु-रंगारेड्डी, गौरवेल्ली, सीताम्मा सागर और दिंडी परियोजनाओं के लिए तत्काल पर्यावरण मंजूरी देने की अपील की है। बुधवार को नई दिल्ली स्थित संसद में केंद्रीय मंत्री के साथ हुई बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने तीनों परियोजनाओं के कार्यों को शीघ्रता से पूरा करने के लिए पर्यावरण संबंधी मंजूरी की आवश्यकता को स्पष्ट किया।

रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री को सूचित किया कि सरकार पालमुरु परियोजना पर पहले ही 36,437 करोड़, दिंडी लिफ्ट सिंचाई योजना पर 3,187 करोड़, सीताम्मा सागर पर 1,835 करोड़ और गौरावल्ली परियोजना पर <1,350 करोड़ खर्च कर चुकी है। परियोजनाओं के लिए मंजूरी न मिलने और लागत में वृद्धि के कारण कार्यों में आई रुकावट को भी केंद्रीय मंत्री के संज्ञान में लाया गया। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, रेवंत रेड्डी ने भूपेंद्र यादव से परियोजनाओं के लिए तुरंत मंजूरी देने का अनुरोध किया। सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, सांसद डॉ. मल्लू रवि, वेम नरेंद्र रेड्डी, रामसहायम रघुराम रेड्डी, पोरिका बलराम नाइक, गद्दाम वामसी कृष्णा, एम. अनिल यादव और डॉ. कादियाम काव्य के साथ-साथ दिल्ली में राज्य सरकार के विशेष प्रतिनिधि एपी जितेंद्र रेड्डी और सिंचाई विभाग के सलाहकार आदित्यनाथ दास भी उपस्थित थे।

सरकारी जूनियर कॉलेजों में रिकॉर्ड संख्या में प्रवेश हुए

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सरकारी जूनियर कॉलेजों में 2026-27 शैक्षणिक वर्ष के लिए दाखिलों में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। कक्षा 11 (इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष) में दाखिले पिछले वर्ष के लगभग 75,000 छात्रों से बढ़कर 85,453 हो गए हैं, जो लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि है । प्रथम और द्वितीय वर्ष के इंटरमीडिएट कक्षाओं में कुल दाखिले 1,64,730 छात्रों तक पहुंच गए हैं, जो सरकारी इंटरमीडिएट शिक्षा में जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजीबीआईई) की सचिव अभिलाषा अभिनव ने कहा कि दाखिलों में वृद्धि राज्य की सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली में छात्रों और अभिभावकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने इस वृद्धि का श्रेय तेलंगाना सरकार द्वारा शैक्षणिक सुधारों, डिजिटल शिक्षा, आधुनिक बुनियादी ढांचे, छात्र कल्याण और उद्योग साझेदारी पर दिए गए ध्यान को दिया। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने आईबीएम और हेटेरो फार्मास्युटिकल्स के साथ सहयोग के माध्यम से रोजगार क्षमता को मजबूत किया है, जिससे छात्रों को उद्योग प्रमाणन, इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और भर्ती के अवसर मिल रहे हैं। अकेले हेटेरो ने 300 से अधिक माध्यमिक शिक्षा प्राप्त युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने का वादा किया है, जबकि उद्योग सहयोग से 2,000 से अधिक रोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर मिले हैं। शैक्षिक कार्यक्रमों के संचालन और कार्यान्वयन में सुधार लाने के उद्देश्य से, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने हाल ही में जिला माध्यमिक शिक्षा अधिकारियों (डीआईईओ) और सरकारी जूनियर कॉलेज के प्रधानाचार्यों के लिए राज्य स्तरीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया।

'डिजिटल अरेस्ट' जैसी कोई कानूनी व्यवस्था नहीं : पुलिस आयुक्त

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों और वरिष्ठ नागरिकों से साइबर अपराधों के प्रति विशेष सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि अपनी जीवनभर की मेहनत की कमाई साइबर ठगों के हाथों न गंवाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय कानून या पुलिस व्यवस्था में "डिजिटल अरेस्ट" जैसी कोई व्यवस्था नहीं है, इसलिए सीबीआई, ईडी, आरबीआई या पुलिस अधिकारी बनकर डराने वाले ठगों के झांसे में बिल्कुल न आएं। बुधवार को 'साइबर जागरूकता दिवस' के अवसर पर हैदराबाद सिटी साइबर क्राइम विंग द्वारा खैरताबाद स्थित विश्वेश्वरैया भवन में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए सज्जनर ने पूर्व डीजीपी एम. रतन, पूनम मालकोंडैया तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 'सुरक्षा का तिरंगा' जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया। सज्जनार ने बताया कि शहर में एक वर्ष के दौरान चोरी और डकैती जैसे पारंपरिक अपराधों से लगभग 30 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जबकि केवल साइबर अपराधों के कारण लोगों ने 400 करोड़ रुपये से अधिक गंवाए हैं। यानी प्रतिदिन औसतन एक करोड़ रुपये से अधिक साइबर ठगों के खातों में पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट, पेंशन सेवाओं, ऑनलाइन बैंकिंग और निवेश के नाम पर सबसे अधिक निशाना बनाया जा रहा है।

व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर आने वाले निवेश और ट्रेडिंग लिंक पर भरोसा न करें तथा शेयर ट्रेडिंग केवल सेबी से पंजीकृत ब्रोकरों के माध्यम से ही करें। पुलिस आयुक्त ने कहा कि बैंक खाते की जानकारी, एटीएम पिन और ओटीपी किसी भी व्यक्ति, यहां तक कि परिवार के सदस्यों के साथ भी साझा नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम में पूर्व डीजीपी एम. रतन ने कहा कि उन्होंने अपने बैंक को निर्देश दिए हैं कि उनकी पूर्व अनुमति के बिना 5,000 रुपये से अधिक का कोई भी लेनदेन स्वीकृत न किया जाए। वहीं पूर्व डीजीपी पूनम मालकोंडैया ने कहा कि साइबर अपराध होने के बाद धन की पूरी वसूली मुश्किल होती है, इसलिए सतर्कता और जागरूकता ही सबसे प्रभावी सुरक्षा है।अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम्स) एम. श्रीनिवास ने भी नागरिकों से संदिग्ध फोन कॉल, संदेश और ऑनलाइन लिंक से सावधान रहने तथा किसी भी साइबर धोखाधड़ी की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की। इस अवसर पर शहर के कई वरिष्ठ अधिकारी, साइबर क्राइम विंग के अधिकारी, सेवानिवृत्त अधिकारी और बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्याः सी/ई-नीलामियों की सूची/एससी/2026-27, दि.04-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा वाणिज्यिक आय & एनएफआर संविदाओं के लिए ई-नीलामी आमंत्रित हैं। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों हेतु ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे **वेबसाइटः**http://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम संख्या	श्रेणी	सूची संख्या	नीलामी शुरु तिथि & समय	संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स) /रेल(रेलें)	नीलामी विवरण
1	पार्किंग,	पार्किंग-एलकेपीएल-24	10 अगस्त-26 के 14.00 बजे,	एलकेपीएल	लकडी का पूल स्टेशन पर टू व्हीलर्स & फोर व्हीलर्स के लिए पार्किंग स्थल या लॉट।
2	एडवटइजिंग,	एडीवीटी-मिक्स-26-8	11 अगस्त-26 के 14.00 बजे	20707/08, एससी बीएमटी, युडीजीआर	1 रेल सं. 20707/20708 सिकंदराबाद-विशाखापट्टणम-सिकंदराबाद वन्दे भारत एक्सप्रेस के लिए विनाइल रैपिंग माध्यम से विज्ञापन। 2 सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर डिजीटल ठेका या कान्ट्रैक्ट। 3 बेगमपेट रेलवे स्टेशन के भीतर डिजीटल बोर्ड्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों के लिए ठेका। 4 उदगीर रेलवे स्टेशन के लिए नान-डिजीटल ठेका।
3	छिटपुट - स्थैतिक	एमएसएस-मिक्स-26-8,	11 अगस्त-26 के 15.00 बजे	बीएमटी, बीपीए, वायडीएलप, डब्ल्यूएल, टीडीयु	1 तत्संबंधित 3 वर्षों की अवधि के लिए बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर इंस्टाल्लेशन, संचालन & रोबोटिक रिलेक्सेशन चेयर्स का रखरखाव तथा डिजीटल क्लोकरूम। 2 बेल्लमपल्ली स्टेशन पर ब्रेक वैनों की साफ-सफाई या क्लीनींग सहित वैगान डिपो पर टीएक्सआर एग्जामिनेशन के लिए वैगान्स में प्रदान या आफर की गयी सभी शेष बची हुई कोयला तथा अन्य सामग्री की मैन्युएली क्लीनींग, संग्रहण एवं निपटान करना अथवा कोयला तथा वैगान्स से रेलवे लाइनो पर पडी या बिखरी हुई अन्य सामग्री की क्लीनींग या साफ-सफाई। 3 यड्लापूर रेलवे स्टेशन पर नामित रेक लाइनों तथा प्लेटफार्मों पर बीओएक्सएन वैगान क्लीनींग, रिक्त या एम्प्टी वैगानों द्वारा रेसीड्यूएल कोल या कोयला एवं अन्य सामग्री को हटाने के लिए ठेका। 4 वरंगल रेलवे स्टेशन पर मोबाईल स्टोर तथा एस्सेसोरिज की स्थापना & संचालन के लिए ठेका। 5 (I) बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर कई फूड ट्रक /ज्यूस बार सहित चाट स्टाल/ड्राइव-इन्स की स्थापना एवं संचालन के लिए ठेका। (II) बेगमपेट रेलवे स्टेशन पीएफ- 1 पर टू व्हीलर्स तथा फोर व्हीलर्स पार्किंग लाट के प्रबंधन हेतु ठेका। 6 (I) तांडूर रेलवे स्टेशन पर कई फूड ट्रक /ज्यूस बार सहित चाट स्टाल/ड्राइव-इन्स की स्थापना एवं संचालन के लिए ठेका। (II) तांडूर रेलवे स्टेशन पर टू व्हीलर्स, थ्री व्हीलर्स तथा फोर व्हीलर्स पार्किंग लाट के प्रबंधन हेतु ठेका।
4	पार्किंग	पार्क-मल्ट-2226	14 अगस्त-26 के 14.00 बजे	एचवायबी, जीटी	1 हैदराबाद स्टेशन पर दुपहिया वाहनों के लिए पार्किंग लाट। 2 घटकेसर स्टेशन पर पार्किंग कान्ट्रैक्ट या ठेका।
5	एमपीएस	एमपीएस-मल्ट-240726,	14 अगस्त-26 के 14.00 बजे	सीएचजेड, बीपीए, बीआयडीआर	चर्लापल्ली, बेल्लमपल्ली & बिदर स्टेशनों पर मल्टि- परपज स्टाल्स।
6	कैटरिंग	एससी-सीएटीजी-पीबीसीओ-18	14 अगस्त-26 के 15.00 बजे	बीएमटी, डब्ल्यूएल, एचवायबी, केजेडज	प्रीमियम ब्राण्डेड कैटरिंग आउटलेट्स की स्थापना & संचालन के लिए निम्न विभिन्न संविदाएं या कान्ट्रैक्ट्सः *प्लेटफार्म-1- बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर वेटिंग हाल के भीतर। *पीएफ-1- वरंगल रेलवे स्टेशन कानकोर्स एरिया। *पीएफ-3&4 -बी/डब्ल्यू पिल्लर नं.39&40 हैदराबाद रेलवे स्टेशन। *पीएफ-I-काजीपेट रेलवे स्टेशन कानकोर्स एरिया।
7	छिटपुट - स्थैतिक	बीओएक्सएन-जीएलइ-8-26	17 अगस्त-26 के 15.00 बजे	जीएलइ	गाजुलागुडेम रेलवे स्टेशन पर नामित रेक लाइनों तथा प्लेटफार्म्स पर बीओएक्सएन वैगान की साफ-सफाई या क्लीनींग, रिक्त या एम्प्टी वैगानों से रेसीड्यूएल कोल या कोयला तथा अन्य सामग्री को हटाने के लिए ठेका।
8	छिटपुट- स्थैतिक	एमएसएस-मिक्स-26-9	18 अगस्त-26 के 14.00 बजे	एचटीसीवाय, एलपीआय	1 हायटेक रेलवे स्टेशन पर बाहरी तरफ उपलब्ध क्षेत्र में फन झोन की स्थापना के लिए ठेका। 2 लिंगपल्ली रेलवे स्टेशन पर चाट स्टाल/ड्राइव-इन्स सहित कई फूड ट्रक/ज्यूस बार की स्थापना & संचालन के लिए ठेका। 3 हायटेक-सिटी रेलवे स्टेशन पर चाट स्टाल सहित ज्यूस बार की स्थापना & संचालन के लिए ठेका।

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदारगण या कान्ट्रेक्टर्स ध्यान दें कि, ई-नीलामी सूचना के बारे में विस्तृत जानकारी हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं। पूछताछ/स्पष्टीकरणों के लिए कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

A619 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक /सिकंदराबाद**

फीस रिइंबर्समेंट दिलाने को लेकर छात्र संपर्क एवं हस्ताक्षर अभियान आयोजित

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष गणेश कुंडे के नेतृत्व में आज जामबाग स्थित विवेक वर्धिनी डिग्री कॉलेज में फीस बकाया बीजेपी लड़ाई अभियान के अंतर्गत छात्र संपर्क एवं हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थियों से संवाद किया गया तथा उनके हस्ताक्षर लेकर लंबित फीस रीइम्बर्समेंट को लेकर समर्थन जुटाया गया।

विद्यार्थियों ने बताया कि फीस रीइम्बर्समेंट में लगातार हो रही देरी के कारण उनकी पढ़ाई और भविष्य प्रभावित हो रहा है।

कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में लगभग 40 लाख विद्यार्थियों की करीब 15,000 करोड़ की फीस रीइम्बर्समेंट राशि आज भी लंबित है। यह छात्रों के साथ गंभीर अन्याय है। भारतीय जनता पार्टी विद्यार्थियों के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ रही है और जब तक लंबित फीस रीइम्बर्समेंट जारी नहीं होती, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को भरोसा दिलाया गया कि भारतीय जनता पार्टी हर छात्र के साथ मजबूती से खड़ी है और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी।

कार्यक्रम में जामबाग डिवीजन के भाजपा एक्स कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल, बीजेवायएम प्रदेश उपाध्यक्ष नितिन नंदकर, भाजपा वरिष्ठ नेता अमर सिंह, नितिन जायसवाल, विपिन , साई तथा अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

काचीगुड़ा स्थित घनश्याम पटेल भवन में बहुरानीस द्वारा आयोजित दो दिवसीय मेगा राखी एवं तीज मेला प्रदर्शनी का उद्घाटन करतीं भाजपा स्टेट ट्रेडर्स सेल संयोजक डॉ. वुप्पला सारड़ा गुप्ता व डॉ. प्रीति राठी (पी.एच.डी. ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट)। अवसर पर उपस्थित एमएसएस लॉ कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर आरती बाहेती, भारती लोया, मनीषा लोया, प्रीति भंडारी, राधिका सारड़ा, शिल्पा सारड़ा एवं अन्य। साथ में प्रदर्शनी में सजे स्टॉलों पर खरीददारी करते ग्राहक । 5 अगस्त तक चला।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती में राजेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा, सुरेंद्र अग्रवाल विठ्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले प्रमोद कुमार सरायवाला दीपक कुमार सरायवाला अशोक कुमार सरायवाला राहुल सिंघल अशोक लाखोटिया सुरेश अग्रवाल सुभाष अग्रवाल सुरेश कुमार अग्रवाल मंसाराम अग्रवाल विजय कुमार अग्रवाल पीसी जैन सुदर्शन अजय कुमार अग्रवाल श्रीनिवास भीम आदि उपस्थित थे।

साइबराबाद पुलिस ने शुरू किया 'सुरक्षा का तिरंगा' अभियान

साइबर ठगी से बचाव के लिए छात्रों को किया जागरूक

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने तेलंगाना साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो (टीजीसीएसबी) तथा सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल (एससीएससी) के सहयोग से "सुरक्षा का तिरंगा - टुवड्र्स अ साइबर इंडिपेंडेंट तेलंगाना" नामक एक माह का साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान शुरू किया। गाचीबौली स्थित इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के लगभग 800 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ साइबराबाद के पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने किया। इस अवसर पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) सुनप्रीत सिंह, डीसीपी के. पुष्पा, अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, एससीएससी के प्रतिनिधि, बैंक अधिकारियों, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। अपने संबोधन में पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने कहा कि साइबर जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी हथियार है। उन्होंने बताया कि साइबराबाद में दर्ज होने वाले लगभग 60 प्रतिशत साइबर अपराध निवेश और ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी से जुड़े हैं। उन्होंने छात्रों से आकर्षक मुनाफे का लालच देने वाली योजनाओं से सतर्क रहने, निवेश से पहले प्लेटफॉर्म और सलाहकारों की सत्यता जांचने तथा किसी भी साइबर ठगी की तुरंत शिकायत करने की अपील की। इस दौरान उन्होंने "सुरक्षा का तिरंगा" अभियान के पोस्टर और साइबर सुरक्षा जागरूकता वीडियो का भी विमोचन किया। मुख्य अतिथि एवं अभिनेत्री अंजलि ने छात्रों से कहा कि डिजिटल दुनिया में हमेशा "क्लिक करने से पहले सोचें" का मंत्र याद रखें। उन्होंने किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी और विद्यार्थियों से अपने परिवार तथा समाज को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने का आह्वान किया। साइबर क्राइम की डीसीपी के. पुष्पा ने छात्रों को बताया कि निवेश और ट्रेडिंग के नाम पर होने वाली ठगी सबसे अधिक सामने आ रही है। उन्होंने सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर फर्जी निवेश विज्ञापनों, एआई से तैयार किए गए मशहूर हस्तियों के नकली वीडियो, फर्जी ट्रेडिंग ऐप और अधिक मुनाफे का झांसा देकर ठगी करने के तरीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम में बैंक प्रतिनिधियों ने भी सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के उपाय बताते हुए ओटीपी, पासवर्ड, सीवीवी और यूपीआई पिन किसी से साझा न करने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने तथा केवल विश्वसनीय स्रोतों से ही मोबाइल एप डाउनलोड करने की सलाह दी।

शमशाबाद में रिपोर्टर पर हमला

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार दोपहर शमशाबाद में एक स्थानीय भाषा के न्यूज़ चैनल के लिए काम करने वाले रिपोर्टर पर कथित तौर पर भीड़ ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। तेलुगु न्यूज़ चैनल के लिए काम करने वाले रिपोर्टर, वेल्डिंग वर्कशॉप पर हुए हमले की घटना को कवर करने गए थे। जब कुछ लोगों ने उनको घटना की फ़िल्मांकन करते देखा तो उन्होंने कथित तौर पर उन पर लाठियों से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। उनका मोबाइल फ़ोन क्षतिग्रस्त हो गया और एक अन्य फ़ोन कथित तौर पर चोरी हो गया। पुलिस के अनुसार, यह घटना काम के सिलसिले में वेल्डिंग वर्कशॉप पर आए कुछ लोगों के बीच मामूली कहासुनी से शुरू हुई थी। बताया जा रहा है कि कामगारों और ग्राहकों के बीच बहस हुई थी। हिंसा की सूचना मिलने पर मसूद खान घटना को कवर करने के लिए मौके पर पहुंचे, जहां लोगों के एक समूह ने उन्हें घेर लिया और उन पर हमला कर दिया।

लोक भवन में पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया बोनालू उत्सव

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं का प्रतीक बोनालु उत्सव मंगलवार को लोक भवन में पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल और प्रथम महिला जानकी शुक्ला ने अधिष्ठात्री देवी को बोनम और रेशमी वस्त्र अर्पित किए तथा विशेष पूजा-अर्चना कर राज्य के लोगों के स्वास्थ्य, समृद्धि, शांति और कल्याण के लिए देवी से प्रार्थना की।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आर प्रज्ञानानंदा सेंट लुईस टूर्नामेंट के रैपिड में टॉप पर

18 में से 12 पॉइंट्स जुटाए; अब 18 ब्लिट्ज मैचों से खिताब का फैसला

मैरीलैंड एवेन्यू, 5 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका में खेले जा रहे सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज चेस टूर्नामेंट के रैपिड में पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने 18 संभावित पॉइंट्स में से 12 पॉइंट्स जुटाकर 1 पॉइंट की बढ़त बनाई। अब खिताब का फैसला 18 ब्लिट्ज मैचों से होगा। इस प्रदर्शन से साल के अंत में होने वाले ग्रैंड चेस टूर फाइनल में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं।

रैपिड सेक्शन के नौवें और अंतिम राउंड में प्रज्ञानानंदा को नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरीस्ट से हार मिली। इसके बावजूद वह 12 पॉइंट्स के साथ टॉप पर बने रहे। रैपिड सेक्शन में उन्होंने 4 मैच जीते, 4 ड्रॉ खेले और सिर्फ एक मुकाबला गंवाया।

उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंजारोव और अमेरिका के वेस्ली सो 11-11 पॉइंट्स के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। सिंजारोव इसी साल होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के डी गुकेश को चुनौती देंगे।

टूर्नामेंट का रैपिड सेक्शन खत्म हो चुका है। अब सभी खिलाड़ियों को 18 ब्लिट्ज मुकाबले खेलने हैं, जिनके बाद चैंपियन का फैसला होगा। 2 लाख डॉलर (करीब 1.67 करोड़) की कुल इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के विजेता को 50 हजार डॉलर (करीब 42 लाख) मिलेंगे। ब्लिट्ज में हर जीत पर 1 पॉइंट मिलेगा, इसलिए प्रज्ञानानंदा के लिए अपनी बढ़त बनाए रखना आसान नहीं होगा।

9-9 पॉइंट्स के साथ अमेरिका के लेवोन अरोनियन, लेनियर डोमिंग्वेज, नीदरलैंड्स के अनीश गिरी और जर्मनी के विंसेंट कीमर संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। ब्लिट्ज फॉर्मेट में कीमर और सिंजारोव को प्रज्ञानानंदा के लिए सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है। इस टूर्नामेंट के बाद क्लासिकल फॉर्मेट का प्रतिष्ठित सिंक्वेफील्ड कप खेला जाएगा।

सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है, जिसमें दुनिया के कई शीर्ष ग्रैंडमास्टर हिस्सा लेते हैं। इस खिताब के साथ प्रज्ञानानंदा ने अंतरराष्ट्रीय सर्किट में एक और बड़ी सफलता अपने नाम की।

जहीर खान ने लंका प्रीमियर लीग में टीम खरीदी

जाफना के को-ऑनर बने; द्रविड़, युवराज और तेंदुलकर भी टीम खरीद चुके

कोलंबो, 5 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर जहीर खान ने लंका प्रीमियर लीग में टीम खरीदी है। वे जाफना फ्रेंचाइजी के को-ऑनर बन गए हैं। जहीर ने एंकर स्पोर्ट्स एबी के साथ टीम को टेकओवर किया, जिसके बाद इसका नाम बदलकर 'एंकर जाफना किंग्स' कर दिया गया है।

जहीर से पहले राहुल द्रविड़, युवराज सिंह और सचिन तेंदुलकर जैसे भारतीय दिग्गज भी अलग-अलग टी20 लीगों में टीमों में निवेश कर चुके हैं। जहीर खान ने कहा कि उन्होंने हमेशा श्रीलंका के बॉलिंग टलैंट की तारीख की है। उन्होंने श्रीलंका में काफी क्रिकेट खेला है और उनकी वहां से जुड़ी कई अच्छी यादें हैं।

जहीर ने कहा कि अब एक मालिक के तौर पर श्रीलंकाई क्रिकेट का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद रोमांचक है और वे एंकर जाफना किंग्स के साथ काम शुरू करने के लिए एक्साइटेड हैं।

लंका प्रीमियर लीग के टूर्नामेंट डायरेक्टर सामंथा डोडनवेला ने जहीर खान के जुड़ने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि जहीर जैसे कद के व्यक्ति का टीम से जुड़ना पूरी लीग के लिए एक बड़ा बूस्ट है।

हर्ष, शिवांग, तनुष और विप्रज टीम के नेट बॉलर

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट की तैयारी, 15 अगस्त से सीरीज

मुंबई, 5 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट की तैयारियों को मजबूत करने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया के कैंप में चार नेट बॉलर्स को शामिल किया है।

बोर्ड ने बुधवार को बताया कि हर्ष दुबे, शिवांग कुमार, तनुष कोटियान और विपराज निगम अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करेंगे, ताकि उन्हें मैच जैसी परिस्थितियों में तैयारी का मौका मिल सके।

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, 'हर्ष दुबे, शिवांग कुमार, तनुष कोटियान और विपराज निगम श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले तैयारियों में मदद के लिए नेट बॉलर्स के रूप में टीम के साथ जुड़े हैं।'

इन चारों खिलाड़ियों ने हाल के घरेलू सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया है। तनुष कोटियान और हर्ष दुबे स्पिन गेंदबाज हैं। माना जा रहा है कि श्रीलंका की स्पिन चुनौती को देखते हुए उन्हें नेट्स में शामिल किया गया है। वहीं शिवांग कुमार और विपराज निगम भी अलग-अलग तरह की गेंदबाजी से बल्लेबाजों को अभ्यास कराएंगे।

भारतीय टीम मैनेजमेंट पहले टेस्ट से पहले तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहता।

नेट सेशन में ये चारों गेंदबाज बल्लेबाजों को मैच जैसी परिस्थितियों में अभ्यास कराएंगे, ताकि टीम पहले टेस्ट के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सके।

मेसी की दरियादिली, स्पेन में आग प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण के लिए दान दिए 80000 यूरो

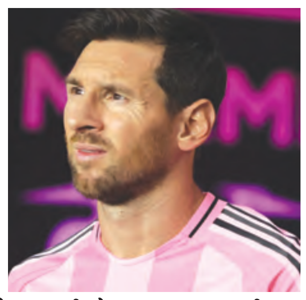

मैड्रिड, 5 अगस्त (एजेंसियां)। फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी ने स्पेनिश राजधानी मैड्रिड में हाल ही में जंगल में लगी भीषण आग से प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण के प्रयासों के लिए 80,000 यूरो (करीब 88 लाख रुपये) का दान दिया है। मैड्रिड क्षेत्रीय सरकार की प्रेसिडेंट इसाबेल डियाज अयुसो ने सोशल मीडिया पर इस अर्जेंटीना के स्टार के योगदान की घोषणा की और प्रभावित समुदायों के समर्थन में उनके इस उदार भाव के लिए धन्यवाद दिया। इसाबेल डियाज ने कहा, मेसी ने मैड्रिड के सिएरा ओएस्ते क्षेत्र के पुनर्निर्माण के लिए 80,000 यूरो दान किए हैं। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं और उनसे कहना चाहती हूं कि मैड्रिड के लोग जल्द ही उनका स्वागत करने और उन्हें वह सम्मान देने के लिए उत्सुक हैं जिसके वे हकदार हैं।

यह दान ऐसे समय में आया है जब स्पेनिश अधिकारी मैड्रिड के सिएरा ओएस्ते क्षेत्र में तबाही मचाने वाली आग के बाद की स्थिति को संभालने के अपने प्रयासों में जुटे हुए हैं। इससे पहले, दक्षिणी यूरोप में जंगल की आग तेजी से फैलती रही, जिससे स्पेन, फ्रांस और इटली में बड़े पैमाने पर लोगों को वहां से निकालना पड़ा और आपातकालीन अभियान चलाने पड़े, क्योंकि अत्यधिक गर्मी और तेज हवाओं ने आग को और भड़का दिया था।

यूरोन्यूज के अनुसार, स्पेन ने एक राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया था क्योंकि आग ने मैड्रिड के पास और अविला प्रांत में समुदायों को खतरे में डाल दिया था। मालूम हो कि मेसी ने अर्जेंटीना को 2026 फीफा विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाया था, जहां टीम को स्पेन से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

क्रिकेटर से सीधे 'सरकारी बाबू'! ईशान किशन को आरबीआई में मिलती है 62,500 रुपये सैलरी

पटना, 5 अगस्त (एजेंसियां)। ईशान किशन अभी क्रिकेट से दूर हैं. ईशान आरबीआई में काम करते हैं और हाल ही में वह ऑफिस गए, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. आइए जानते हैं कि ईशान को आरबीआई से कितनी सैलरी मिलती है. ईशान किशन इस समय क्रिकेट से ब्रेक पर हैं. ईशान भारतीय वनडे और टी20आई टीम का हिस्सा हैं. अभी टीम इंडिया इन दोनों प्रारूपों में क्रिकेट नहीं खेल रही है और सितंबर में ही फैंस किशन को भारतीय जर्सी में खेलते देख पाएंगे. ईशान अपने इस खाली समय में रोजाना नौकरी पर जा रहे हैं. हाल ही में ईशान किशन की आरबीआई ऑफिस से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं. कई लोग यह जानकर हैरान हैं कि किशन RBI में काम करते हैं. आइए जानते हैं कि किशन की नौकरी कैसे लगी और उन्हें लगभग कितना वेतन मिलता है.

ईशान किशन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में काम करते हैं. वह अपने शहर पटना के आरबीआई रीजनल ऑफिस में असिस्टेंट मैनेजर की पोस्ट पर नौकरी करते हैं. वह ग्रेड ए ऑफिसर हैं. वह बैंक में अपनी जिम्मेदारियों के साथ-साथ आरबीआई की क्रिकेट टीम का अलग-अलग टूर्नामेंट्स में नेतृत्व भी करते हैं. क्रिकेट से ब्रेक के दौरान वह ऑफिस भी जाते हैं.

ईशान किशन को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में स्पोर्ट्स कोटा के तहत नौकरी लगी. वह सेंट्रल बैंक कोटा पॉलिसी के जरिए आरबीआई का हिस्सा बने. भारत के लिए इंटरनेशनल और नेशनल लेवल पर अपनी उपलब्धियों के चलते उन्हें यह नौकरी दी गई. किशन को अपने करियर के शुरुआती दौर में यह नौकरी दी गई थी. हालांकि, किशन तब चर्चा का विषय बने, जब वह पटना की आरबीआई ब्रांच में आईडी कार्ड पहने हुए नजर आए.

आरबीआई में ग्रेड ए ऑफिसर का मेहनताना 62,500 रुपये प्रति माह से शुरू होता है. अगर सभी अलाउंस को जोड़ दिया जाए, तो उनकी सैलरी 1 लाख से 1.4 लाख के बीच होती है. ईशान किशन को भी करीब 1 लाख रुपये वेतन मिलता है. खैर, ईशान की कमाई का मुख्य जरिया क्रिकेट है, जिससे वह सालाना करीब 18-20 करोड़ रुपये कमा लेते हैं.

सिनसिनाटी ओपन में फिर साथ दिखेंगी विलियम्स बहनें

यूएस ओपन से पहले खेलेंगी डबल्स

मेसन, 5 अगस्त (एजेंसियां)। सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स एक बार फिर डबल्स कोर्ट पर साथ उतरने के लिए तैयार हैं। यूएस ओपन से पहले होने वाले प्रतिष्ठित सिनसिनाटी ओपन में दोनों को डबल्स ड्रॉ के लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट आयोजकों ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। यह 2022 यूएस ओपन के बाद पहला अवसर होगा, जब दोनों बहनें किसी आधिकारिक मुकाबले में डबल्स जोड़ी के रूप में खेलती नजर आएंगी। वहीं, सिनसिनाटी ओपन में दोनों पहली बार एक साथ डबल्स खेलने उतरेंगी। इस साल विंबलडन में भी दोनों को डबल्स के लिए वाइल्ड कार्ड मिला था, लेकिन सेरेना विलियम्स की चोट के कारण यह जोड़ी कोर्ट पर नहीं उतर सकी थी। सेरेना और वीनस विलियम्स महिला टेनिस इतिहास की सबसे सफल डबल्स जोड़ियों में गिनी जाती हैं। 14 ग्रैंड स्लैम महिला डबल्स खिताब जीते हैं। 3 ओलंपिक स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं। कई वर्षों तक महिला डबल्स में अपना दबदबा कायम रखा।

44 वर्षीय सेरेना विलियम्स ने हाल ही में लगभग चार साल बाद विंबलडन में सिंगल्स मुकाबले के जरिए प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी की थी। हालांकि उन्हें पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सिनसिनाटी ओपन में वीनस के साथ डबल्स खेलना उनकी वापसी की दिशा में एक और अहम कदम माना जा रहा है।

46 वर्षीय वीनस विलियम्स इस महीने के अंत में शुरू होने वाले यूएस ओपन में मिक्स्ड डबल्स स्पर्धा में कजाकिस्तान के खिलाड़ी अलेक्जेंडर बब्लिक के साथ जोड़ी बनाकर खेलेंगी। यूएस ओपन से पहले सिनसिनाटी ओपन में विलियम्स बहनों की वापसी ने टेनिस प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। दोनों की जोड़ी एक बार फिर कोर्ट पर पुराने सुनहरे दिनों की यादें ताजा करने के इरादे से उतरेगी।

अल्काराज कलाई की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से बाहर

मेसन, 5 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज कलाई की पुरानी चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से बाहर हो गए हैं। इसके साथ ही साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन में उनके खेलने पर भी सस्पेंस बढ़ गया है। अल्काराज अप्रैल के बाद से कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। वे सिनसिनाटी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने वाले थे, जिसे यूएस ओपन की सबसे अहम तैयारी माना जाता है। सिनसिनाटी ओपन के टूर्नामेंट डायरेक्टर बॉब मोरान ने आधिकारिक बयान जारी कर अल्काराज के हटने की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने और फिर से मुकाबले खेलने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका फिर से स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'

21 साल के स्पेनिश स्टार अल्काराज ने 14 अप्रैल को बार्सिलोना ओपन में अपना आखिरी मुकाबला खेला था। उसी मैच के बाद कलाई की चोट उभरने पर उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इसके बाद वह फ्रेंच ओपन और पूरा ग्रास-कोर्ट सीजन, जिसमें विंबलडन भी शामिल है, नहीं खेल सके। हाल ही में सोशल मीडिया पर अल्काराज की प्रैक्टिस करते हुए तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। इसके बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि वह 11 अगस्त से शुरू होने वाले सिनसिनाटी ओपन तक फिट हो जाएंगे। हालांकि, कलाई पूरी तरह ठीक नहीं होने के कारण मेडिकल टीम ने उन्हें कोई जोखिम नहीं लेने की सलाह दी।

कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद पाकिस्तानी बॉक्सर टीम होटल से लापता

पासपोर्ट टीम मैनेजर के पास है, फेडरेशन पर फिर सवाल उठे

ग्लासगो, 5 अगस्त (एजेंसियां)। ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स खत्म होने के बाद पाकिस्तान के बॉक्सर कुदरतुल्लाह टीम होटल से गायब हो गए हैं। इस घटना के बाद पाकिस्तान बॉक्सिंग फेडरेशन एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गया है। कुदरतुल्लाह अपने वेट कैटेगरी में मुकाबला खेलने के बाद होटल से गायब हुए। हैरानी की बात यह है कि बॉक्सर का पासपोर्ट टीम मैनेजर के पास था, फिर भी वे वहां से निकलने में कामयाब रहा।

कुदरतुल्लाह को आखिरी बार रविवार, 2 अगस्त, 2026 को लगभग सुबह 2:00 बजे उनके होटल के कमरे में देखा गया था।र

सुबह करीब 9:00 बजे जब राष्ट्रीय दल हवाई अड्डे के लिए रवाना होने के लिए लॉबी में इकट्ठा हुआ, तब उसके लापता होने का पता चला।

कुदरतुल्लाह वह अपना सामान वहीं छोड़ गया, जबकि उसका पासपोर्ट और वापसी का टिकट टीम मैनेजर के पास ही रह गया।

पाकिस्तान के खिलाड़ियों के विदेश में गायब होने का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी लगभग हर बड़े इंटरनेशनल इवेंट के दौरान पाकिस्तानी बॉक्सर्स के विदेश में गायब होने की खबरें सामने आती रही हैं।

साल 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान भी दो पाकिस्तानी बॉक्सर सुलेमान बलोच और नजीरउल्लाह खान बर्मिंघम में गायब हो गए थे। उस समय भी उनके पासपोर्ट कथित तौर पर टीम के मुखिया के पास ही थे।

साल 2024 में इटली के बुस्टो अर्सिजियो शहर में हुए वर्ल्ड ओलिंपिक क्वालिफायर के दौरान भी ऐसा ही एक मामला हुआ था। तब एशियाई गोल्ड मेडलिस्ट बॉक्सर जोहैब रशीद अपने रूममेट की विदेशी मुद्रा और कीमती सामान लेकर फरार हो गया था।

ग्लासगो से पाकिस्तान का 36 मेंबर्स का दल स्वदेश लौट आया है। इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स में पाकिस्तान को केवल एक ब्रॉन्ज मेडल मिला, जिसे महिला बॉक्सर फातिमा जेहरा ने जीता। पाकिस्तान मेडल टैली में 31वें नंबर पर रहा।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में कई बार के चैंपियन ब्रॉक लेसनर का पेशेवर रेसलिंग से संन्यास

न्यूयॉर्क, 5 अगस्त (एजेंसियां)। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) के दिग्गज ब्रॉक लेसनर ने पेशेवर रेसलिंग से संन्यास लेने का एलान कर दिया है। ब्रॉक लेसनर को एक अगस्त को खेले गए समरस्लैम इवेंट में नाइजीरिया के उभरते हुए रेसलिंग स्टार ओबा फेमी के खिलाफ हार मिली थी। इसके बाद ही उन्होंने पेशेवर रेसलिंग छोड़ने का फैसला किया है। 49 साल के कई बार के डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन ने एक शो पर अपने संन्यास लेने की पुष्टि की। कॉम्बैट स्पोर्ट्स में शानदार करियर के दौरान उन्होंने अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप और न्यू जापान प्रो रेसलिंग में भी हिस्सा लिया था। लेसनर ने पुष्टि की है कि फेमी के खिलाफ उनका मुकाबला उनके करियर का आखिरी मैच है। उन्होंने यह भी माना कि अप्रैल में रेसलमेनिया 42 में फेमी से हारने के बाद उन्हें लगा था कि एक इन-रिंग परफॉर्मर के तौर पर उनका सफर खत्म हो गया है। उन्होंने अपने ग्लव्स और बूट्स रिंग में ही छोड़ दिए थे। लेकिन उन्होंने वापसी करने का फैसला किया और मई में 'क्लैश इन इटली' में 28 साल के इस रेसलर को हराया। हालांकि आखिर में समरस्लैम में 'हेल इन ए सेल' मैच में वे इस उभरते हुए स्टार से हार गए। मैच के बाद उन्होंने सम्मान के तौर पर ओबा का हाथ ऊपर उठाया और उन्हें डब्ल्यूडब्ल्यू का भविष्य' बताया, जबकि खुद को बीता हुआ कल कहा। लेसनर ने शो के दौरान कहा, मैं आज यहां दुनिया को बताने आया हूं कि मैंने संन्यास ले लिया है। शनिवार का दिन मेरे लिए काफी भावुक था। यह कुछ अजीब था। जब ओबा फेमी ने रेसलमेनिया में मुझे जोर से पटका तो मैंने कहा कि मैं अब और नहीं कर सकता।

दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान जीत के करीब: वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 6 विकेट गिरे, बढ़त सिर्फ 60 रन; साजिद को 4 विकेट

पार्क ओवल, 5 अगस्त (एजेंसियां)। त्रिनिदाद और टोबैगो की राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वींस पार्क ओवल में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन पाकिस्तान ने मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। वेस्टइंडीज को पहली पारी में 344 रन पर समेटने के बाद पाकिस्तान ने 387 रन बनाकर 43 रन की बढ़त हासिल की।

इसके जवाब में मेजबान टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 103 रन बनाए। उसकी बढ़त अब सिर्फ 60 रन की रह गई है।

तीसरे दिन का आखिरी सत्र मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। शुरुआती समय में वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाजों ने पाकिस्तान की बढ़त खत्म कर दी थी, लेकिन इसके बाद स्पिनर साजिद खान और अली उस्मान ने लगातार विकेट लेकर मैच का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ दिया। साजिद खान ने तेजनारायण चंद्रपॉल को एलबीडब्ल्यू आउट कर पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उन्होंने शाई होप और नाइटवॉचमैन जेडन सील्स को भी पवेलियन भेजा। वहीं अली उस्मान ने दिन की आखिरी गेंद पर रोस्टन चेज का अपनी ही गेंद पर कैच लपककर वेस्टइंडीज को छठा झटका दिया।

अब वेस्टइंडीज के सिर्फ चार विकेट बाकी हैं। ऐसे में उसके लिए पाकिस्तान के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखना आसान नहीं होगा। इससे पहले पाकिस्तान की पहली पारी 387 रन पर सिमट गई। सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ने शानदार 150 रन बनाए और टीम को पहली पारी में 43 रन की अहम बढ़त दिलाई।

हालांकि, तीसरे दिन के पहले सत्र में पाकिस्तान ने जल्दी-जल्दी विकेट गंवा दिए। बाबर आजम 88 रन पर रन आउट हो गए। इसके बाद डेब्यू कर रहे अजान जफर बिना खाता खोले आउट हुए, जबकि सलमान आगा भी शून्य पर पवेलियन लौट गए। पाकिस्तान ने 5 रन के भीतर 3 अहम विकेट गंवा दिए।

इसके बाद मोहम्मद रिजवान (22 रन) और साजिद खान (20 रन) ने उपयोगी पारियां खेलकर टीम की बढ़त 43 रन तक पहुंचाई।

वेस्टइंडीज की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वॉरीकन सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 42 रन देकर 6 विकेट लिए। वॉरीकन ने उबैद शाह और मोहम्मद अली को लगातार गेंदों पर आउट किया, हालांकि वह हैट्रिक से चूक गए। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत ही वेस्टइंडीज पाकिस्तान को पहली पारी में बड़ी बढ़त लेने से रोक सका।

तुम्मिडीहेट्टी बैराज को मंजूरी के लिए सीएम ने केंद्र से किया आग्रह

जल शक्ति मंत्री से तेलंगाना-महाराष्ट्र बैठक कराने की मांग

चार सिंचाई परियोजनाओं को पर्यावरणीय मंजूरी देने का भी आग्रह

नई दिल्ली , 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से मुलाकात कर प्राणहिता नदी पर प्रस्तावित तुम्मिडीहेट्टी बैराज की ऊंचाई बढ़ाने के मुद्दे पर तेलंगाना और महाराष्ट्र सरकारों के बीच जल्द बैठक कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को शीघ्र मंजूरी मिलना राज्य की सिंचाई आवश्यकताओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री के साथ सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी भी मौजूद रहे। बैठक में मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने तुम्मिडीहेट्टी बैराज के निर्माण और आवश्यक स्वीकृतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था, जिसे प्रधानमंत्री कार्यालय ने आगे की कार्रवाई के लिए जल शक्ति मंत्रालय को भेज दिया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि पहले दोनों राज्यों के बीच 148 मीटर ऊंचाई का बैराज बनाने पर सहमति बनी थी। इसके बाद पुणे स्थित केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केंद्र (सीडब्ल्यूपीआरएस) ने 148 से 152 मीटर ऊंचाई तक बैराज निर्माण की व्यवहार्यता का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि 148 और 152 मीटर की ऊंचाई के बीच डूब क्षेत्र में कोई बड़ा अंतर नहीं होगा तथा लगभग 50 प्रतिशत डूब क्षेत्र नदी तल के भीतर ही रहेगा। रेवंत रेड्डी ने कहा कि यदि बैराज की ऊंचाई 150 से 152 मीटर रखी जाती है तो गुरुत्वाकर्षण आधारित जलापूर्ति संभव होगी, जिससे बिजली की खपत में भारी कमी आएगी। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को इस प्रस्ताव पर सहमत कराने के लिए केंद्रीय मंत्री से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में बढ़ती सिंचाई आवश्यकताओं को देखते हुए दोनों राज्यों के बीच जल्द वार्ता कराई जानी चाहिए। तुम्मिडीहेट्टी बैराज बनने से अविकसित पूर्व आदिलाबाद जिले को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इस पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय से प्राप्त पत्र पर मंत्रालय कार्रवाई कर रहा है। सबसे पहले केंद्रीय जल आयोग के नेतृत्व में दोनों राज्यों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद तेलंगाना और महाराष्ट्र के सिंचाई मंत्रियों की बैठक भी कराई जाएगी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार को संसद भवन में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से भी मुलाकात की। उन्होंने पालमुरु-रंगारेड्डी, गौरवेल्ली, सीतम्मा सागर और डिंडी सिंचाई परियोजनाओं को शीघ्र पर्यावरणीय मंजूरी देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पालमुरु-रंगारेड्डी परियोजना पर अब तक 36,437 करोड़ रुपये, डिंडी लिफ्ट सिंचाई योजना पर 3,187 करोड़ रुपये, सीतम्मा सागर परियोजना पर 1,835 करोड़ रुपये तथा गौरवेल्ली परियोजना पर 1,350 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। पर्यावरणीय मंजूरी में देरी के कारण परियोजनाएं रुकी हुई हैं और उनकी लागत लगातार बढ़ रही है।

उन्होंने हाल ही में आए उच्चतम न्यायालय के निर्णय का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री से सभी लंबित पर्यावरणीय स्वीकृतियां तत्काल जारी करने का अनुरोध किया, ताकि परियोजनाओं को तेजी से पूरा कर किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। बैठकों में सांसद डॉ. मल्लु रवि, वेम नरेंद्र रेड्डी, रामसहायम रघुराम रेड्डी, पोरिका बलराम नायक, गड्डम वंशी कृष्ण, एम. अनिल यादव और डॉ. कडियम काव्या, दिल्ली में राज्य सरकार के विशेष प्रतिनिधि ए.पी. जितेंद्र रेड्डी, सिंचाई सलाहकार आदित्यनाथ दास तथा सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव ई. श्रीधर भी उपस्थित रहे।

हरिथा होटल में सीए ने हीलियम गैस सूंघकर आत्महत्या की

सिद्दीपेट, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक चार्टर्ड अकाउंटेंट, जिसे कथित तौर पर ऑनलाइन सट्टेबाजी की लत थी और जिसने बहुत सारा पैसा गंवा दिया था, ने हीलियम गैस सूंघकर आत्महत्या कर ली। सिद्दीपेट ज़िले के रहने वाले संतोष कुमार (32) ने 1 अगस्त को सिद्दीपेट शहर के पास हरिथा होटल में चेक-इन किया था। जब उसने मंगलवार तक अपना कमरा नहीं खोला और दरवाज़ा अंदर से बंद रहा, तो होटल प्रबंधन ने सिद्दीपेट III टाउन पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने खिड़की का शीशा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया।

सिद्दीपेट के एसीपी रविंदर रेड्डी ने बताया कि मृतक ने एक सुसाइड नोट छोड़ा था। ऑनलाइन सट्टेबाजी की लत से उबरने में असमर्थ संतोष ने लिखा कि उसने अपनी जान देने का फैसला किया है। पुलिस के अनुसार, उसके परिवार ने कई मौकों पर उसे आर्थिक मदद दी थी। हालाँकि, वह इस लत से उबर नहीं सका। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि संतोष ने यूट्यब पर आत्महत्या के तरीके के बारे में वीडियो देखने के बाद बालानगर में हीलियम गैस सिलेंडर खरीदा था। बताया जाता है कि 1 अगस्त की शाम को प्लास्टिक कवर से अपना चेहरा ढकने के बाद उसने गैस सूंघना शुरू किया और अगले दिन तड़के उसकी मौत हो गई। खबरों के मुताबिक संतोष की पत्नी गर्भवती है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

तेलंगाना पुलिस ने शुरू की एआई आधारित डायल 112 आपातकालीन सेवा

पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद ने किया नई प्रणाली का उद्घाटन

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने नागरिकों को तेज, स्मार्ट और बेहतर आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित तेलंगाना आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (टीजी-ईआरएसएस) डायल 112 की शुरुआत की। इस नई प्रणाली का उद्घाटन तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद ने हैदराबाद स्थित तेलंगाना एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र में किया। इस अवसर पर गृह विभाग की प्रमुख सचिव शिखा गोयल, तकनीकी सेवाओं के पुलिस महानिदेशक वी.वी. श्रीनिवास राव, हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश, मलकाजगिरि पुलिस आयुक्त बी. सुमति सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने कहा कि नई डायल 112 प्रणाली तेलंगाना में तकनीक आधारित पुलिसिंग और नागरिक केंद्रित आपातकालीन सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में डायल 112 नागरिकों के लिए पहला संपर्क माध्यम है और हर कॉल पर तेज, प्रभावी तथा पेशेवर प्रतिक्रिया जनता के विश्वास को मजबूत करती है। नई प्रणाली के तहत पुलिस, अग्निशमन सेवा, एंबुलेंस, महिला सुरक्षा, बाल संरक्षण, आपदा प्रतिक्रिया समेत सभी आपातकालीन सेवाओं को एक ही नंबर 112 से जोड़ा गया है। नई एआई आधारित प्रणाली में डुप्लीकेट और गैर-जरूरी कॉल की पहचान, घटना की गंभीरता के आधार पर प्राथमिकता तय करना, संबंधित विभाग तक कॉल पहुंचाना, एआई आधारित सहायता दल भेजना, आवाज को लिखित रूप में बदलना, स्थान आधारित सेवाओं और मानचित्रों के माध्यम से कॉल करने वाले की पहचान जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा वास्तविक समय निगरानी डैशबोर्ड और एकीकृत नियंत्रण प्रणाली भी विकसित की गई है।

पुलिस महानिदेशक ने बताया कि नई प्रणाली लागू होने के बाद आपातकालीन कॉल निपटाने की गति में काफी सुधार हुआ है। कॉल लेने का औसत समय 100 सेकंड से घटकर 69 सेकंड और सहायता भेजने की प्रक्रिया का समय 90 सेकंड से घटकर 64 सेकंड रह गया है। इससे कुल कॉल सेंटर प्रक्रिया का समय 190 सेकंड से घटकर 133 सेकंड हो गया है, जो लगभग 30 प्रतिशत सुधार है। तेलंगाना में वर्तमान आपातकालीन प्रतिक्रिया समय शहरी क्षेत्रों में लगभग 6 मिनट, ग्रामीण क्षेत्रों में 15 मिनट और राज्य का औसत 10 मिनट 30 सेकंड है, जो राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। टीजी-ईआरएसएस डायल 112 केंद्र चौबीसों घंटे संचालित होगा, जिसमें 164 प्रशिक्षित कर्मचारी और 900 संचार चैनल उपलब्ध हैं। प्रतिदिन लगभग 14 लाख कॉल इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस प्रणाली तक पहुंचती हैं, जिनमें करीब 18 हजार आपातकालीन कॉल संभाली जाती हैं और लगभग 7,500 घटनाओं के लिए मौके पर सहायता भेजी जाती है।

'अराइव अलाइव' अभियान के तहत विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा का पाठ

स्कूल में 450 से अधिक छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की दी गई जानकारी

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और विद्यार्थियों में यातायात अनुशासन विकसित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'अराइव अलाइव' अभियान के तहत लंगर हाउस यातायात पुलिस ने जियागुड़ा स्थित श्लोका स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का नेतृत्व लंगर हाउस यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक पी. अंजैया ने किया। इसमें 450 से अधिक छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान यातायात निरीक्षक ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने ज़ेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करने, सड़क पार करते समय सावधानी बरतने तथा पैदल यात्रियों के लिए निर्धारित नियमों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा वाहन चलाने को गैरकानूनी बताते हुए कहा कि इससे न केवल दुर्घटना का खतरा बढ़ता है, बल्कि अभिभावकों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है। बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने के दुष्परिणामों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में दोपहिया वाहन चलाते समय गुणवत्तापूर्ण हेलमेट पहनने की अनिवार्यता, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने तथा गलत दिशा में वाहन चलाने के गंभीर खतरों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। यातायात पुलिस ने स्कूल ऑटो में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने के जोखिमों के बारे में भी जानकारी दी और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने की अपील की। निरीक्षक पी. अंजैया ने विद्यार्थियों से स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ-साथ अपने परिवार के सदस्यों को भी जागरूक करने का आह्वान किया, ताकि सभी के लिए सड़कें अधिक सुरक्षित बन सकें।

आत्महत्या की कोशिश करने वाले युवक की अस्पताल से छुट्टी मिली

खम्मम, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम के युवा जी. वेणु कुमार, जिन्होंने ग्रुप भर्ती नोटिफिकेशन जारी करने में देरी से परेशान होकर 1 अगस्त को आत्महत्या की कोशिश की थी, उन्हें बुधवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

याद दिला दें कि डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्का के मधिरा निर्वाचन क्षेत्र के मुडिगोंडा मंडल के न्यू लक्ष्मीपुरम गांव के रहने वाले वेणु कुमार ने अपनी जान देने के लिए चूहे मारने की दवा और नींद की गोलियां खा ली थीं।

खम्मम के एक निजी अस्पताल में इलाज के बाद उनकी हालत में सुधार हुआ।

राज्य सरकार को संबोधित तीन पन्नों का सुसाइड नोट - जिसे वह डिप्टी सीएम विक्रमार्का, सीएम ए. रेवंत रेड्डी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी तक पहुंचाना चाहते थे - ने छात्रों और राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी और सरकार की कड़ी आलोचना भी हुई।

वेणु कुमार ने दावा किया कि उन्होंने ग्रुप भर्ती नोटिफिकेशन जारी करने में देरी और जॉब कैलेंडर न होने के कारण यह चरम कदम उठाया। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा सरकार ने केवल उन्हीं नौकरियों को भरा है जिनके लिए पिछली सरकार ने नोटिफिकेशन जारी किए थे, लेकिन वह नया जॉब कैलेंडर जारी करने में विफल रही।

13 लाख रुपये के नकली नोटों के मामले में एक गिरफ्तार

कोठागुडेम, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले की अश्वरावपेट पुलिस ने 13 लाख रुपये के नकली नोटों के फ्रॉड मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

पलोन्चा डीएसपी सतीश कुमार ने बताया कि आरोपी, पाथिपति प्रेम चंद् ने भोले-भाले लोगों को यह विश्वास दिलाकर ठगा कि उसके द्वारा तैयार की गई काले कागज़ की शीट को केमिकल सॉल्यूशन में डुबोकर 500 रुपये के नोटों में बदला जा सकता है।

आरोपी ने अश्वरावपेट के निवासी मधु बाबू से 13 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने की बात कबूल की। डीएसपी ने अश्वरावपेट में पत्रकारों को बताया कि उसने पहले 500 रुपये के नोटों के आकार में कटे काले कागज़ की शीट के लिए 11 लाख रुपये लिए और बाद में केमिकल खरीदने के लिए 2 लाख रुपये और लिए। उन्होंने बताया कि जांच से पता चला है कि आरोपी पहले भी हैदराबाद के बाचुपल्ली, रामचंद्रपुरम और कुकटपल्ली पुलिस स्टेशनों में दर्ज नकली नोटों, मोटरसाइकिल चोरी और अन्य अपराधों के मामलों में जेल जा चुका है। पुलिस ने 500 रुपये के नोटों के आकार में कटे काले कागज़ की 20,000 शीट (20 बंडल) और केमिकल सॉल्यूशन की दो बोतलें ज़ब्त कीं, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर काले कागज़ को नोटों में बदलने का डेमो दिखाने के लिए किया जाता था। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हैदराबाद में वोटर लिस्ट के रिविज़न के दौरान

9.95 लाख से ज़्यादा एएसडी वोटर की पहचान

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िला चुनाव अधिकारी आर.वी. कर्णन ने बताया कि हैदराबाद ज़िले के सभी 15 विधानसभा क्षेत्रों में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न के दौरान 9.95 लाख से ज़्यादा वोटरों की पहचान 'अनुपस्थित, स्थानांतरित या मृत (एएसडी) वोटर' के तौर पर की गई।

बुधवार को जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज़्यादा 88,933 एएसडी वोटर दर्ज किए गए, जबकि अंबरपेट में सबसे कम 38,208 वोटर दर्ज किए गए।

5 अगस्त तक एन्यूमरेशन फ़ॉर्म के डिजिटाइज़ेशन की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद ज़िले ने 57.56% डिजिटाइज़ेशन का काम पूरा कर लिया था। कुल 47,36,669 वोटरों में से 27,26,665 वोटरों का डिजिटाइज़ेशन पूरा हो चुका था। कर्णन ने बताया कि हैदराबाद ज़िले में डिजिटाइज़ेशन के लिए बाकी बचा काम 10,14,699 (21.42%) है।

बहादुरपुरा विधानसभा क्षेत्र 63.35% डिजिटाइज़ेशन के साथ सबसे आगे रहा। सनथनगर विधानसभा क्षेत्र में 53.53% डिजिटाइज़ेशन दर्ज किया गया, जो शहर में सबसे कम था।

बुधवार को कर्णन ने हैदराबाद ज़िले में एसआईआर की स्थिति के बारे में बताने के लिए सभी पार्टियों की एक बैठक बुलाई। यह बैठक 10 अगस्त को गिनती वाले फ़ॉर्म जमा करने की समय-सीमा खत्म होने से पाँच दिन पहले हुई।

हैदराबाद ज़िले में एएसडी वोटरों के मामले में विधानसभा क्षेत्र

जुबली हिल्स 88,933 वोटर, मुशीराबाद 84,917 वोटर, याकूतपुरा 84,792 वोटर, चंद्रायनगुट्टा 81,500 वोटर, सिकंदराबाद 79,457 एएसडी वोटर मिले हैं।

वारंगल कलेक्टर के निजी कलेक्शन में निज़ाम के दौर की दुर्लभ रेवेन्यू सील मिली

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल के सिक्का विशेषज्ञ रागी वैकुंठ चारी को तब सुखद आश्चर्य हुआ जब उन्हें अपने कलेक्शन में निज़ाम के फाइनेंशियल एडमिनिस्ट्रेटर, राजा शिव राज धर्मवंत बहादुर द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कांसे की एक दुर्लभ सरकारी सील मिली।

वैकुंठ चारी के अनुसार, राजा शिव राज धर्मवंत बहादुर को हैदराबाद का 'फाइनेंशियल आर्किटेक्ट' माना जाता था। उन्होंने हैदराबाद रियासत के कामकाज को आकार दिया और आसफ़ जाही वंश के मीर महबूब अली खान (छठे निज़ाम) और मीर उस्मान अली खान (सातवें निज़ाम) के अधीन सीनियर फाइनेंशियल एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर काम किया।

चारी ने बताया कि वित्त मंत्री का दफ़्तर चारमीनार के पास मलवाला पैलेस में था, जिसे साल 2000 में गिरा दिया गया था क्योंकि वह जर्जर हालत में था।

चारी ने बताया, मुझे यह सरकारी सील (1904—1905 ईस्वी) अपने पिता रागी सत्यनारायण चारी से मिली, जो सुनार थे। राजा शिव राज छठे और सातवें निज़ाम, दोनों के समय में बैंक ट्रांज़ैक्शन और वित्त से जुड़े दूसरे दस्तावेज़ों जैसे कामों के लिए इस सील का इस्तेमाल करते थे। उन्हें यह दुर्लभ सील वारंगल में अपने घर पर मिली और सील पर लिखी बातों का अनुवाद उनके एक दोस्त ने किया, जो यूके की ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे हैं।

चारी ने कहा, सील पर लिखा है - 'मुहर माली पटेल मौज़ा रावलपल्ली कलान इलाका-ए-जागीरात राजा धर्मवंत बहादुर', जिसका मतलब है - राजा धर्मवंत बहादुर की जागीर एस्टेट में स्थित रावलपल्ली कलान गाँव के पटेल की सरकारी रेवेन्यू सील। उन्होंने कहा, यह मुहर राजा धर्मवंत बहादुर की जागीर के अंतर्गत आने वाले एक गाँव के राजस्व प्रशासन को दर्शाती है और आसफ़ जाही काल के दौरान हैदराबाद राज्य की प्रशासनिक और भूमि राजस्व प्रणाली के एक मूल्यवान दस्तावेज़ी प्रमाण के रूप में मौजूद है।

हैदराबाद के अस्पतालों में दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों के कारण 20 लाख रुपये की एंटीबायोटिक की मांग बढ़ी

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मरीजों में एंटीबायोटिक्स की पुरानी श्रेणियों के प्रति प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) विकसित होने के कारण, डॉक्टरों के पास इलाज के विकल्प तेजी से कम हो रहे हैं। इससे अस्पतालों को दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों से निपटने के लिए बेहद महंगी 'लास्ट-लाइन' दवाएं मंगानी पड़ रही हैं, जिससे मरीजों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इसका एक उदाहरण 'न्यू दिल्ली मेटालो-बीटा-लैक्टामेज' स्ट्रेन के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली बेहद महंगी 'लास्ट-लाइन' एंटीबायोटिक 'फेट्रोजा' (सेफिडरोकोल) है। ये स्ट्रेन हैदराबाद और देश के अन्य हिस्सों के टर्शियरी केयर अस्पतालों में तेजी से आम हो रहे हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक डॉक्टर द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में भारत में मेडिकल दुकानों पर 'फेट्रोजा' (सेफिडरोकोल) की अनुपलब्धता का मुद्दा उठाया गया। इस वीडियो में एंटीबायोटिक्स के सही इस्तेमाल के महत्व और ऐसी महत्वपूर्ण दवाओं को अधिक सुलभ और किफायती बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

एनडीएम स्ट्रेन के प्रति प्रतिरोध के मामले आम होने के साथ ही 'फेट्रोजा' (सेफिडरोकोल) की मांग बढ़ गई है। यह दवा आक्रामक, मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंट बैक्टीरियल स्ट्रेन के खिलाफ बचाव की आखिरी उम्मीद (लास्ट-लाइन ऑफ डिफेंस) है, जिन पर एंटीबायोटिक्स की पुरानी श्रेणियों का कोई असर नहीं होता।

डॉक्टर ने 'फेट्रोजा' के खर्च से जुड़े भारी आर्थिक बोझ के बारे में भी बात की। 'फेट्रोजा' की एक ग्राम की शीशी (वायल) की कीमत लगभग 35,000 रुपये प्रति यूनिट है।

क्रिटिकल केयर के मानक प्रोटोकॉल के अनुसार, 10 दिन के इलाज के दौरान रोजाना 6 ग्राम दवा की आवश्यकता होती है, जिससे मरीजों पर कुल खर्च 20 लाख रुपये से अधिक हो जाएगा। व्यापक रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) के कारण ऐसी अत्यधिक महंगी, अंतिम उपचार पद्धति वाली दवाओं की मांग बढ़ रही है, जिसने सामान्य या अस्पताल से संक्रमित जीवाणुओं को लाइलाज 'सुपरबग' में बदल दिया है।

जब पारंपरिक एंटीबायोटिक्स पूरी तरह से विफल हो जाते हैं, तो डॉक्टरों को रोगियों के इलाज के लिए सेफिडेरोकोल जैसे विशेष आयरन-बाइंडिंग सेफालोस्पोरिन का सहारा लेना पड़ता है।

आठ कॉलेजों पर नकली फायर एनओसी जमा करने पर केस दर्ज

हैदराबाद, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें आठ प्राइवेट कॉलेजों पर हैड्रा कमिश्नर ए.वी. रंगनाथ के नकली हस्ताक्षर करके फर्जी फायर नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) जमा करने का आरोप है। खबरों के अनुसार, ये फर्जी दस्तावेज कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया के तहत तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन को जमा किए गए थे। शिकायत मिलने के बाद, लेक पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 337, 336(3), 340(2), 318(4) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया।

पुलिस ने कथित धोखाधड़ी और हैड्रा के फायर डिपार्टमेंट द्वारा जारी किए गए होने का दावा करने वाले नकली आधिकारिक दस्तावेजों के इस्तेमाल की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, इसमें शामिल कॉलेज तेल्लापुर, चिक्कडपल्ली, एसआर नगर, मेहदीपट्टनम और बरकतपुरा में स्थित हैं। मामले की जांच कर रहे एक अधिकारी ने कहा, हमें शक है कि इन संस्थानों का मैनेजमेंट नकली फायर एनओसी तैयार करने या जमा करने में शामिल था। अधिकारियों ने यह भी बताया कि लगभग 60 और कॉलेजों द्वारा जमा किए गए फायर एनओसी की असलियत की जांच की जा रही है। जांच प्रक्रिया के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की उम्मीद है।

ईडी ने चिट फंड घोटाले के मामले में वायएसआर कांग्रेस नेता से जुड़ी जगहों पर तलाशी ली

विशाखापत्तनम, 5 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने बुधवार को चिट फंड घोटाले के मामले में वायएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता मल्ला विजय प्रसाद से जुड़ी जगहों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने विशाखापत्तनम और हैदराबाद में पांच जगहों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया।

पूर्व विधायक और 'वेलफेयर ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़' के चेयरमैन के घर, ऑफिस और अन्य जगहों पर तलाशी ली गई। बताया जा रहा है कि ये छापे कई राज्यों में फैले कथित चिट फंड घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की केंद्रीय एजेंसी द्वारा की जा रही जांच का हिस्सा थे।

केंद्रीय एजेंसी विजय प्रसाद और 'वेलफेयर ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़' के खिलाफ आरोपों की जांच कर रही है। खबर है कि ओडिशा और पश्चिम बंगाल के ईडी अधिकारी भी इस तलाशी अभियान में शामिल हैं। तलाशी के दौरान पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे।

विजय प्रसाद विशाखापत्तनम पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र के लिए अपनी पार्टी के कोऑर्डिनेटर हैं। अतीत में उनके खिलाफ ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में कुछ मामले दर्ज किए गए थे। 2021 में, ओडिशा पुलिस ने उन्हें 2019 के चिट फंड मामले में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया था। उस समय वे आंध्र प्रदेश शिक्षा और कल्याण विकास निगम के चेयरमैन के तौर पर काम कर रहे थे। उन पर 1,200 करोड़ रुपये के चिट फंड घोटाले में शामिल होने के आरोप थे, जिसमें आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों के हज़ारों जमाकर्ताओं को कथित तौर पर धोखा दिया गया था।

2016 में, सीबीआई ने चिट फंड घोटालों के सिलसिले में उनके ख़िलाफ़ दो मामले भी दर्ज किए थे। एजेंसी ने उनके ऑफ़िस और घर पर तलाशी ली थी। विजय प्रसाद 2009 में कांग्रेस के टिकट पर विशाखापत्तनम पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से आंध्र प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए थे। 2019 के चुनावों से पहले वे वायएसआर कांग्रेस में शामिल हो गए और उसी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.